twitter.com/divyadelhi facebook.com/divyadelhi infodivyadelhi@gmail.com Editor: Rajesh Chauhan

RNI No. DELHI/2013/54397

In Just 500 ₹
Get
Video AD +2 Days Free Marketing
Advertise On Leading News Channel
9891255609
9354173558
9891221238

दिव्य दिल्ली

divyadelhi.com | रविवार, 08 जून, 2025 | वर्ष: 12 अंक: 206, पृष्ठ: 08 | ₹ 05/- | दिल्ली से प्रकाशित दैनिक समाचार पत्र

भारत ने 17 करोड़ से अधिक लोगों को गरीबी से बाहर निकाला

अत्यधिक गरीबी रेखा को आधार मानें तो भारत में गरीबी दर 5.3 प्रतिशत रही: वर्ल्ड बैंक

नई दिल्ली

भारत की अत्यधिक गरीबी दर एक दशक में तेजी से घटकर 5.3 प्रतिशत हो गई है, यह 2011-12 में 27.1 प्रतिशत थी। यह टिप्पणी की है विश्व बैंक ने। वैश्विक संस्था ने अपनी गरीबी रेखा के दायरे को भी बढ़ाकर 3 अमेरिकी डॉलर प्रतिदिन कर दिया है। विश्व बैंक ने यह भी दावा किया है कि भारत ने 2011-12 से 2022-23 के बीच के दशक में 17.1 करोड़ लोगों को अत्यधिक गरीबी से बाहर निकाला है। विश्व बैंक ने एक रिपोर्ट में कहा कि 2017 और 2021 के बीच भारत की मुद्रास्फीति दर को देखते हुए, 3 अमेरिकी डॉलर की संशोधित अत्यधिक गरीबी रेखा को आधार मानें तो भारत में गरीबी दर 5.3 प्रतिशत रही। रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत में 2024 में 54,695,832 लोग तीन डॉलर प्रतिदिन से कम पर जीवनयापन कर रहे थे।

भारत में घोर घरीबी 16.2 प्रतिशत से घटकर 2.3% हो गई

रिपोर्ट में कहा गया है कि 2011-12 और 2022-23 के बीच अत्यधिक गरीबी की दर 16.2 प्रतिशत से घटकर 2.3 प्रतिशत हो गई। इस दौरान, निम्न मध्यम आय वाले देश (एलएमआईसी) में गरीबी दर में 33.7 प्रतिशत अंकों की गिरावट आई। विश्व बैंक ने माना है कि मुफ्त और रियायती खाद्यान्न वितरण से से गरीबी में कमी आई है और ग्रामीण व शहरी गरीबी का अंतर कम हुआ है। रिपोर्ट में कहा गया है कि पांच सबसे अधिक आबादी वाले राज्यों में 54 प्रतिशत अत्यंत गरीब लोग रहते हैं।

भारत की वास्तविक जीडीपी कोरोना के पहले के स्तर के 5 प्रतिशत कम

अर्थव्यवस्था के बारे में, रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत की वास्तविक जीडीपी वित्त वर्ष 2025 तक कोरोना के पहले के स्तर से लगभग 5 प्रतिशत कम है। विश्व बैंक ने यह भी कहा है कि यदि वर्तमान वैश्विक अनिश्चितताओं का व्यवस्थित ढंग से समाधान कर लिया जाता है तो 2027-28 तक भारत का विकास धीरे-धीरे अपनी संभावित स्थिति में पहुंच जाएगा। रिपोर्ट में कहा गया है, "हालांकि, भारतीय आर्थिक परिदृश्य में महत्वपूर्ण नकारात्मक जोखिम विद्यमान हैं, और इसका कारण वैश्विक स्तर पर नीतिगत बदलाव जारी रहना है। रिपोर्ट के अनुसार वैश्विक स्तर पर तनाव बढ़ने से भारत के निर्यात की मांग कम होगी और निवेश में सुधार में और देरी होगी।"

वित्त वर्ष 2026-28 में चालू खाता घाटा

रिपोर्ट के अनुसार चालू खाता घाटा वित्त वर्ष 2026-28 के दौरान सकल घरेलू उत्पाद के औसतन 1.2 प्रतिशत के आसपास रहने की उम्मीद है। रिपोर्ट के अनुसार भारत का विदेशी मुद्रा भंडार सकल घरेलू उत्पाद के 16 प्रतिशत के आसपास स्थिर रहने का अनुमान है। विश्व बैंक ने अप्रैल में भारत पर अपनी 'गरीबी और समानता संक्षिप्त रिपोर्ट' में कहा था, "पिछले एक दशक में भारत ने गरीबी को काफी हद तक कम किया है।

सरकार ने जारी किया कोविड से हुई मौतों का आंकड़ा

2021 में देश में हुई थी एक करोड़ से अधिक लोगों की मौत

नई दिल्ली

भारत में कोविड प्रभावित 2021 के मुकाबले 2022 में कोविड संक्रमण से लगभग 86.5 लाख मौतें दर्ज की गईं। यह मौतें 2021 में हुई 1.02 करोड़ मौतों से 15 फीसदी से भी अधिक कम हैं। यह खुलासा भारत के रजिस्ट्रार जनरल की जारी नागरिक पंजीकरण प्रणाली (सीआरएस) की नई रिपोर्ट में किया गया है।

सीआरएस की रिपोर्ट के मुताबिक, 2022 में 15.74 लाख मौतों की गिरावट से मृत्यु दर 2020 जैसे महामारी से पहले के स्तर पर लौट आई हैं।सीआरएस के आंकड़ों के अनुसार, 2021 में देश भर में 1.02 करोड़ लोगों की मौतों के साथ मृतक संख्या में तेज उछाल दर्ज किया गया था, जबकि यह आंकड़ा 2020 में 81.1 लाख, 2019 में 76.4 लाख और 2018 में 69.5 लाख था। रिपोर्ट के मुताबिक, पंजीकृत मौतों की संख्या 2021 में 102.2 लाख से घटकर 2022 में 86.5 लाख हो गई, यानी इसमें 15.4 फीसदी की गिरावट आई। इस गिरावट में गुजरात, महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, आंध्र प्रदेश, तमिलनाडु, उत्तर प्रदेश, कर्नाटक, पश्चिम बंगाल, बिहार और हरियाणा जैसे राज्यों का बड़ा योगदान रहा। लोकसभा में 29 जुलाई 2022 को दी गई जानकारी के अनुसार, 26 जुलाई 2022 तक भारत में कोविड-19 से लगभग 5.26 लाख मौतें दर्ज की गईं।

भारत-ब्रिटेन रणनीतिक साझेदारी को नई गति, दोनों देशों के विदेश मंत्रियों ने की बैठक

नई दिल्ली

विदेश मंत्री डॉ एस जयशंकर ने शनिवार को दिल्ली में ब्रिटेन के अपने समकक्ष डेविड लैमी के साथ द्विपक्षीय बैठक की। दोनों नेताओं के बीच इस बैठक में आतंकवाद सहित द्विपक्षीय और वैश्विक मुद्दों पर चर्चा हुई। आतंकवाद पर दोनों देश साथ मिलकर काम करने को सहमत हैं और मानते हैं कि विभिन्न क्षेत्रों में सहयोग बढ़ने से नए अवसर पैदा होंगे। विदेश मंत्री ने एक्स पर मुलाकात और बातचीत की जानकारी दी। विदेश मंत्री ने पहलगाम में हुए आतंकी हमले की ब्रिटेन द्वारा की गई कड़ी निंदा की सराहना की। साथ ही आतंकवाद के खिलाफ साझा लड़ाई में ब्रिटेन के समर्थन को महत्वपूर्ण बताया। दोनों पक्षों ने आतंकवाद से निपटने के लिए मिलकर काम करने की प्रतिबद्धता जताई। बैठक में द्विपक्षीय संबंधों की प्रगति की समीक्षा की गई। खास तौर पर व्यापार, रक्षा, शिक्षा और तकनीकी क्षेत्र में सहयोग पर चर्चा हुई। दोनों नेताओं ने माना कि जैसे-जैसे सहयोग बढ़ता है, नए अवसर उभरते हैं। इस बातचीत में वैश्विक और क्षेत्रीय मुद्दों पर भी विचार-विमर्श हुआ। भारत और ब्रिटेन की बहुपक्षीय मंचों पर साझेदारी को और मजबूत करने पर सहमति बनी।

गुकेश मुझे 2008-09 के अपने दौर की याद दिलाते हैं: कार्लसन

नई दिल्ली

नॉर्वे चेस 2025 का खिताब जीतने के बाद शतरंज के पांच बार के विश्व चैंपियन मैग्नस कार्लसन ने भारतीय ग्रैंडमास्टर डी. गुकेश की जमकर तारीफ की है। कार्लसन ने कहा कि गुकेश की मौजूदा शैली उन्हें खुद की शुरूआती शतरंज यात्रा, खासकर 2008-09 के दौर की याद दिलाती है। कार्लसन ने कहा, "गुकेश का खेल मुझे उस समय की याद दिलाता है जब मैं शतरंज में उभर रहा था। मैं भी तब कई बार नियंत्रण खो देता था लेकिन परिणाम निकाल लेता था। वर्ष 2008 के लीनारेस टूर्नामेंट में भी ऐसा ही हुआ था जब आनंद पहले स्थान पर आराम से चल रहे थे और मैं काफी अराजक तरीके से खेलते हुए कुछ ऐसे नतीजे निकाल रहा था जो शायद मेरे शुद्ध कौशल से मेल नहीं खाते थे।"

मोदी सरकार नक्सलवाद के दंश से भारत को मुक्त करने के लिए संकल्पित : अमित शाह

नई दिल्ली

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शनिवार को नई दिल्ली में हाल के नक्सल विरोधी अभियानों में अहम भूमिका निभाने वाले अधिकारियों से मुलाकात की और उन्हें इन अभियानों की सफलता के लिए बधाई दी। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार भारत को नक्सलवाद के दंश से मुक्त करने के लिए संकल्पित है। केंद्रीय गृह मंत्री ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, हाल ही में नक्सलवाद के विरुद्ध चलाए गए अभियानों में अहम भूमिका निभाने वाले अधिकारियों से भेंट कर इन ऑपरेशंस की ऐतिहासिक सफलता पर उन्हें बधाई दी। इन अभियानों को अपनी बहादुरी से सफल बनाने वाले जवानों से भी मिलने के लिए उत्सुक हूं और जल्द ही छत्तीसगढ़ आकर उनसे भेंट करूंगा। मोदी सरकार नक्सलवाद के दंश से भारत को मुक्त करने के लिए संकल्पित है। उल्लेखनीय है कि केंद्रीय गृह मंत्री के निर्देशन में सुरक्षा बल छत्तीसगढ़ में माओवादी विरोधी अभियानों का संचालन कर रहे हैं।

'रोकथामात्मक हिरासत राज्य की असाधारण शक्ति है'

नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने एक महत्वपूर्ण फैसले में कहा है कि रोकथामात्मक हिरासत राज्य के पास एक असाधारण शक्ति है और इसका बहुत ही सीमित व विशेष परिस्थितियों में ही उपयोग किया जाना चाहिए। अदालत ने यह टिप्पणी उस समय की जब उसने केरल के पलक्कड़ जिले के एक जिलाधिकारी की तरफ से एक साहूकार को हिरासत में लेने के आदेश को रद्द कर दिया।

क्या है पूरा मामला?

राजेश नाम के एक व्यक्ति, जो कि एक निजी फाइनेंस कंपनी 'ऋतिका फाइनेंस' चलाता था, के खिलाफ केरल मनी लेंडर्स एक्ट, 1958 के तहत चार मामले दर्ज थे। इन मामलों में उसे जमानत मिल चुकी थी, लेकिन पुलिस का आरोप था कि वह बेल की शर्तों का उल्लंघन कर रहा था। इसके आधार पर जिलाधिकारी ने उसे रोकथामात्मक हिरासत में लेने का आदेश दिया।

सुप्रीम कोर्ट ने क्या कहा?

अदालत ने कहा, 'रोकथामात्मक हिरासत संविधान के अनुच्छेद 22(3)(ब) में मान्यता प्राप्त है, लेकिन यह एक असाधारण शक्ति है, जो किसी व्यक्ति की स्वतंत्रता को उसके द्वारा आगे अपराध करने की आशंका के आधार पर पहले ही सीमित कर देती है। इसलिए, इसका इस्तेमाल सामान्य परिस्थितियों में नहीं किया जाना चाहिए।'

क्या कहा गया हिरासत आदेश के बारे में?

सुप्रीम कोर्ट ने 20 जून 2024 को जारी हिरासत आदेश और 4 सितंबर 2024 को केरल हाईकोर्ट द्वारा उसे बरकरार रखने वाले फैसले को रद्द कर दिया। अदालत ने कहा कि इस मामले में रोकथामात्मक हिरासत का आदेश कानूनी रूप से उचित नहीं था।

जुलाई से जीएसटी का नया नियम, तीन साल बाद लेट रिटर्न नहीं कर सकेंगे दाखिल

नई दिल्ली

वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) रिटर्न फाइल करने वालों के लिए काम की खबर है। वस्तु एवं सेवा कर नेटवर्क (जीएसटीएन) ने शनिवार को बड़े बदलावों का ऐलान किया है। इसके तहत अब ०?यवसायियों को जीएसटीआर-1ए फॉर्म दाखिल करते समय सावधानी बरतनी होगी, क्योंकि वे जुलाई 2025 की कर अवधि से अपने जीएसटीआर-3बी फॉर्म को संपादित नहीं कर पाएंगे। जीएसटीएन ने एक बयान में कहा कि करदाता अब तीन साल की समय-सीमा समाप्त होने के बाद मासिक और वार्षिक जीएसटी रिटर्न दाखिल नहीं कर सकेंगे। जीएसटीएन ने कहा कि जुलाई, 2025 टैक्स अवधि से यह लागू हो जाएगा।

इसका मतलब है कि करदाता जुलाई 2025 टैक्स अवधि के लिए अगस्त 2025 में मासिक रिटर्न दाखिल करेंगे। यह इस नई व्यवस्था के अंतर्गत आएगा। जीएसटीएन के मुताबिक जुलाई 2025 से करदाताओं को अब मूल देय तिथि के तीन साल बाद मासिक और वार्षिक जीएसटी रिटर्न दाखिल करने से रोक दिया जाएगा। वित्त अधिनियम, 2023 से होने वाला ये बदलाव जीएसटीआर-1 और जीएसटीआर-3बी सहित जीएसटीआर-4, जीएसटीआर-5, जीएसटीआर-5ए, जीएसटीआर-6, जीएसटीआर-7,जीएसटीआर-8और जीएसटीआर-9 जैसे विभिन्न जीएसटी रिटर्न को प्रभावित करेगा। वे अपना रिटर्न दाखिल नहीं कर पाएंगे। जीएसटीएन के मुताबिक समय सीमा में यह संशोधन माल और सेवा कर वित्त अधिनियम, 2023 के तहत लागू किए जा रहे हैं।

पायलट ने शिंदे का प्लेन उड़ाने से मना किया

ड्यूटी खत्म होने के बाद उड़ान नहीं भर सकता, एयरलाइन के समझाने पर तैयार हुआ

जलगांव

महाराष्ट्र के डिप्टी सीएम एकनाथ शिंदे शुक्रवार को जलगांव के मुक्ताईनगर में संत मुक्ताई की पालकी यात्रा में शामिल होने गए थे। यहां से लौटते वक्त जलगांव एयरपोर्ट पर पायलट ने उनका चार्टर्ड प्लेन उड़ाने से इनकार कर दिया। पायलट ने कहा- उसकी ड्यूटी के घंटे खत्म हो चुके हैं। ऐसे में वह उड़ान नहीं भर सकता है। पायलट की बात सुनकर वहां मौजूद प्रशासनिक अधिकारी सकते में आ गए। उन्होंने पायलट को समझाने की कोशिश की, लेकिन वह नहीं माना। शिंदे के साथ मंत्री गिरीश महाजन और गुलाबराव पाटिल ने एयरलाइन कंपनी से बात की और पायलट को स्थिति समझाई। करीब एक घंटे बाद एयरलाइन कंपनी के समझाने पर पायलट उड़ान भरने के लिए तैयार हुआ। कोई पायलट एक दिन में 8-9 घंटे से ज्यादा फ्लाइंग नहीं कर सकता। पायलट का ड्यूटी टाइम उसके एयरपोर्ट पर रिपोर्ट करने से शुरू होता है और रेस्ट टाइम शुरू होने तक रहता है। जलगांव में भी पायलट का ड्यूटी टाइम खत्म हो गया था। ड्यूटी टाइम 8 से 13 घंटे तक भी हो सकता है, लेकिन कई चीजों पर निर्भर करता है।

आरबीआई के डिप्टी गवर्नर टी. रबी शंकर 16वें वित्त आयोग के अंशकालिक सदस्य नियुक्त

नई दिल्ली

रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) के डिप्टी गवर्नर टी. रबी शंकर को 16वें वित्त आयोग का अंशकालिक सदस्य नियुक्त किया गया है। वे अपना कार्यभार संभालने की तिथि से लेकर आयोग की रिपोर्ट प्रस्तुत होने तक यानी 31 अक्टूबर, 2025 तक, जो भी पहले हो, अपने पद पर बने रहेंगे।

वित्त मंत्रालय ने शनिवार को एक बयान में बताया कि राष्ट्रपति ने आरबीआई के डिप्टी गवर्नर टी. रबी शंकर को 16वें वित्त आयोग का अंशकालिक सदस्य नियुक्त किया है। वे कार्यभार संभालने की तिथि से लेकर आयोग की रिपोर्ट प्रस्तुत होने तक यानी 31 अक्टूबर, 2025 तक, जो भी पहले हो, पद पर बने रहेंगे। टी. रबी शंकर की नियुक्ति 16वें वि?त आयोग के पूर्णकालिक सदस्यों में से एक अजय नारायण झा के व्यक्तिगत कारणों से इस्तीफा देने के परिणामस्वरूप हुई है।

"त्रिवेणी वन" महाकुंभ की स्मृति को ताजा रखेगी योगी सरकार

लखनऊ

योगी सरकार पेड़ लगाओ, पेड़ बचाओ जनअभियान-2025 के अंतर्गत 35 करोड़ पौधरोपण करेगी। 2025 में महाकुम्भ की स्मृतियों को ताजा रखने के लिए सभी 75 जनपदों में योगी सरकार की तरफ से त्रिवेणी वन भी लगाया जाएगा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पर्यावरण दिवस पर 5 जून को अयोध्या में त्रिवेणी वन का आगाज किया था। आध्यात्मिक रूप से त्रिदेव व त्रिवेणी को ध्यान में रखकर इस वन की स्थापना होगी। वहीं विभाग ने इस वन के माध्यम से पर्यावरण को समृद्ध बनाने, वायु शुद्धता, भूमि पोषण और जैव विविधता की तरफ सकारात्मक कदम बढ़ाया है।

महाकुम्भ की स्मृति में नदियों किनारे बसाए जाएंगे त्रिवेणी वन

योगी सरकार के नेतृत्व में इस वर्ष महाकुम्भ का अद्वितीय आयोजन हुआ। इसकी स्मृतियों को संजोए रखने के लिए नदियों के किनारे त्रिवेणी वन बसाए जाएंगे। इसके अंतर्गत तीन पौधे (नीम, बरगद व पीपल) को रोपा जाएगा। योगी सरकार के निर्देश पर सभी 75 जनपदों में त्रिवेणी वन स्थापित होगा। इसकी शुरूआत पर्यावरण दिवस पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अयोध्या से कर दी है। जुलाई में होने वाले पौधरोपण महाभियान में हर जनपद में इसकी स्थापना की जाएगी। मिशन से जुड़े अधिकारी इसके संरक्षण पर भी जोर देंगे।

त्रिवेणी का आध्यात्मिक महत्व: तीन पेड़, एक उद्देश्य पृथ्वी को समृद्ध बनाना

त्रिवेणी का आध्यात्मिक महत्व भी है। नदियों में गंगा, यमुना व सरस्वती को त्रिवेणी कहा जाता है। वहीं ब्रह्मा, विष्णु, महेश को त्रिदेव माना जाता है। ऐसे ही नीम, बरगद व पीपल को त्रिवेणी वन के रूप में स्थापित करने का निर्णय लिया गया है।

पूर्वजों ने त्रिवेणी की सुंदर परंपरा का उपहार दिया, जिसमें नीम, बरगद और पीपल के पेड़ों को सद्भाव में जोड़ा गया है। वे शुद्धता और विकास के प्रतीक हैं, साथ ही हवा की शुद्धता, जैव विविधता और भूमि के पोषण में सहायक होते हैं। इसी निमित्त वन विभाग ने 2025 के अभियान में त्रिवेणी वन की स्थापना का निर्णय लिया है। पौधरोपण महाभियान-2025 के लिए नर्सरियों में 52.33 करोड़ पौधे तैयार किए जा चुके हैं। इसमें सिर्फ वन विभाग की नर्सरियों 5.75 करोड़ औषधीय पौधे तैयार किए गए हैं। इनमें नीम के लगभग 52 लाख, बरगद के 29 लाख व पीपल के 29 लाख पौधे तैयार किए गए हैं।

छोटी ड्रेस पहनना सुंदरता का पैमाना नहीं, लड़कियों को अच्छे कपड़े पहनने चाहिए : कैलाश विजयवर्गीय

एजेंसी

इंदौर । महिलाओं के पहनावे को लेकर मध्यप्रदेश सरकार में मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने विवादित बयान दिया है। उनकी एक वीडियो क्लिप सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रही है, जिसमें वह कह रहे हैं कि उनके पास जो छोटे कपड़े पहनकर लड़कियां सेल्फी की इच्छा से आती हैं तो वह उन्हें सेल्फी देने से मना कर देते हैं। कैलाश विजयवर्गीय ने यह भी हिदायत दी कि लड़कियों को अच्छे कपड़े पहनकर आना चाहिए। मिली जानकारी के अनुसार, विश्व पर्यावरण दिवस के मौके पर इंदौर के नेहरू पार्क स्थित सिंदूर वाटिका में पौधारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मध्य प्रदेश सरकार में मंत्री कैलाश विजयवर्गीय शामिल हुए थे। कार्यक्रम में लोगों को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि विदेश में एक चीज काफी प्रचलित है जो कि मुझे पसंद नहीं है। विदेशों में कम कपड़े पहनने वाली लड़कियों को सुंदर माना जाता है, लेकिन हमारे देश में महिलाओं को देवी का स्वरूप माना जाता है, वे अच्छे कपड़े पहने, अच्छे गहने पहने, अच्छा श्रृंगार करे। कहा जाता है कि कम कपड़े पहनने वाली लड़की सुंदर होती है, उसी तरह कम भाषण

देने वाला नेता भी अच्छा होता है, लेकिन मैं इस कहावत को नहीं मानता। उन्होंने कहा कि कई बार कार्यक्रम के दौरान कुछ लड़कियां सेल्फी खिंचवाने के मकसद से मेरे पास आती हैं तो मैं साफतौर पर मना कर देता हूं। मैं उनसे कहता हूं कि अच्छे कपड़े पहन कर आना। कैलाश विजयवर्गीय के कम कपड़े को लेकर दिए बयान के बाद सियासत भी तेज हो गई है। कैलाश विजयवर्गीय के बयान की निंदा करते हुए अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की मीडिया कोऑर्डिनेटर रश्मि ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट किया।

उन्होंने पोस्ट में लिखा, भाजपा की महिलाओं के प्रति सोच। कैलाश विजयवर्गीय के महिलाओं के पहनावे पर दिए गए बयान को क्या कहेंगे। उनके विचार महिलाओं की व्यक्तिगत स्वतंत्रता और पसंद पर अंकुश लगाने वाले और रूढ़िगत लैंगिक मानदंडों को मजबूत करने वाले लगते हैं। आधुनिक समाज में, व्यक्तिगत पहनावे की पसंद को सम्मानित किया जाना चाहिए, और ऐसे बयान अक्सर महिलाओं की आजादी और समानता के मूल्यों के खिलाफ माने जाते हैं। ये विचार लैंगिक समानता और महिलाओं के अधिकारों को कमजोर कर सकते हैं।

नीतीश कुमार थके हुए मुख्यमंत्री, बिहार चलाने योग्य नहीं : तेजस्वी यादव

एजेंसी

पटना। बिहार विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने एक बार फिर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के स्वास्थ्य को लेकर उन पर जोरदार निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि नीतीश कुमार अचेत अवस्था में हैं। उनसे बिहार नहीं संभल रहा है। वह थक चुके हैं। पटना में मीडिया से बातचीत करते हुए तेजस्वी यादव ने कहा बिहार की बिगड़ती कानून व्यवस्था को लेकर नीतीश कुमार पर आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि बिहार में अपराधी बेलगाम हो गए हैं, आए दिन अपराधी खुलेआम अपराध को अंजाम दे रहे हैं। मुझे नहीं पता है कि सरकार कौन सा नशा कर सोई हुई है। बलात्कार की घटना होती है तो उपमुख्यमंत्री शपथ-कसम खिलाने का काम कर रहे हैं। आज बिहार की यह स्थिति यह बन गई है। इसे 'महाजंगलराज' न कहा जाए तो क्या कहें।तेजस्वी ने बिहार की चरमराई अस्पताल व्यवस्था पर नीतीश सरकार को घेरते हुए कहा कि अस्पताल में भ्रष्ट अधिकारियों पर कोई कार्रवाई नहीं हो रही है। एक अधिकारी जिसे हमारी सरकार के गिरने के बाद ही एक्सटेंशन दिया गया। सवाल यह है कि उस अधिकारी से कोई और काबिल अधिकारी नहीं जो पीएमसीएच चला सके। एम्स में स्थिति यह है कि लोग सड़कों पर लेटने को मजबूर हैं क्योंकि एम्स में लोगों को बेड नहीं मिल रहा है। केंद्र और राज्य सरकार में माफिया हावी है। इन्हें जनता की परेशानी से कुछ भी लेना देना नहीं है। राज्य सरकार पीड़ा देने का काम कर रही है।

केंद्रीयमंत्री जीतन राम माझी ने बाबा केदार के किए दर्शन

केदारनाथधाम। केंद्रीय लघु एवं मध्यम उद्योग एवं उद्यमिता विकासमंत्री जीतन राम मांझी आज प्रातः केदारनाथधाम पहुंचे। उन्होंने सपरिवार बाबा केदार के दर्शन किए। केंद्रीयमंत्री ने सपरिवार गर्भ गृह में रुद्राभिषेक पूजा की और जन कल्याण की प्रार्थना की। वह केदारनाथधाम

के दर्शन से अविभूत नजर आए। इससे पहले बदरीनाथ- केदारनाथ मंदिर समिति (बीकेटीसी) और केदार सभा ने हेलीपेड पर केंद्रीयमंत्री का स्वागत किया बीकेटीसी मुख्य प्रभारी अधिकारी अनिल ध्यानी ने केंद्रीयमंत्री का स्वागत कर भगवान केदारनाथ का प्रसाद, अंगवस्त्र भेंट किया। बीकेटीसी मीडिया प्रभारी डॉ. हरीश गौड़ ने बताया कि केंद्रीयमंत्री ने उत्तराखंड सरकार सहित बदरीनाथ -केदारनाथ मंदिर समिति(बीकेटीसी) के यात्रा व्यवस्थाओं की सराहना की। इस अवसर पर पुजारी बागेश? लिंग, केदार सभा अध्यक्ष राजकुमार तिवारी, उमेश पोस्ती,धर्माधिकारी औंकार शुक्ला, वेदपाठी यशोधर मैठाणी, वेदपाठी स्वयंबर सेमवाल वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी डीएस भुजवाण, वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी यदुवीर पुष्पवान, सहायक लेखाकार प्रमोद बगवाड़ी, लोकेंद्र रिवाड़ी,प्रबंधक प्रदीप सेमवाल एवं अरविंद शुक्ला, पारेश्वर त्रिवेदी, पुष्कर रावत कुलदीप धर्मवाण, विक्रम रावत, ललित त्रिवेदी सहित पुलिस प्रशासन के प्रतिनिधि मौजूद रहे।

मुख्तार अब्बास नकवी ने कहा- गोहत्या पर दिल्ली में नहीं, सारे देश में प्रतिबंध लगना चाहिए

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता और पूर्व केंद्रीयमंत्री मुख्तार अब्बास नकवी ने कहा कि गोहत्या पर दिल्ली में ही नहीं, पूरे देश में प्रतिबंध लगना चाहिए। गोहत्या महापाप है। यह इस्लामियत के भी विपरीत है। उन्होंने इस संबंध में बकरीद पर दिल्ली में लगाए गए गोहत्या पर प्रतिबंध की सराहना की है। पूर्व केंद्रीयमंत्री नकवी ने आज जारी वाडियो बयान में कहा कि दिल्ली सरकार ने बकरीद के मद्देनजर जो सख्त सलाह जारी की है, वह स्वागत योग्य कदम है। दिल्ली सरकार ने गाय, बछड़ा, ऊंट और

अन्य प्रतिबंधित जानवरों की कुर्बानी पर पूरी तरह रोक लगाकर देश का मन जीत लिया है। उन्होंने कहा कि अन्य प्रदेशों को भी ऐसे कदम उठाने चाहिए। नकवी ने कहा कि सलाह नहीं, बल्कि पूरे देश में गोहत्या पर पूर्ण प्रतिबंध लगना चाहिए। उन्होंने वक्फ बोर्ड में किए गए प्रशासनिक सुधार का भी स्वागत किया। नकवी ने कहा कि इसका वक्फ में सक्रिय लूट की लंपट लॉबी ही विरोध कर रही है। इन सुधारों से इस लॉबी पर की गई नाकाबंदी और तालाबंदी जैसे कदमों का अधिकांश मुसलमानों ने स्वागत किया है। भाजपा नेता मुख्तार अब्बास नकवी ने ऑपरेशन सिंदूर के बाद तरह-तरह के सवाल उठाने पर कांग्रेस को घेरा। उन्होंने कहा कि सारे देश को सेना के शौर्य और पराक्रम पर गर्व है। मगर कांग्रेस के बकवास बहादुरों का बैंडबाजा बज रहा है। यह बकवास बहादुर इस पर सवाल उठाकर कांग्रेस की नैया को डुबोकर ही मानेंगे।

मोदी ने चिनाब आर्च ब्रिज का उद्घाटन किया

पीएम ने कटरा-श्रीनगर वंदे भारत को हरी झंडी दिखाई

एजेंसी

जम्मू-कश्मीर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दुनिया के सबसे ऊंचे रेलवे आर्च ब्रिज चिनाब ब्रिज का उद्घाटन किया। प्रधानमंत्री ने कटरा रेलवे स्टेशन से कटरा और गंगा को जोड़ने वाली वंदे भारत एक्सप्रेस को हरी झंडी दिखाई।इस मौके उपराज्यपाल मनोज सिन्हा, सीएम उमर अब्दुल्ला और रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव भी मौजूद। यह ब्रिज जम्मू-कश्मीर में उधमपुर-श्रीनगर-बारामुला रेल लिंक परियोजना का अहम हिस्सा है। कटरा और श्रीनगर को जोड़ने वाली वंदे भारत एक्सप्रेस को कटरा रेलवे स्टेशन से हरी झंडी दिखाने से पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ट्रेन में स्कूली बच्चों से बातचीत की. उन्होंने ट्रेन में मौजूद रेलवे स्टाफ के सदस्यों से भी बातचीत की। आपको बताते चलें चिनाब रेलवे ब्रिज की लंबाई 1315 मीटर है और यह ब्रिज चिनाब नदी के स्तर से 359 मीटर की ऊंचाई पर स्थित है। इस ब्रिज के निर्माण में करीब 28,660 मीट्रिक टन स्टील का उपयोग किया गया है। यह 1,315 मीटर लंबा स्टील आर्च ब्रिज है जिसे भूकंप और हवा की स्थिति को झेलने के लिए डिज़ाइन किया गया है। इस ब्रिज का एक अहम असर जम्मू और श्रीनगर के बीच कनेक्टिविटी को बेहतर बनाने में होगा।

प्रधानमंत्री मोदी ने चिनाब रेलवे पुल का किया निरीक्षण

जम्मू-कश्मीर। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आज जम्मू-कश्मीर में चिनाब रेलव पुल का निरीक्षण किया। यह पुल 359 मीटर की ऊंचाई पर स्थित है। यह विश्व का सबसे ऊंचा रेलवे आर्च पुल है। इसकी लंबाई 1,315 मीटर है। इसे भूकंप और तेज हवाओं का सामना करने के लिए डिजाइन किया गया है। इस पुल से जम्मू और श्रीनगर के बीच कनेक्टिविटी को बढ़ावा मिलेगा। इस दौरान प्रधानमंत्री ने उधमपुर-श्रीनगर-बारामुला रेल लिंक परियोजना टीम के साथ बातचीत की। इस मौके पर केंद्रीय रेलमंत्री अश्विनी वैष्णव, डॉ. जितेंद्र सिंह और जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला भी उपस्थित रहे। प्रधानमंत्री मोदी ने कंथन चेनाब हॉल्ट पर परियोजना टीम और श्रमिकों के साथ भी बातचीत की। उन्होंने इस परियोजना की प्रगति की जानकारी ली। प्रधानमंत्री नई वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन को माता वैष्णो देवी कटरा से श्रीनगर के लिए झंडी दिखाने वाले हैं।

कमल हासन व डीएमके उम्मीदवारों ने मुख्यमंत्री की मौजूदगी में दाखिल किया नामांकन

चेन्नई। मुख्यमंत्री एमके स्टालिन की उपस्थिति में डीएमके उम्मीदवारों ने तमिलनाडु विधानसभा कार्यालय में राज्यसभा चुनाव के लिए अपने नामांकन दाखिल किए। तमिलनाडु से 6 राज्यसभा सदस्यों के लिए 19 जून को चुनाव होगा। मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने घोषणा की कि डीएमके छह में से तीन सीटों पर चुनाव लड़ेगी और मक्कल नीधि मैयम एक सीट पर चुनाव लड़ेगी। डीएमके की ओर से मौजूदा सांसद विल्सन, कवि सलमा और पूर्व विधायक शिवलिंगम चुनाव लड़ रहे हैं। इसी तरह डीएमके गठबंधन पार्टी मक्कल नीधि मैयम के नेता कमल हासन भी उसी पार्टी से चुनाव लड़ रहे हैं। तदनुसार, सांसद विल्सन, कवि सलमा, पूर्व विधायक शिवलिंगम और कमल हासन ने मुख्यमंत्री एमके स्टालिन की उपस्थिति में अपने नामांकन पत्र दाखिल किया।

पाकिस्तान जैसी है राहुल गांधी की भाषा, इनका बहिष्कार करना चाहिए : गिरिराज सिंह

एजेंसी

बेगूसराय । भारत-पाक सीजफायर को लेकर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की मध्यस्थता का मुद्दा उठाकर लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी लगातार केंद्र पर आरोप लगा रहे हैं और इस बीच वह बिहार दौरे पर रहेंगे। राहुल गांधी के बिहार दौरे को लेकर केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने उन पर जोरदार तंज कसा है। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी की भाषा पाकिस्तान जैसी है, जो पाकिस्तान कहता है राहुल गांधी उसमें अपना सुर मिलाते हैं। बेगुसराय में मीडिया से बातचीत के दौरान जब उनसे राहुल गांधी के बिहार दौरे को लेकर सवाल किया गया तो उन्होंने कहा कि राहुल गांधी के बिहार दौरे से क्या होगा? बिहार आने वाला यह व्यक्ति भारत की सेना का विरोध करता है और उसने दुनिया भर में भारतीय सेना को बदनाम करने का काम किया है। उन्होंने सेना के प्रतीक का भी अपमान किया है, जो देशद्रोह है। उनकी भाषा पाकिस्तान जैसी है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि बिहार में विधानसभा चुनाव है तो उन्हें बिहार की याद आ रही है। लेकिन, राहुल गांधी ने जिस तरह से ऑपरेशन सिंदूर को लेकर सेना के शौर्य, सम्मान को ठेंस पहुंचाने का काम

● राहुल गांधी को बिहार की जनता वोट क्यों करेगी। जो व्यक्ति सेना का सम्मान नहीं करता, राष्ट्र का सम्मान नहीं करता। उसके पास एक ही काम है कि पीएम मोदी को गाली दो।

किया है। यह बिहार की जनता देख रही है और आने वाले चुनाव में लोग इनका विरोध करेंगे। राहुल गांधी को बिहार की जनता वोट क्यों करेगी। जो व्यक्ति सेना का सम्मान नहीं करता, राष्ट्र का सम्मान नहीं करता। उसके पास एक ही काम है कि पीएम मोदी को गाली दो। गिरिराज सिंह ने कहा कि 1971 में जब युद्ध हुआ तो उस वक्त इंदिरा गांधी नहीं जीती थीं, उस समय भी भारत की सेना ही जीती थी। तब अटल बिहारी वाजपेयी विपक्ष में थे, उन्होंने कहा था अभी कोई पार्टी नहीं, एक हम सभी राष्ट्र के लिए एक साथ हैं। लेकिन, इस वक्त राहुल गांधी सेना का मजाक बना रहे हैं। ऐसे आदमी का बहिष्कार करना चाहिए।

कोरोना के सक्रिय मामले 5364, पिछले 24 घंटे में चार मरीजों की मौत

एजेंसी

नई दिल्ली। देश में आज कोरोना के मामलों में वृद्धि दर्ज हुई है। कोरोना के सक्रिय मामलों की संख्या 5000 का आंकड़ा पार कर 5,364 पहुंच गई ।

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के आंकड़ों के मुताबिक, पिछले 24 घंटों में कोरोना के चार मरीजों की मौत हो गई । विभिन्न राज्यों में 4,724 लोग ठीक हो चुके हैं और उन्हें अस्पतालों और होम आइसोलेशन से छुट्टी दे दी गई है।आंकड़ों के अनुसार कोरोना से मरने वालों में एक मरीज केरल, कर्नाटक से दो और एक मौत पंजाब से रिपोर्ट हुई है। सभी मृतकों की आयु 65 से अधिक थी। यह लोग गंभीर रूप से बीमार थे। केरल 1,679 मामलों के साथ चार्ट में सबसे आगे है, उसके बाद गुजरात (615), पश्चिम बंगाल (596) और दिल्ली (562) है। दिल्ली सरकार के स्वास्थ्य विभाग के आंकड़ों के अनुसार, आज दिल्ली में 5 प्रतिशत की सकारात्मकता दर के साथ 124 नए कोरोना मामले दर्ज किए गए ।

दिल्ली-एनसीआर में भीषण गर्मी का कहर, 42 डिग्री सेल्सियस पार होगा तापमान

एजेंसी

नई दिल्ली । राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली समेत आस-पास के इलाकों में अगले कुछ दिनों तक भीषण गर्मी पड़ेगी, जिससे लोगों की परेशानी बढ़ सकती है। मौसम विभाग की रिपोर्ट के मुताबिक, 6 जून से लेकर 12 जून तक अधिकतम तापमान लगातार बढ़ने की संभावना है, जो 42 डिग्री सेल्सियस को भी पार कर जाएगा। वहीं, न्यूनतम तापमान 26 से 27 डिग्री के आसपास बना रहेगा। 6 और 7 जून को आसमान आंशिक रूप से बादलों से ढका रहेगा और तापमान अधिकतम 39 डिग्री सेल्सियस तक रहेगा। हालांकि, इसके बाद मौसम पूरी तरह से साफ हो जाएगा और गर्मी और तेज हो जाएगी। 8 जून से लेकर 12 जून तक अधिकतम तापमान क्रमशः 40 से 42 डिग्री तक पहुंचने का अनुमान है। इन दिनों में नमी का स्तर भी तेजी से बढ़ेगा। 6 जून को सुबह और शाम की ह्यूमिडिटी क्रमशः

50 प्रतिशत और 30 प्रतिशत रहने की संभावना है। वहीं, 11 जून को यह बढ़कर 50 प्रतिशत और 40 प्रतिशत तक पहुंच सकती है, जिससे गर्मी के साथ-साथ उमस भी परेशान करेगी। मौसम विभाग ने फिलहाल कोई चेतावनी तो जारी नहीं की है, लेकिन विशेषज्ञों का मानना है कि लगातार बढ़ते तापमान और बढ़ती नमी के कारण हीट वेव (लू) की स्थिति बन सकती है। ऐसे में बच्चों, बुजुर्गों और बीमार व्यक्तियों को विशेष सतर्कता बरतने की सलाह दी गई है।

विशेषज्ञों ने सुझाव दिया है कि लोग दोपहर 12 से 4 बजे के बीच धूप में निकलने से बचें, हल्के कपड़े पहनें और अधिक से अधिक पानी पिएं। गर्मी से बचाव के लिए छाते, टोपी और सनस्क्रीन का उपयोग भी जरूरी है। एनसीआर में आने वाले सप्ताह में भीषण गर्मी और उमस से लोगों को सावधान रहना होगा। तापमान 42 डिग्री पार करना इस बात का संकेत है कि क्षेत्र हीटवेव के मुहाने पर खड़ा है।

9 जुलाई तक बढ़ी 26/11 के मास्टरमाइंड तहव्वुर राणा की न्यायिक हिरासत

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली की पटियाला हाउस कोर्ट ने 26/11 मुंबई आतंकी हमले के मास्टरमाइंड तहव्वुर राणा की न्यायिक हिरासत बढ़ा दी है। राणा की अगली कोर्ट पेशी 9 जुलाई को होनी है। इसका अर्थ है कि तहव्वुर राणा को अब 9 जुलाई तक न्यायिक हिरासत में रहना होगा। सुरक्षा कारणों से उसे वर्चुअल मोड के जरिए कोर्ट में पेश किया गया। राणा के वकील ने उसके स्वास्थ्य को लेकर चिंता जताई। दलीलों पर गौर करते हुए कोर्ट ने तिहाड़ के अधिकारियों को 9 जून तक मामले पर स्टेटस रिपोर्ट पेश करने का निर्देश दिया है। सुनवाई के दौरान राणा ने अपने परिवार से बातचीत करने की इच्छा जताई है। खबरों के अनुसार, मास्टरमाइंड तहव्वुर राणा ने परिवार से बातचीत के लिए कोर्ट में याचिका भी दायर की थी। राणा की इस अर्जी पर कोर्ट 9 जून को सुनवाई करेगा। जब राणा को एनआईए ने हिरासत में लिया गया तब उसने परिवार से बात करने की इच्छा जताई थी। राणा के वकील की ओर से तर्क दिया गया था कि एक विदेशी नागरिक के तौर पर राणा का यह मौलिक अधिकार है कि वह अपने परिवार से बातचीत करे। राणा का परिवार उसकी भलाई को लेकर चिंतित है। इससे पहले 24 अप्रैल को विशेष न्यायाधीश

चंदर जीत सिंह ने राणा की अपने परिवार से बात करने की अनुमति मांगने वाली याचिका को खारिज कर दिया था। एनआईए द्वारा उसकी याचिका का विरोध करने के बाद अदालत ने यह फैसला सुनाया था। सुनवाई के दौरान, एनआईए ने तर्क दिया कि अगर राणा को अपने परिवार के सदस्यों से बात करने की अनुमति दी जाती है।

सुप्रीम कोर्ट ने दी मंजूरी, 3 अगस्त को होगी नीट पीजी परीक्षा

एजेंसी

नई दिल्ली। नीट पीजी परीक्षा की तैयारी करने वाले छात्रों के लिए खास खबर है कि 15 जून को आयोजित होने वाली यह परीक्षा अब 3 अगस्त को आयोजित की जाएगी। परीक्षा को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने निर्देश दिया है। दरअसल, नीट पीजी परीक्षा आयोजित कराने वाली संस्था नेशनल बोर्ड ऑफ एग्जामिनेशन (एनबीई) ने सुप्रीम कोर्ट में परीक्षा आयोजित कराने के लिए कुछ समय की मांग की थी। एनबीई की मांग पर सुप्रीम कोर्ट ने अगस्त माह में परीक्षा आयोजित कराने के लिए निर्देश दिया है। सुप्रीम कोर्ट ने परीक्षा आयोजित कराने के लिए एनबीई को समय दिया है। सुप्रीम कोर्ट में हुई सुनवाई के दौरान कोर्ट ने परीक्षा आयोजित कराने वाली संस्था से पूछा कि नीट-पीजी परीक्षा के लिए इतना समय क्यों दिया जाए। परीक्षा तो जुलाई के बीच में भी आयोजित कराई जा सकती है। दो महीने का समय क्यों दिया जाए इससे तो दाखिला प्रक्रिया में देरी होगी। कोर्ट के इन सवालों पर

एनबीई ने कहा कि परीक्षा को लेकर किसी भी तरह का समझौता हो, हम नहीं चाहते हैं। एनबीई ने कहा कि परीक्षा को लेकर हम समय इसलिए ले रहे हैं ताकि परीक्षा आयोजित कराने के दौरान किसी भी तरह की दिक्कत का सामना न करना पड़े। 30 मई को सुप्रीम कोर्ट ने आदेश दिया था कि नीट-पीजी परीक्षा केवल एक ही शिफ्ट में आयोजित की जाए। इसके बाद, एनबीई ने शीर्ष अदालत में एक आवेदन दायर कर परीक्षा को बाद की तारीख पर पुनर्निर्धारित करने के लिए समय बढ़ाने की मांग की थी। क्योंकि एकल-शिफ्ट के आदेश का पालन करने के लिए नए सिरे से व्यवस्था करनी होगी। बता दें कि 3 जून को सुप्रीम कोर्ट ने इससे पहले परीक्षा को दो शिफ्ट में कराए जाने पर कहा था कि दो शिफ्ट में परीक्षा कराने से मनमानी होगी और तमाम तरह की कठिनाइयों पैदा होगी। सुप्रीम कोर्ट ने एनबीई को निर्देश दिया था कि वह परीक्षा को एक शिफ्ट में आयोजित करने की व्यवस्था करें। एनबीई ने कहा है कि एक शिफ्ट में परीक्षा आयोजित कराना एक बड़ा काम है। इसके लिए उसे 1000 से अधिक परीक्षा केंद्रों की व्यवस्था करनी होगी, जिसमें काफी वक्त लगेगा। लगभग 250 से ज्यादा शहरों में सभी उम्मीदवारों के लिए आवेदन फिर से खोलना होगा।

केंद्र सरकार का वक़्फ़ उम्मीद पोर्टल गैरकानूनी और अदालत की अवमानना

नई दिल्ली। ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड के अध्यक्ष मौलाना खालिद सैफुल्लाह रहमानी ने केंद्र सरकार के शुरू हो रहे वक़्फ़ उम्मीद पोर्टल को गैरकानूनी और अदालत की अवमानना बताया है।उन्होंने बताया कि शीघ्र ही इस सरकारी कदम के खिलाफ न्यायालय का दरवाजा खटखटाया जाएगा। ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड ने गुरुवार क एक बयान में कहा कि संसद से पास कराया गया वक्फ कानून इस समय सुप्रीम कोर्ट में विचाराधीन है। सभी मुस्लिम संगठनों ने इसे खारिज कर दिया है। विपक्षी दलों, मानवाधिकार संगठनों, साथ ही सिख, ईसाई और अन्य अल्पसंख्यकों ने भी इसे अस्वीकार्य करार दिया है। अफसोस की बात है कि इसके बावजूद सरकारवक़्फ़ उम्मीद पोर्टल की शुरुआत कर रही है और इसमें वक़्फ़ संपत्तियों के पंजीकरण को अनिवार्य बना रही है। यह पूरी तरह से सरकार की गैरकानूनी कार्रवाई है और स्पष्ट रूप से अदालत की अवमानना है। ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड के अनुसार यह पंजीकरण पूरी तरह उस विवादास्पद कानून पर आधारित है, जिसे न्यायालय में चुनौती दी गई है और जिसे संविधान के विरुद्ध बताया गया है। इसलिए मुस्लिम समुदाय एवं राज्य वक़्फ़ बोर्डों से अपील है कि जब तक न्यायालय इस संबंध में कोई निर्णय नहीं देता, तब तक वक़्फ़ संपत्तियों को इस पोर्टल पर दर्ज न किया जाए।

मंत्री कपिल मिश्रा ने बवाना में श्रीकृष्ण गौशाला का दौरा किया, बोले- गौशालाओं के विकास के लिए सरकार प्रतिबद्ध

नई दिल्ली। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर दिल्ली के विकास एवं पर्यटन मंत्री कपिल मिश्रा ने बवाना स्थित श्रीकृष्ण गौशाला सुल्तानपुर डबास का दौरा किया। मंत्री मिश्रा ने पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। गौशाला के दौरे के दौरान मंत्री मिश्रा ने वहां रह रहे गौवंशों की देखरेख, स्वच्छता, पोषण और पुनर्वास की व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया। गौशालाओं के संचालकों से विस्तार से चर्चा भी की। मिश्रा ने कहा कि पर्यावरण की रीढ़ हमारा पशुधन और गौमाता हैं। गौशालाएं केवल पशुधन की देखरेख का केंद्र नहीं, बल्कि हमारी सांस्कृतिक और पर्यावरणीय विरासत का प्रतीक भी हैं। दिल्ली सरकार गौवंश संरक्षण और गौशालाओं के विकास के लिए प्रतिबद्ध है। पिछली सरकार के समय गौमाताओं के साथ हुए अन्याय को लेकर मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के मन में काफी पीड़ा है। इसलिए बेसहारा गौवंश की देखरेख, स्वच्छता, पोषण और पुनर्वास की व्यवस्थाओं के लिए जल्द गौसेवा आयोग अस्तित्व में आएगा। मंत्री मिश्रा ने मौके पर मौजूद गौ-सेवकों को बताया कि दिल्ली सरकार ने गौशालाओं को आधुनिक बनाने के लिए बजट 2025-26 में बड़ी धनराशि का प्रावधान किया है। दिल्ली की सभी गौशालाओं से जुड़ी जो भी देनदारियां हैं, उस बकाया राशि को चुकता किया जा रहा है। सरकार ने पहली किस्त के रूप में 10 करोड़ रुपये की बड़ी धनराशि जारी की है।

दिल्ली विधानसभा में सौंदर्यीकरण अभियान की शुरुआत, पर्यावरणीय जागरूकता और सुंदरता का प्रतीक बनेगी विधानसभा

नई दिल्ली। दिल्ली विधानसभा अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता ने आज विश्व पर्यावरण दिवस पर विधानसभा में सौंदर्यीकरण अभियान की शुरूआत की घोषणा की। उन्होंने विधानसभा परिसर में आयोजित एक पौधारोपण कार्यक्रम में कहा कि दिल्ली विधानसभा को पर्यावरणीय जागरूकता और सुंदरता का प्रतीक बनाया जाएगा। विजेंद्र गुप्ता ने कहा कि विधानसभा सिर्फ एक राजनीतिक केंद्र नहीं रहनी चाहिए, बल्कि यह एक ऐसा सुंदर और प्रेरणादायक स्थान बने, जो दिल्ली के नागरिकों को पर्यावरण संरक्षण का संदेश दे। उन्होंने बताया कि यह पहल प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के अनुरूप है, जिसमें हर नागरिक से अपनी मां के नाम पर एक पेड़ लगाने का आह्वान किया जा रहा है। इस अभियान के तहत विधानसभा परिसर में विभिन्न प्रकार के पौधे लगाए जाएंगे। इनमें फूलदार और सजावटी वृक्ष, सुंदर झाड़ियां, ताड़ के पेड़, बांस के गुच्छे, लताएं और ग्राउंडकवर्स शामिल हैं। साथ ही खुशबूदार पौधों की भी व्यवस्था की जाएगी, जिससे विधानसभा परिसर का वातावरण सुंदर ही नहीं बल्कि सुगंधित बने। गुप्ता ने कहा कि इस ऐतिहासिक परिसर को सुंदर बनाकर हम जनता का ध्यान पर्यावरण की ओर आकर्षित करना चाहते हैं।

हैदराबाद में ऑटो-रिक्शा चालक की मौत पर एनएचआरसी ने जारी किया नोटिस

नई दिल्ली। राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (एनएचआरसी) ने गुरुवार को हैदराबाद के तेलंगाना में एक 35 वर्ष के ऑटो-रिक्शा चालक की मौत के मामले में स्वतः संज्ञान लिया है। आयोग ने पुलिस महानिदेशक तेलंगाना को नोटिस जारी कर दो सप्ताह के भीतर विस्तृत रिपोर्ट मांगी है। आयोग ने पुलिस की कार्रवाई पर चिंता व्यक्त की है। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार 13 मई को राजेंद्रनगर पुलिस स्टेशन में पुलिस द्वारा कथित तौर पर शारीरिक यातना दिए जाने के बाद एक 35 वर्षीय ऑटो-रिक्शा चालक की मौत हो गई थी। पीड़ित का अपनी पत्नी के साथ कुछ विवाद था। जो उसे इस मुद्दे को सुलझाने के लिए पुलिस स्टेशन ले गई थी। दंपति की काउंसलिंग के बाद व्यक्ति को एक कमरे में ले जाया गया। जहाँ पुलिसकर्मियों ने उसे रबर बेल्ट से बुरी तरह पीटा।

'कश्मीर में खुशहाली' वाले बयान पर खुर्शीद का यू-टर्न, तल्ख अंदाज में दिया जवाब - 'मैं वहां नहीं रहता'

एजेंसी

नई दिल्ली। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और पूर्व विदेश मंत्री सलमान खुर्शीद ने अपने उस बयान पर यू-टर्न ले लिया है, जिसमें उन्होंने कहा था कि जम्मू-कश्मीर से आर्टिकल 370 हटने के बाद समृद्धि आई है। उन्होंने कहा कि वह केंद्र शासित प्रदेश में नहीं रहते और इसलिए इसके बारे में उन्हें जानकारी नहीं है। समाचार एजेंसी से बात करते हुए कांग्रेस सांसद सलमान खुर्शीद ने कश्मीर में खुशहाली वाले बयान के बारे में पूछे जाने पर तल्ख अंदाज में कहा, मुझे नहीं मालूम, आप ही बताइए कि विकास हुआ है या नहीं। आप मुझसे क्यों पूछ रहे हैं? मैं कश्मीर में नहीं रहता। मैं कभी-कभी ही वहां जाता हूं। कश्मीर में असली मुद्दा राज्य का दर्जा है। चुनाव में वहां से चुने गए लोग मांग कर रहे हैं कि राज्य का दर्जा बहाल किया जाए। इस मुद्दे पर हम सब

एकमत हैं। इसलिए, बेहतर होगा कि हम इस मुद्दे पर ध्यान दें। उन्होंने ऐसे वक्त में बयान दिया है, जब कश्मीर पर उनके बयान को लेकर कांग्रेस नेताओं में फूट देखने को मिल रही थी। सलमान खुर्शीद से पहले कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने भी जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 खत्म किए जाने के केंद्र सरकार के फैसले को सही बताया था। 'ऑपरेशन सिंदूर' को लेकर भेजे गए प्रतिनिधिमंडल का हिस्सा रहे सलमान खुर्शीद ने अपने अनुभव साझा करते हुए कहा, 'मेरा मानना है कि यह बहुत सफल रहा। हमारा उद्देश्य स्पष्ट था और हमने पांच देशों के साथ जो बातचीत की और हमारा उद्देश्य आतंकवाद को हमेशा के लिए समाप्त करना था। भारत के साथ विश्व का भी एक लक्ष्य है, आतंकवाद आज भारत के लिए समस्या बना है, कल दूसरे देश के लिए समस्या बन सकता है। हमने उनसे कहा - आपके देशों में भी समय-समय पर आतंकवादियों ने प्रहार किया है, इसलिए साथ मिलकर ऐसा कदम उठाना होगा जिससे आतंकवाद को हमेशा के लिए समाप्त किया जा सके।' उन्होंने प्रतिनिधिमंडल के दौरे को सफल बताते हुए कहा कि वह अपनी पार्टी और सरकार को इसके बारे में जानकारी देंगे। पार्टी भी उस सफलता को स्वीकार करेगी। उन्होंने कहा कि प्रतिनिधिमंडल में वह खुद नहीं गए थे, पार्टी ने उन्हें भेजा था।

इसके लिए उन्होंने पार्टी का आभार जताया है। कांग्रेस नेता सलमान खुर्शीद ने राहुल गांधी के पीएम मोदी के सरेंडर वाले बयान का समर्थन किया। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी सही हैं। मैं उनका समर्थन करता हूं।

मैं उनकी पार्टी से जुड़ा हूं और अपने राजनीतिक दिशा-निर्देश लेकर ही अपनी राजनीति करता हूं। मेरे लिए बहुत स्पष्ट है, मैं राहुल गांधी की पार्टी में हूं, मैं उनका समर्थन करता हूं और उनके निर्देशों के अनुसार काम करता हूं।

एनसीपीसीआर ने अलग-अलग घटनाओं में 32 बच्चों को तस्करी से बचाया

एजेंसी

नई दिल्ली ।राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग (एनसीपीसीआर) ने अलग-अलग घटनाओं में 32 बच्चों को बाल तस्करी से सफलतापूर्वक बचाया। यह बचाव अभियान रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ), राजकीय रेलवे पुलिस (जीआरपी) और स्थानीय गैर-सरकारी संगठनों (एनजीओ) के सहयोग से चलाए गए। इन बच्चों को पश्चिम बंगाल और बिहार से बाल श्रम के उद्देश्य से राजस्थान, पंजाब और हरियाणा जैसे अन्य राज्यों में तस्करी कर ले जाया जा रहा था।आयोग ने बताया कि बिहार और पश्चिम बंगाल से बच्चों की तस्करी के बारे में शिकायत मिली थी। इसपर कार्रवाई करते हुए एनसीपीसीआर ने आरपीएफ, जीआरपी और स्थानीय गैर सरकारी संगठनों के साथ मिलकर काम किया। अभियान के दौरान सासाराम रेलवे स्टेशन पर हावड़ा-मुंबई एक्सप्रेस से 8 बच्चों और मुजफ्फरपुर रेलवे स्टेशन पर कर्मभूमि एक्सप्रेस ट्रेन से 24 बच्चों को बचाया गया। इन मामलों में सात आरोपितों को गिरफ्तार किया गया है। किशोर न्याय (देखभाल और संरक्षण) अधिनियम, 2015, बाल और किशोर (निषेध और विनियमन) अधिनियम, 1986 और भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) 2023 के तहत एक प्राथमिकी दर्ज की गई है। सभी 32 बच्चों को आगे की देखभाल और पुनर्वास के लिए संबंधित बाल कल्याण समितियों (सीडब्ल्यूसी) के समक्ष पेश किया गया है।

पर्यावरण दिवस पर बायो प्लास्टिक को किया लॉन्च

एजेंसी

नई दिल्ली। विश्व पर्यावरण दिवस के मौके पर विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग ने बायो प्लास्टिक को लॉन्च किया। विज्ञान भवन में आयोजित कार्यक्रम में विज्ञान और प्रौद्योगिकी सचिव अभय करंदीकर सहित कई देशों के राजनयिक, पर्यावरण विद और पर्यावरण को संरक्षित बनाने में लगी कंपनियों के प्रतिनिधि शामिल हुए।

इस अवसर पर कंपनी (उखी इंडिया) के प्रबंध निदेशक विशाल विवेक ने बताया कि वर्ष 2019 में दो और सहयोगियों संदीप त्यागी और प्रियंका सिंह के सहयोग से यह स्टार्ट अप शुरू हुआ। उन्होंने देखा कि सामान्य दिनचर्या में उपयोग होने वाली प्लास्टिक कभी नष्ट नहीं होती, बल्कि और समस्या बन जाती है। बायो प्लास्टिक किसानों द्वारा उत्पादित भूसी, उच्छ घास आदि द्वारा बनाई जाती है। इसका उपयोग सामान्य प्लास्टिक के जैसा ही होता है। एक समय के बाद वह स्वतः नष्ट हो जाता है। हमने इसके उत्पादन के लिए आईआईटी, इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ पैकेजिंग और कई संस्थानों से सहयोग मिलने उपरांत किया है। इस

तकनीकी से किसान, व्यवसाय, पर्यावरण और बायो इकोनॉमी में प्रमुखता से लाभ होगा।

इस उत्पाद की विशेषता है कि इसे आईआईटी मंडी और दिल्ली ने सराहा है। कंपनी का दावा है 180 दिनों में इस प्लास्टिक के उत्पाद स्वतः खत्म होना शुरू हो जाते हैं। कंपनी को कई ई-कॉमर्स कंपनी से ऑर्डर मिल रहे हैं। भारत में हर साल लगभग 9.46 मिलियन मीट्रिक टन प्लास्टिक वेस्ट निकलता है। सिंगल यूज प्लास्टिक से सभी नदियां प्रदूषित हो रही हैं। बायो प्लास्टिक के उपयोग से किसानों की आर्थिक स्थिति सही होगी, फसलों की सहायता से ही प्लास्टिक बना ली जाएगी और बाहर से इंपोर्ट होने वाली बायो प्लास्टिक को कीमत भी कम रहेगी।

एआईआईए के छात्रों ने नाटक के जरिए प्लास्टिक के खतरों के प्रति किया जागरूक

एजेंसी

नई दिल्ली। अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान (एआईआईए) ने मेरी लाइफ अभियान के अंतर्गत विश्व पर्यावरण दिवस 2025 मनाया। एआईआईए की निदेशक डॉ. मंजूषा राजगोपाला के नेतृत्व में कार्यक्रम आयोजित किए गए। सभी कार्यक्रम इस वर्ष की थीम-प्लास्टिक प्रदूषण को समाप्त करना के ईर्द गिर्द रही। इस कार्यक्रम में द्रव्यगुण विज्ञान विभाग द्वारा आयोजित महत्वपूर्ण गतिविधियों की एक विस्तृत शृंखला शामिल रही जिसमें एक प्रभावशाली पर्यावरण जागरूकता रैली निकाली गई। इसमें स्नातकोत्तर और पीएचडी शोधार्थियों, संकाय सदस्यों, संस्थागत कर्मचारियों और स्थानीय पुलिस कर्मियों ने भाग लिया। इस मौके पर छात्रों ने ÷प्लास्टिक की दुनिया, प्रकृति का विनाश÷ नामक एक आकर्षक नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत किया गया, जिसमें प्लास्टिक प्रदूषण के खतरों को दर्शाया गया तथा आयुर्वेदिक ज्ञान को एक स्थायी विकल्प के रूप में प्रस्तुत किया गया।

पर्यावरण दिवस के मौके पर एआईआईए परिसर में 500 से अधिक औषधीय और देशी पौधे लगाए गए और घर-आधारित हर्बल खेती को प्रोत्साहित करने के लिए मरीजों को 200 पौधे वितरित किए गए। छात्रों को प्लास्टिक के प्राकृतिक विकल्पों का प्रस्ताव करने के लिए निबंध लेखन प्रतियोगिता और मॉडल मेकिंग प्रतियोगिता जैसे शैक्षिक कार्यक्रम आयोजित किए गए। एआईआईए मिनी ऑडिटोरियम में आयोजित मुख्य कार्यक्रम में चिकित्सा अधीक्षक प्रो. एमएम राव, डीन पीजी प्रो. योगेश बडवे और द्रव्यगुण विज्ञान विभाग की प्रमुख और मेरी लाइफ अभियान की नोडल अधिकारी डॉ. मीना एस. देवगड़े ने भाग लिया।

दिल्ली को करोड़ों की सौगात

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली के उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना और मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी के साथ बैठक की। बैठक में दिल्ली में चल रही राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं की प्रगति की समीक्षा की गई।

इसमें राजधानी में वाहनों की भीड़भाड़ को कम करने और प्रदूषण से बचाने के लिए केंद्र सरकार ने दिल्ली सरकार को करोड़ों रुपये की सौगात दी है। इस बैठक में परिवहन राज्य मंत्री हर्ष मल्होत्रा, दिल्ली के लोक निर्माण विभाग के मंत्री प्रवेश साहिब वर्मा, पर्यावरण मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा और स्वास्थ्य मंत्री पंकज कुमार सिंह के साथ-साथ दिल्ली भाजपा के सांसदों ने हिस्सा लिया। दिल्ली सरकार के सभी वरिष्ठ अधिकारी भी बैठक में मौजूद रहे। मुख्यमंत्री ने बैठक के बाद संवाददाता सम्मेलन करते हुए कहा

कि दिल्लीवालों को डंबल इंजन सरकार का लाभ मिला रहा है। उन्होंने बताया कि वर्तमान में भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) द्वारा 35,000 करोड़ रुपये की लागत से कई परियोजनाएं दिल्ली में कार्यान्वित की जा रही हैं। इससे पहले 64,000 करोड़ रुपये की लागत से विभिन्न प्रोजेक्ट पूरे किए जा चुके हैं। साथ ही 24,000 करोड़ रुपये की लागत से शुरू होने वाले आगामी प्रोजेक्ट्स की डीपीआर भी तैयार हो चुकी है। मुख्यमंत्री ने बताया कि दिल्ली में वाहनों की भीड़ को कम करने (डीकंजेस्ट) करने और प्रदूषण मुक्त बनाने की दिशा में कई महत्वपूर्ण परियोजनाएं शुरू की जा रही हैं। इनमें शिव मूर्ति से नेल्सन मंडेला रोड तक लगभग सात किलोमीटर लंबी अंडरग्राउंड टनल का निर्माण, आईएनए से एयरपोर्ट तक एलिवेटेड रोड, जो आगे फरीदाबाद और गुरुग्राम को जोड़ेगा। इस पर भी एलिवेटेड रोड बनाने का काम शुरू होगा। उन्होंने बताया कि दिल्ली से कटरा व अमृतसर को जोड़ने वाला हाइवे, जो अर्बन एक्सटेंशन रोड-II से कनेक्ट होगा और अर्बन एक्सटेंशन रोड-II का दूसरा एक्सटेंशन जो अलीपुर से ट्रोनिका सिटी और दिल्ली-देहरादून मार्ग को जोड़ेगा। इससे हरियाणा से देहरादून और नोएडा तक बिना दिल्ली में प्रवेश किए यातायात सुगम होगा। इसके अलावा, सराय काले खां से इंदिरा गांधी एयरपोर्ट तक टनल के निर्माण की भी फिजिबिलिटी स्टडी की जा रही है।

दिल्ली के साकेत कोर्ट के लॉकअप में विचाराधीन कैदी की हत्या

एजेंसी

नई दिल्ली। साकेत कोर्ट में आज एक विचाराधीन कैदी की दो अन्य कैदियों ने जानलेवा हमला कर हत्या कर दी। मामला पुरानी रंजिश का बताया जा रहा है। साकेत कोर्ट के लॉकअप में उस समय अफरा-तफरी मच गई जब एक विचाराधीन कैदी पर दो अन्य कैदियों ने जानलेवा हमला कर दिया। कैदी की पहचान अमन (24) निवासी गोविंदपुरी, दिल्ली के रूप में हुई है। वह वर्ष 2017 के हत्या के प्रयास के मामले में आरोपित था। पुलिस के अनुसार अमन को कोर्ट में पेशी के लिए लाया गया था और घटना के समय खारजा नंबर-5 में कई अन्य विचाराधीन कैदी भी मौजूद थे। अचानक दो कैदी जितेन्द्र उर्फ जिट्टे (पुत्र जगदीश) और जयदेव उर्फ बच्चा पुत्र लालचंद ने अमन पर हमला कर दिया। जांच में सामने आया है कि जितेन्द्र और अमन के बीच पुरानी रंजिश चल रही थी। वर्ष 2024 में जब दोनों जेल के बाहर थे, तब अमन ने कथित तौर पर जितेन्द्र और उसके भाई पर चाकू से हमला किया था। उसी पुराने विवाद

के चलते यह झगड़ा हुआ। घटना के बाद अमन को तुरंत उपचार के लिए अस्पताल भेजा गया। इलाज के दौरान अमन की मौत हो गई। पुलिस ने हमलावरों की पहचान कर ली है और आगे की कार्रवाई जारी है।

दिल्ली में बकरीद पर गाय और ऊंट की कुर्बानी रोकने के लिए एडवाइजरी जारी

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार ने पशु कल्याण और सार्वजनिक स्वच्छता को बनाए रखने के लिए एक बड़ा कदम उठाया है। सरकार ने बकरीद के मौके पर गाय, बछड़े, ऊंट और अन्य प्रतिबंधित जानवरों की अवैध हत्या और बलि के खिलाफ सख्त एडवजाइजरी जारी की है। बकरीद 07 जून 2025 को मनाया जाएगा। जारी इस एडवाइजरी साफ कहा गया है कि नियम तोड़ने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई होगी। दिल्ली सरकार की ओर से बकरीद के दौरान कानूनी और स्वच्छ तरीकों को सुनिश्चित करने के लिए सख्त दिशा-निर्देश दिए गए हैं। इसमें कहा गया है कि सभी बलि की रस्में सिर्फ निर्धारित जगहों पर ही होनी चाहिए। सड़कों, गलियों या किसी भी सार्वजनिक स्थान पर बलि देना सख्त मना है। इसके अलावा, बलि की रस्मों के फोटो या वीडियो लेने और सोशल मीडिया पर साझा करने पर भी रोक लगाई गई है, ताकि ऐसी गतिविधियों को बढ़ावा न मिले। विकास मंत्री कपिल मिश्रा ने सरकार के रुख को रेखांकित करते हुए कहा कि दिल्ली सरकार हमारी सांस्कृतिक और पर्यावरणीय विरासत की रक्षा के

लिए प्रतिबद्ध है, जिसमें पशु कल्याण एक अभिन्न हिस्सा है। हम त्योहार के उत्सव के दौरान किसी भी अवैध बलि या क्रूरता को बर्दाश्त नहीं करेंगे। एडवकाइजरी का सख्ती से पालन अनिवार्य है और उल्लंघन करने वालों को कानून प्रवर्तन एजेंसियों से तत्काल कार्रवाई का सामना करना पड़ेगा। यह एडवाइजरी मौजूदा कानूनों के अनुसार है, जिसमें पशु क्रूरता रोकथाम अधिनियम 1960, पशु परिवहन नियम 1978, स्लॉटर हाउस नियम 2001, और खाद्य सुरक्षा और मानक अधिनियम 2006 शामिल हैं। इसमें बताया गया है कि पशु परिवहन नियम 1978 का अक्सर उल्लंघन होता है, जिससे जानवरों को परेशानी होती है। साथ ही पशु क्रूरता रोकथाम (स्लॉटर हाउस) नियम, 2001 के नियम 3 के तहत निर्धारित स्लॉटर हाउस के बाहर हत्या/कुर्बानी पर रोक है, खासकर उन जानवरों की जो गर्भवती हैं, जिनके बच्चे तीन महीने से छोटे हैं।

एक पेड़ मां के नाम के तहत जेपी नड्डा ने लगाया पौधा

एजेंसी

नई दिल्ली । एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा ने निर्माण भवन में पौधारोपण किया। पौधारोपण के बाद एक्स पोस्ट में नड्डा ने कहा कि आज विश्व पर्यावरण दिवस पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा शुरू की गई एक पेड़ मां के नाम पहल के तहत मां प्रकृति के प्रति कृतज्ञता के भाव से निर्माण भवन में एक पौधा लगाया। इस अवसर पर नड्डा ने सभी को इस अभियान में शामिल होने और हरित भविष्य की दिशा में सार्थक कदम उठाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि 'एक राष्ट्र एक मिशनः प्लास्टिक प्रदूषण समाप्त करें' के आह्वान के साथ, हम सभी प्लास्टिक कचरे को कम करने और आने वाली पीढ़ियों के लिए अपने पर्यावरण की रक्षा करने का संकल्प लें।

दिल्ली में बिजली तारों के जाल से मुक्ति दिलाने का वादा सरकार ने नहीं किया पूरा : देवेंद्र यादव

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष देवेंद्र ने गुरुवार को कहा कि रेखा गुप्ता सरकार पर दिल्ली में बिजली तारों के जाल से मुक्ति दिलाने के वादे को पूरा नहीं किया। उन्होंने कहा कि पुरानी दिल्ली, चांदनी चौक, सीलमपुर, करोल बाग, मुस्तफाबाद सहित दिल्ली भर की अनाधिकृत कालोनियों, झुग्गी बस्तियों, पुनर्वास कालोनियों में घरों के बाहर लटके बिजली तारों के मकड़ जाल अब भी वैसे ही है। मुख्यमंत्री ने बजट में बिजली तारों के जालों से निजात दिलाने का वादा किया है।

देवेंद्र यादव एक विज्ञप्ति जारी करते हुए कहा कि दिल्ली सरकार ने अग्नि शमन सुरक्षा, उच्च जोखिम वाले भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों में सुधार करने के लिए 100 करोड़ के बजट का ऐलान किया है। आम आदमी पार्टी द्वारा दिल्ली की बर्बाद करने के बाद भी भाजपा की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता सरकार दिल्ली को व्यवस्थित करने की बजाय सिर्फ घोषणाएं कर रही है। उन्होंने कहा कि बिजली की तारों के जाल से मुक्ति का वादा करके 100 करोड़ के बजट का

ऐलान तो कर दिया परंतु 2 महीने बीतने के बावजूद इस योजना पर कोई काम शुरू नहीं हुआ है। उन्होंने कहा कि असल में भाजपा सरकार अभी तक दिल्ली में योजनाबद्ध तरीके से काम करने की कोई नीति ही तैयार नहीं कर पाई है।

देवेंद्र यादव ने कहा कि अति असुरक्षित क्षेत्र चांदनी चौक, जामा मस्जिद, दरिया गंज, मटिया महल, शाहीन बाग, अलीपुर, जैसी अनाधिकृत कॉलोनियों वाले घनी आबादी वाले हैं, जहां सरकारें बार-बार घोषणा करने के बावजूद काम नहीं कर रही है। आंधी, बारिश में यहां लटकी तारे लोगों की जान को खतरा बन जाती है।

संयुक्त राष्ट्र को पाकिस्तान के खिलाफ करनी चाहिए कार्रवाई - आनंद शर्मा

एजेंसी

नई दिल्ली। आतंकवाद के खिलाफ वैश्विक अभियान के तहत प्रमुख भागीदार देशों का दौरा करने वाले सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल के सदस्य कांग्रेस नेता आनंद शर्मा ने गुरुवार को कहा कि यह वैश्विक जनमत का निर्माण और उसे संगठित करने के लिए भारत द्वारा किया गया एक सामूहिक प्रयास था ताकि दुनिया को सीमापार से लगातार हो रहे आतंकवादी हमलों के बारे में जागरूक किया जा सके, जिनमें सबसे हालिया हमला पहलगाम में हुआ। यह भारत का सामूहिक प्रयास था ताकि दुनिया को हमारे दर्द और गुस्से से अवगत कराया जा सके। एनसीपी (एसपी) सांसद सुप्रिया सुले के नेतृत्व वाले सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल के सदस्य आनंद शर्मा ने कहा कि सिर्फ प्रतिनिधिमंडल भेजने से बात पूरी नहीं हो जाती। उस देश की प्रकृति क्या है, उसका नैतिक अधिकार क्या है, उसका चरित्र क्या है, उसने अतीत में क्या किया और अब क्या कर रहा है, ये बातें ज्यादा महत्वपूर्ण हैं। भारत ने कभी किसी पर हमला नहीं किया, भारत ने कभी किसी को धोखा नहीं दिया, भारत ने कभी किसी दूसरे देश पर हमला नहीं किया, उसने किसी की जमीन पर कब्जा नहीं किया तो, भारत और पाकिस्तान की तुलना कैसे की जा सकती है? यह गलत है। उन्होंने कहा कि यह भारत के लिए समर्थन जुटाने का एक प्रयास था। हमारे खिलाफ बार-बार आतंकवादी हमले किए गए हैं, जिसमें पहलगाम हमला सबसे हालिया हमला है। हम जहां भी गए, हमने उन देशों के नेतृत्व को इस स्थिति के बारे में सूचित किया। दक्षिण अफ्रीका, कतर, मिस्र और इथियोपिया जैसे देशों ने भारत के प्रति अपनी सहानुभूति दिखाई है और आतंकवादी हमलों की कड़ी निंदा की है। आतंकवादियों को पाकिस्तान और उसकी सेना से समर्थन मिलना जारी है और वे वहां अपने अड्डे बनाए हुए हैं। इसलिए, संयुक्त राष्ट्र और वैश्विक समुदाय को उनके खिलाफ कार्रवाई करनी चाहिए।

सफलता-असफलता के बीच का संतुलन, प्रयास

हम देखेंगे.. लाजिम है कि हम भी देखेंगे... मशहूर शायर फैज अहमद फैज़ ने ये नज्म साढ़े चार दशक पहले तब लिखी थी जब पाकिस्तान में जनरल जिया उल हक ने हुकूमत की बागडोर संभाली थी। लेकिन इस नज्म को लोकप्रियता हासिल हुई 1986 में इकबाल बानो के जरिए। दरअसल, जिया-उल-हक की सरकार ने साड़ी को गैर इस्लामिक बताकर उस पर रोक लगा दी थी, जिसके विरोध में इकबाल बानो ने सफेद साड़ी पहनकर एक बड़े जनसमूह के सामने यह नज्म गायी थी। इसकी एक पंक्ति 'सब ताज उछाले जायेंगे, सब तख्त गिराए जायेंगे' गाते ही भीड़ ने 'इंकलाब जिंदाबाद' नारे लगाने शुरू कर दिये। उसी वक्त से यह नज्म सरकार और उसके तंत्र के प्रति असंतोष व्यक्त करने, प्रतिकार करने का माध्यम बन गई। भारत में भी जनवादी-प्रगतिशील संगठनों और जन आंदोलनों ने इसे हाथों-हाथ ले लिया और इस नज्म ने जनगीत की शक्ल अख्तियार कर ली।

बरसों-बरस यह नज्म जलसों-जुलूसों, धरने-प्रदर्शनों, बैठकों-सभाओं में गायी जाती रही। सरकारें आती-जाती रहीं, इस रचना में किसी को कोई बुराई नजर नहीं आई। लेकिन फिर 2019 आया जब बाकी देश की तरह आईआईटी कानपुर के छात्र नागरिकता संशोधन कानून (सीएए-एनआरसी) के विरोध में इकठ्ठा हुए और यह नज्म गायी। दूसरे पक्ष के कुछ छात्रों ने इस नज्म को हिन्दू विरोधी बताते हुए बवाल खड़ा कर दिया। उन्होंने संस्थान के निदेशक को शिकायत की कि यह नज्म से उनकी धार्मिक भावनाओं को आहत करने वाली है। इस पर संस्थान ने एक जांच समिति का गठन कर दिया। समिति ने अपनी जांच में पाया कि फैज़ की यह नज्म हिंदू विरोधी नहीं, बल्कि सत्ता के विरोध का प्रतीक है। हालांकि यह तथ्य, साहित्य की सामान्य समझ रखने वाला कोई भी व्यक्ति बता सकता था।

लेकिन जब किसी विचारधारा के प्रति विद्वेष सामान्य बुद्धि पर हावी हो जाये तो कानपुर की घटना का दोहराव होना ही होता है। हाल ही में यह हुआ भी। 2015 की अत्यधिक चर्चित और पुरस्कृत मराठी फिल्म 'कोर्ट' के अभिनेता वीरा साथीदार की स्मृति में नागपुर में एक कार्यक्रम आयोजित किया गया। वीरा एक लेखक और सामाजिक कार्यकर्ता थे। 2021 में महज 61 साल की उम्र में उनकी मृत्यु हो गई। फिल्म 'कोर्ट' में उन्होंने नारायण कांबले का किरदार निभाया था। इस फिल्म ने दुनियाभर में लगभग 60 करोड़ की कमाई की थी। वीरा के स्मृति आयोजन में 'हम देखेंगे...' नज्म गायी गयी। किसी दक्षिणपंथी संगठन के सदस्य ने इसकी शिकायत पुलिस को कर दी। पुलिस ने भी आनन-फानन में मामला दर्ज कर लिया। उसने स्व. साथीदार की पत्नी पुष्पा समेत अन्य के खिलाफ देश की एकता-अखंडता को नुकसान पहुंचाने, धार्मिक भावना भड़काने और अशांति फैलाने के आरोप में एफआईआर दर्ज की है।

शिकायत में कहा गया है कि फैज की कविता में 'सिंहासन हिलाने' और 'तानाशाही के दौर' जैसी बातें कही गई हैं। वह भी ऐसे समय में जब पहलगाम हादसे के बाद भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव चल रहा है। अब यह कोई लाल बुझक्कड़ ही बता सकता है कि सालों से गायी जा रही एक नज्म या कविता का दो देशों के बीच उपजे तनाव से क्या वास्ता हो सकता है- खासतौर से तब, जब वह नज्म किसी देश, समाज या धर्म के विरोध में नहीं, बल्कि तानाशाही और अन्याय के विरुद्ध लिखी गई हो। यहां ये बताना लाजिमी है कि अटल बिहारी वाजपेयी जैसे कद्दावर नेता भी फैज अहमद फैज के प्रशंसक थे और जिस नज्म पर इस वक्त सवाल खड़े किये जा रहे हैं, वह भी अटल जी को बेहद पसंद थी। लेकिन न जाने क्यों दुनिया की सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी और मजबूती का दावा करने वाली उसकी सरकार को अपने इस पुरखे के आचरण-व्यवहार से सबक लेना चाहिये।

फैज़ की बात चली है तो यह बताना जरूरी है कि 2022 में सीबीएसई ने 10वीं कक्षा सामाजिक विज्ञान की किताब से उनकी कुछ कविताएं और लोकतंत्र से संबंधित अध्याय हटा दिये थे। इधर हाल ही में अशोका यूनिवर्सिटी के प्रो. अली खान महमूदाबाद को सोशल मीडिया पर उनकी एक पोस्ट के बहाने गिरफ्तार किया गया, अब सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर उन्हें अंतरिम जमानत मिल गई है। प्रो. खान के खिलाफ शिकायत करने वाली हरियाणा महिला आयोग की अध्यक्ष रेनू भाटिया,एक खबरिया चैनल की एंकर के छः बार पूछने पर भी बता नहीं पाईं कि आखिर उस पोस्ट में कौन सा शब्द, कौन सा वाक्य आपत्तिजनक था। इन्हीं मोहतरमा का एक पुराना वीडियो वायरल हो रहा है, जिसमें वे राम रहीम को बलात्कारी कहने से बचती नजर आ रही हैं। रेनू भाटिया की तरह भाजपा का कोई नेता या कार्यकर्ता नहीं बता पा रहा है कि जब कर्नल सोफिया कुरैशी और भारतीय सेना के बारे में अनर्गल बयान देने वाले मंत्रियों को बचाने की सारी कोशिशें की जा रही है, तब प्रो. महमूदाबाद और पुष्पा साथीदार पर कार्रवाई क्यों की गई। क्या सिर्फ इसलिए कि दोनों में से एक मुसलमान है और दूसरा अंबेडकरवादी!

यह याद रखा जाना चाहिये कि हिन्दुस्तान हमेशा से उदार प्रवृत्तियों वाला देश रहा है और यहां असहमतियों-आलोचनाओं का सम्मान होते आया है। सरकार से अलग राय रखने और सवाल पूछने वालों पर बेजा कार्रवाई कर जनता को डराने की कोशिश ही न की जाये तो दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र के लिए अच्छा होगा। वरना एक न एक दिन यह डर खत्म हो जायेगा। और तब क्या होगा - हम देखेंगे...

आंखों से बार-बार पानी आना किस बीमारी का लक्षण है?

आंखों से बार बार पानी आना कई बीमारियों का लक्षण होता है. कई बार यह बीमारी गंभीर भी हो सकती है. यदि आप कंप्यूटर, लैपटॉप या मोबाइल पर ज्यादा समय बिताते हैं तो आपको ड्राई आई की समस्या हो सकती है. ड्राई आई होने पर बार बार पानी आता है. यदि ऐसा नहीं है तो आपको इसकी जांच जरूर करवानी चाहिए. आंखों में बार बार पानी आना किस बीमारी के लक्षण है. इस बारे में हमने बात की सीनियर आई सर्जन से। अक्सर हमारी आंखों से बिना कारण पानी निकलने लगता है. यह आंखों की गंभीर बीमारी का लक्षण हो सकता है. आंखों में ड्राइनेस या धूल और बाल जाने के कारण भी ऐसा हो सकता है. कई बार धूल के कण ऐसे स्थान पर होते हैं जिनके कारण आंखों में खुजली या असहजता नहीं होती, लेकिन आंखों का सिस्टम उसे बाहर निकालने के लिए पानी का सहारा लेता है. इसके अलावा कई बीमारियां भी हैं जिनके कारण बार बार आंखों से पानी आता है.

इन बीमारियों में आता है आंखों में बार बार पानी

एमएमजी अस्पताल के सीनियर आई सर्जन डॉ. नरेंद्र कुमार बताते हैं कि बिना कारण आंखों से पानी आना आंसुओं की ग्रंथि की समस्या का लक्षण होता है. आंसू की नलिका में किसी तरह का अवरोध होता है तो बार बार आंखों में पानी आता है.

इसके अलावा यदि पलकों में किसी तरह की समस्या है तब भी आंखों में पानी आता है. पलकों का बाहर या अंदर ओर मुड़ने के कारण भी ऐसा होता है. इसके अलावा बेल्स पाल्सी के कारण भी ऐसा होता है. बेल्स पाल्सी एक तंत्रिका संबंधी विकार है. इसमें चेहरे की मांसपेशियां प्रभावित होती हैं. जिससे आंखें बंद होने या पलकें ठीक से बंद न होने की समस्या हो सकती है. जिसके कारण बार बार आंख से पानी आता है. डॉ. नरेंद्र कुमार कहते हैं कि यदि आंखों से बार बार पानी आ रहा है तो आपको डॉक्टर से जांच करवानी चाहिए।

माता-पिता और संतान के संबंधों की संस्कृति को जीवंतता दें

- ललित गर्ग -

विश्व के अधिकतर देशों की संस्कृति में माता-पिता का रिश्ता सबसे बड़ा एवं प्रगाढ़ माना गया है। भारत में तो इन्हें ईश्वर का रूप माना गया है। माता-पिता को उनके बच्चों के लिए किए गए उनके काम, बच्चों के प्रति उनकी निस्वार्थ प्रतिबद्धता और इस रिश्ते को पोषित करने के लिए उनके आजीवन त्याग के लिए सम्मान और सराहना देने के लिए प्रतिवर्ष विश्व माता-पिता (अभिभावक) दिवस 1 जून को मनाया जाता है। यह संयुक्त राष्ट्र (यूएन) का पालन दिवस है। यह दिन हमें परिवारों के विकास में माता-पिता और उनके जैसे लोगों की महत्वपूर्ण भूमिका की सराहना करने का अवसर प्रदान करता है। 2025 के लिए थीम है ह्यमाता-पिता का पालन-पोषणह्ल। यह थीम माता-पिता के रूप में पालन-पोषण को एक महत्वपूर्ण कौशल के रूप में मान्यता देती है और हमें माता-पिता के रूप में बच्चों के विकास और कल्याण के लिए उनकी महत्वपूर्ण भूमिका पर ध्यान केंद्रित करने के लिए प्रेरित करती है। अधिकांश देशों में सदियों से माता-पिता का सम्मान करने की परंपरा रही है। माता-पिता ईश्वर का सबसे अच्छा उपहार हैं। जीवन में कोई भी माता-पिता की जगह नहीं ले सकता। वे सच्चे शुभचिंतक हैं।

माता-पिता ही बच्चों की सुरक्षा, विकास व समृद्धि के बारे में सोचते हैं। बावजूद बच्चों द्वारा माता-पिता की लगातार उपेक्षा, दुर्व्यवहार एवं प्रताड़ना की स्थितियों बढ़ती जा रही है, जिन पर नियंत्रण के लिये यह दिवस मनाया जाता है। भारत में जहां कभी संतानें पिता के चेहरे में भगवान और मां के चरणों में स्वर्ग देखती थीं, आज उसी देश में संतानों के उपेक्षापूर्ण व्यवहार के कारण बड़ी संख्या में बुजुर्ग माता-पिता की स्थिति दयनीय होकर रह गई है। इस दिवस को मनाने की सार्थकता तभी है जब हम केवल भारत में ही नहीं है बल्कि विश्व में अभिभावकों के साथ होने वाले अन्याय, उपेक्षा और दुर्व्यवहार पर लगाम लगाने की भी है। प्रश्न है कि दुनिया में अभिभावक दिवस मनाने की आवश्यकता क्यों हुई? क्यों अभिभावकों की उपेक्षा एवं प्रताड़ना की स्थितियां बनी हुई है? चिन्तन का महत्वपूर्ण पक्ष है कि अभिभावकों की उपेक्षा के इस गलत प्रवाह को कैसे रोके। क्योंकि सोच के गलत प्रवाह ने न केवल अभिभावकों का जीवन दुश्वार कर दिया है बल्कि आदमी-आदमी के बीच के भावात्मक फासलों को भी बढ़ा दिया है। विचारणीय है कि अगर आज हम माता-पिता का अपमान करते हैं, तो कल हमें भी अपमान सहना होगा। समाज का एक सच यह है कि जो आज जवान है उसे कल माता-पिता भी होना होगा और इस सच से कोई नहीं बच सकता। हमें समझना चाहिए कि माता-पिता परिवार एवं समाज की अमूल्य विरासत होते हैं। इन्हीं स्थितियों को देखते हुए 2007 में माता-पिता एवं वरिष्ठ नागरिक भरण-पोषण विधेयक संसद में पारित किया गया है। इसमें माता-पिता के भरण-पोषण, वृद्धाश्रमों की स्थापना, चिकित्सा सुविधा की व्यवस्था और वरिष्ठ नागरिकों के जीवन और संपत्ति की सुरक्षा का प्रावधान किया गया है। लेकिन इन सब के बावजूद हमें अखबारों और समाचारों की सुर्खियों में माता-पिता की हत्या, लूटमार, उत्पीड़न एवं उपेक्षा की घटनाएं देखने को मिल ही जाती है।

विश्व में इस दिवस को मनाने के तरीके अलग-अलग हो सकते हैं, परन्तु सभी का मुख्य उद्देश्य यह होता है कि वे अपने माता-पिता के योगदान को न भूलें और उनको अकेलेपन की कमी को महसूस न होने दें। हमारा भारत तो माता-पिता को भगवान के रूप में मानता है। इतिहास में अनेकों ऐसे उदाहरण है कि माता-पिता की आज्ञा से भगवान श्रीराम जैसे अवतारी पुरुषों ने राजपाट त्याग कर वनों में विचरण किया, मातृ-पितृ भक्त श्रवण कुमार ने अपने अन्धे माता-पिता को काँवड़ में बैठाकर चारधाम की यात्रा कराई। फिर क्यों आधुनिक समाज में माता-पिता और उनकी संतान के बीच दूरियां बढ़ती जा रही है। आज के माता-पिता समाज-परिवार से कटे रहते हैं और सामान्यतः इस बात से सर्वाधिक दुःखी है कि जीवन का विशद अनुभव होने के बावजूद कोई उनकी राय न तो लेना चाहता है और न ही उनकी राय को महत्व देता है। समाज में अपनी एक तरह से अहमियत न समझे जाने के कारण हमारे माता-पिता दुःखी, उपेक्षित एवं त्रासद जीवन जीने को विवश है। माता-पिता को इस दुःख और कष्ट से छुटकारा दिलाना आज की सबसे बड़ी जरूरत है।

बुजुर्गों के साथ दुर्व्यवहार किस सीमा तक, कितना, किस रूप में और कितनी बार होता है तथा इसके पीछे कारण क्या हैं, इस पर हुए शोध में पता चला कि 82 प्रतिशत पीड़ित बुजुर्ग अपने परिवार के सम्मान के चलते इसकी शिकायत नहीं करते। शोध के निष्कर्षों के अनुसार अभिभावकों पर होने वाले अत्याचार एवं दुर्व्यवहार की स्थितियां चिन्तनीय है। जिनमें परिजनों एवं विशेषतः बच्चों के हाथों बुजुर्ग अपमान (56 प्रतिशत), गाली-गलौच (49 प्रतिशत), उपेक्षा (33 प्रतिशत), आर्थिक शोषण (22 प्रतिशत) और शारीरिक उत्पीड? का शिकार (12 प्रतिशत) होते हैं और ऐसा करने वालों में बहुओं (34 प्रतिशत) की अपेक्षा बेटों (52 प्रतिशत) की संख्या अधिक है जबकि पिछले सर्वेक्षणों में बहुओं की संख्या अधिक पाई गयी है। प्रौद्योगिकी ने भी बुजुर्गों की उपेक्षा और उनसे दुर्व्यवहार में अपना योगदान दिया है और संतानें अपने माता-पिता की अपेक्षा मोबाइल फोन और कम्प्यूटरों को अधिक तवज्जो देती हैं। इसका बुजुर्गों के जीवन पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है।

अभिभावकों को लेकर जो गंभीर समस्याएं आज पैदा हुई हैं, वह अचानक ही नहीं हुई, बल्कि उपभोक्तावादी संस्कृति तथा महानगरीय अधुनातन बोध के तहत बदलते सामाजिक मूल्यों, नई पीढ़ी की सोच में परिवर्तन आने, महंगाई के बढ़ने और व्यक्ति के अपने बच्चों और पत्नी तक सीमित हो जाने की प्रवृत्ति के कारण बड़े-बूढ़ों के लिए अनेक समस्याएं आ खड़ी हुई हैं। अभिभावकों के लिये भी यह जरूरी है कि वे वार्धक्य को ओढ़े नहीं, बल्कि जीएं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दूरदर्शी नारे ह्लसबका साथ, सबका विकास एवं सबका विश्वासह्ल की गूंज और भावना अभिभावकों के जीवन में उजाला बने, तभी नया भारत निर्मित होगा। मानवीय रिश्तों में दुनिया में माता-पिता और संतान का रिश्ता अनुपम है, संवेदनाभरा है। माता-पिता हर संतान के लिए एक प्रेरणा हैं, एक प्रकाश हैं और संभावनाओं के पुंज हैं। हर माता-पिता अपनी संतान की निषेधात्मक और दुष्प्रवृत्तियों को समाप्त करके नया जीवन प्रदान करते हैं। माता-पिता की प्रेरणाएं संतान को मानसिक प्रसन्नता और परम शांति देती है। जैसे औषधि दुख, दर्द और पीड़ा का हरण करती है, वैसे ही माता-पिता शिव पार्वती की भांति पुत्र के सारे अवसाद और दुखों का हरण करते हैं।

माता पिता ही है जो हमें सच्चे दिल से प्यार करते हैं बाकी इस दुनिया में सब नाते रिश्तेदार झुठे होते हैं। पता नहीं क्यों हमे हमारे पिता इतना प्यार करते हैं, दुनिया के बैंक खाली हो जाते हैं मगर पिता की जेब हमेशा हमारे लिए भरी रहती हैं। पता नहीं जरूरत के समय न होते हुए उनके पास अपने बच्चों के लिये कहां से पैसे आ जाते हैं। भगवान के रूप में माता-पिता हमें एक सौगात हैं जिनकी हमें सेवा करनी चाहिए और कभी उनका दिल नहीं तोडना चाहिए। एक बच्चे को बड़ा और सभ्य बनाने में उसके पिता का योगदान कम करके नहीं आंका जा सकता। मां का रिश्ता सबसे गहरा एवं पवित्र माना गया है, लेकिन बच्चे को जब कोई खरोंच लग जाती है तो जितना दर्द एक मां महसूस करती है, वही दर्द एक पिता भी महसूस करते हैं। पिता कठोर इसलिये होते हैं ताकि बेटा की तकलीफों का सामना करने में ही बनता घर है पर पिता घर का सहारा है। माँ से स्वर्ग है माँ से बैकुंठ, माँ से ही चारों धाम है पर इन सब का द्वार तो पिता ही है। आधुनिक समाज में माता-पिता और उनकी संतान के संबंधों की संस्कृति को जीवंत बनाने की अपेक्षा है।

हम नहीं देख पाए, वो अब भी गा रहे थे

प्रियंका सौरभ

शहर की चमचमाती सड़कों, ऊंची इमारतों और बंद खिड़कियों के पीछे जब हम जीवन को व्यस्तताओं की कैद में जी रहे होते हैं, तब कहीं दूर गांवों की बाल्कनियों में जीवन अब भी खुले आकाश के नीचे साँस ले रहा होता है। वहां सुबहें अब भी चिड़ियों की चहचहाहट से शुरू होती हैं, दोपहरें कोयल की तान से सजी होती हैं, और रातें उल्लुओं की टेर में गूंजती हैं। यह लेख उन्हीं स्मृतियों और अनुभवों की यात्रा है – एक गांव की बाल्कनी में बैठकर महसूस की गई उस दुनिया की, जो कभी हमारी थी, लेकिन जिसे हमने शहर के शोर में कहीं खो दिया। जब मैं हाल ही में गांव आई, तो एक शाम अपनी बाल्कनी में बैठी थी। अचानक एक चिड़िया ने ध्यान खींचा। वो जानी-पहचानी सी लगी – भूरे और सफेद रंग की, फुतीर्ली और बेहद चंचल। उसे देखते ही जैसे मन के किसी कोने से आवाज आई – "धौर्रईया!" हाँ, यही तो कहते थे हम बच्चे जब नानी के घर आया करते थे। गर्मियों की छुट्टियों में जब पूरा कुनबा गांव में इकट्ठा होता, तो आंगन में बैठकर हम सब बच्चे इन्हीं चिड़ियों के पीछे भागते, उन्हें दाना डालते, और उनके नामों पर बहस करते। "ये गौरैया नहीं, धौर्रईया है," मेरा चचेरा भाई अकड़कर कहता। शहर में रहते हुए पक्षियों की पहचान ही सीमित हो जाती है। कौए, कबूतर, तोते और कभी-कभार गौरैया – बस यही दिखाई देते हैं। लेकिन यहां गांव में जैसे किसी भूली-बिसरी किताब के पन्ने फिर से खुल गए हों। मेरी बाल्कनी के सामने ही एक पेड़ है, जिस पर सुबह-सुबह मैना और बुलबुल आती हैं। दूर खेतों में मोर नाचते हैं, और उनकी कूक जैसे किसी पारंपरिक संगीत का हिस्सा हो। नीलकंठ की एक झलक भी दिखती है, और वो नीला रंग आंखों को ताजगी देता है। टिटहरी की टिट-टिट, जलमुर्गी की फुर्ती, कोयल की कुहू-कुहू, और तितर की दौड़ – ये सब मिलकर एक ऐसी सजीव दुनिया रचते हैं जिसे शहरों में हमने कभी ठीक से जाना ही नहीं। शहरों की भीड़ में रहते हुए हम जैसे संवेदना शून्य होते चले जाते हैं। वहां सुबह मोबाइल अलार्म से होती है, यहां मुर्गे की बांग से। वहां हवा एसी की होती है, यहां आम के पेड़ की। वहां आसमान धुंध से भरा होता है, यहां पक्षियों की उड़ान से। रात के सन्नाटे में जब गांव में दो उल्लू नियमित रूप से आकर एक पुराने नीम के पेड़ पर बैठते हैं, तो एक अलग ही एहसास होता है। शहर में उल्लू शब्द एक अपमान या अंधविश्वास से जुड़ा होता है, लेकिन यहां वो जैसे रात के शिक्षक हों – प्रकृति का संतुलन बनाए रखने वाले मौन प्रहरी। जब मैंने अपनी नानी से पूछा कि इस चिड़िया को धौर्रईया ही कहते थे न, तो उन्होंने मुस्कुराते हुए सिर हिलाया, "हाँ बिटिया, यही तो है। अब ये शहरों में कहां दिखती है। तुम लोग ही कहां रहते हो वहां, जो देख पाओगे।" इस बात ने भीतर तक झकझोर दिया। क्या सचमुच ये पक्षी विलुप्त हो रहे हैं, या हम ही उन जगहों से विलुप्त हो गए हैं जहां जीवन और प्रकृति एकसाथ सांस लेते हैं? गांव की यह बाल्कनी एक खिड़की बन गई थी – केवल बाहर देखने की नहीं, बल्कि अपने भीतर झांकने की। मुझे याद आने लगीं नानी की कहानियाँ, वो दोपहरें जब पेड़ की छांव में बैठकर चिड़ियों के घोंसलों को निहारा करते थे, वो मटर के खेत जिनमें तीतर भागते थे, और वो पोखर जहां जलमुर्गियाँ अपने बच्चों के साथ तैरती थीं। हमारी पीढ़ी ने मोबाइल की स्क्रीन पर बर्ड इमोजी तो देखी, लेकिन उनके असली रंग नहीं। हमने गूगल पर बर्ड कॉल्स सुने, लेकिन कभी खुले आसमान के नीचे बैठकर चिड़ियों की सुबह की सभा नहीं देखी। गांव आकर यह एहसास हुआ कि हमारी भागदौड़ में हमने वो सब पीछे छोड़ दिया है, जिसे देखकर हमारी आत्मा मुस्कुराया करती थी। पक्षी केवल उड़ने वाले प्राणी नहीं हैं, वो हमारे अतीत के हिस्से हैं। हमारे लोकगीतों, कहानियों, और भावनाओं में बसे हुए साथी हैं। "कागा सब तन खाइयो, चून-चून खइयो मांस" – कबीर के इस दोहे से लेकर मीराबाई की कोयल और तुलसी की चातक तक, हर पक्षी हमारी संस्कृति का अनिवार्य हिस्सा रहा है।

मुझे याद है जब पहली बार शहर आई थी, तो सोचती थी कि वहां की चकाचौंध ही जीवन का लक्ष्य है। लेकिन अब समझ में आता है कि रोशनी जरूरी है, पर हर रोशनी सूरज नहीं होती। कुछ रोशनियाँ ऐसी भी होती हैं जो आंखों को चौंधिया देती हैं, पर मन को अंधेरा कर देती हैं।

गांव की इस बाल्कनी में बैठे-बैठे एक नन्ही सी चिड़िया बार-बार आती है, कुछ पल बैठती है, फिर उड़ जाती है। उसे देखकर लगता है जैसे वो मेरी स्मृतियों में पंख लगा रही हो। हर बार जब वो उड़ती है, एक पुरानी याद हवा में तैर जाती है।

हम प्रकृति से जितना दूर होते जा रहे हैं, उतना ही खालीपन हमारे भीतर बढ़ता जा रहा है। मानसिक स्वास्थ्य से लेकर सामाजिक दूरी तक, आधुनिक जीवन के संकटों का एक बहुत बड़ा कारण यह भी है कि हम जमीन से, पेड़ों से, पक्षियों से और अपने मूल से कटते जा रहे हैं।

130 दिनों के शासन में डोनाल्ड ट्रम्प को नहीं मिली कोई सफलता

- अंजन रॉय

अपने घोषित लक्ष्यों की किसी भी स्पष्ट उपलब्धि से वंचित अमेरिकी राष्ट्रपति ने बार-बार भारत और पाकिस्तान के बीच संघर्ष विराम को अपने श्रेय के रूप में लिया। उन्होंने बार-बार दावा किया कि यह उनके 'व्यापार के उपयोग के कारण था जिसके परिणामस्वरूप संघर्ष विराम हुआ'। इस दावे को भारतीय विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने बार-बार खारिज किया है।

इस साल 20 जनवरी को डोनाल्ड ट्रम्प ने दूसरी बार संयुक्त राज्य अमेरिका के राष्ट्रपति के रूप में शपथ ली थी, तब से एक सौ तीस दिन बीत चुके हैं। शुरूआती दिनों में बड़ी उम्मीदें जगाने के बाद, अति सक्रिय राष्ट्रपति अब धीरे-धीरे इस तथ्य को स्वीकार कर रहे हैं कि वे एक बड़ी विफलता हैं। 'ट्रम्प हमेशा पीछे हटते हैं।' यह एक ऐसा लेबल है जिसे चीनी नेटिजेंस ने उनके लिए गढ़ा था क्योंकि वे टैरिफ पर चीन के साथ लड़ाई से डरते थे। ट्रम्प ने चीनी वस्तुओं पर अमेरिकी टैरिफ को 145प्रतिशत तक बढ़ा दिया था और बातचीत शुरू होने से पहले ही चरणों में इसे 30प्रतिशत तक कम कर दिया था।

चीनियों ने ट्रम्प की रियायतों को टैरिफ युद्ध में चीन के साथ उलझने के उनके डर के रूप में वर्णित किया। इसके तुरंत बाद प्रसिद्ध वॉल स्ट्रीट में उनके अपने देशवासियों ने उन्हें 'टैको(ट्रम्प ऑलवेजचिकन्स आऊट) ट्रेड' की उपाधि दी, जिसका संदर्भ टैरिफ पर उनके तेजी से बदलते रुख के आधार पर अमेरिकी शेयर बाजारों में होने वाले उतार-चढ़ाव से था।

जब एक रिपोर्टर ने ओवल ऑफिस में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में सीधे अमेरिकी राष्ट्रपति से यह सवाल पूछा, तो वह स्पष्ट रूप से गलत ढंग से पेश आये। उन्होंने इसे 'सबसे घटिया सवाल' बताया और उसे फिर कभी इसे न उठाने के लिए कहा। उन्हें यह साबित करने में बहुत मेहनत करनी पड़ी कि वे कायर नहीं हैं।

लेकिन अब सर्वव्यापी बैज का खंडन करने के उनके प्रयासों से, ट्रम्प अब एक मुखर व्यक्ति साबित हुए हैं, जो अपने वायदों के लायक नहीं हैं और वे जिन मुद्दों को उठा रहे थे, उन पर सख्त रुख अपनाने की बात कर रहे हैं। चाहे वह यह दावा हो कि वे सत्ता में आने पर एक दिन में यूक्रेन युद्ध को रोक देंगे। या फिर अमेरिकी संघीय खर्च और बजट घाटे को कम करने के उनके दावे हों- सभी मामलों में, ट्रम्प को धोखेबाज कहा गया है।ट्रम्प के सबसे करीबी सहयोगी, एलन मस्क, जिन्हें उन्होंने सरकारी दक्षता के लिए विभाग का प्रमुख नियुक्त किया था - तथाकथित डोज (डिपार्टमेंट ऑफ गवर्नमेंट एक्सपेंडिचर) - ने बुधवार को अपने कदम पीछे खींच लिए और वास्तव में उन्होंने इस्तीफा दे दिया। उन्होंने संघीय खर्च में कटौती करने में ट्रम्प की विफलता की सार्वजनिक रूप से आलोचना की। वास्तव में, मस्क को एक टीवी साक्षात्कार में स्पष्ट रूप से यह कहते हुए सुना गया था कि सैन्य और रक्षा में संघीय खर्च में भारी कर कटौती और बड़ी बढ़ोतरी को मंजूरी देने के लिए बहुचर्चित 'बड़ा और सुंदर' विधेयक वास्तव में डोनाल्ड ट्रम्प के पहले के वायदों से मुकरना था। इस विधेयक से अमेरिकी संघीय घाटे में 3.8 ट्रिलियन डॉलर की वृद्धि होगी। यह उनके द्वारा वायदा किये गये कमी लाने के स्थान पर अमेरिकी सरकार के घाटे में एक बहुत बड़ी उछाल है।

मस्क ने विडंबनापूर्ण रूप से बताया है कि यह विधेयक या तो बड़ा हो सकता है या सुंदर, यह दोनों नहीं हो सकता।

भारत के खिलाफ हेडिंग्ले टेस्ट के लिए इंग्लैंड की टीम घोषित, बेन स्टोक्स करेंगे कप्तानी

लंदन। इंग्लैंड एंड वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) ने भारत के खिलाफ शुरू होने वाली रोथसे टेस्ट सीरीज़ के पहले मैच के लिए 14 सदस्यीय टीम की घोषणा कर दी है। यह मुकाबला 20 जून से लीड्स के हेडिंग्ले मैदान पर खेला जाएगा। टीम की कमान एक बार फिर कप्तान बेन स्टोक्स के हाथों में होगी। खास बात यह है कि सरे के ऑलराउंडर जेमी ओवरटन की टेस्ट टीम में वापसी हुई है। उन्होंने आखिरी बार जून 2022 में हेडिंग्ले में ही न्यूजीलैंड के खिलाफ अपना डेब्यू मैच खेला था। हालांकि हाल ही में वेस्टइंडीज के खिलाफ वनडे सीरीज़ के दौरान उनकी उंगली में चोट लगी थी और फिलहाल वे मेडिकल निगरानी में हैं ब्रायडन कार्स, जैकब बेटल और क्रिस वोक्स की भी टीम में वापसी हुई है। ये तीनों खिलाड़ी दिसंबर में न्यूजीलैंड दौरे पर टेस्ट टीम का हिस्सा थे। वहीं, तेज़ गेंदबाज़ गस एटकिंसन को ज़िम्बाब्वे के खिलाफ ट्रेंट ब्रिज टेस्ट के दौरान हैमस्ट्रिंग में चोट लगने के कारण चयन से बाहर कर दिया गया है।इंग्लैंड और भारत के बीच कुल पांच टेस्ट मैचों की सीरीज़ खेली जाएगी, जिसका अंतिम मुकाबला 4 अगस्त को लंदन के किआ ओवल में होगा।

इंग्लैंड की टेस्ट टीम: बेन स्टोक्स (कप्तान), शोएब बशीर, जैकब बेटल, हैरी ब्रूक, ब्रायडन कार्स, सैम कुक, ज़ैक क्रॉली, बेन डकेट, जेमी ओवरटन, ओली पोप, जो रूट, जेमी स्मिथ, जोश टंग और क्रिस वोक्स।

प्राइम वॉलीबॉल लीग को मिला नया सदस्य, गोवा गार्जियंस बना 10वां फ्रेंचाइज़ी

मुंबई। भारत की सबसे तेज़ी से बढ़ती खेल लीगों में शामिल प्राइम वॉलीबॉल लीग ने अपने विस्तार की घोषणा करते हुए गोवा गार्जियंस को 10वीं फ्रेंचाइज़ी के रूप में शामिल किया है। गोवा पर आधारित यह टीम लीग के चौथे सीज़न में पहली बार मैदान में उतरेगी, जिसकी शुरुआत 2 अक्टूबर 2025 से होगी। गोवा गार्जियंस टीम का मालिकाना हक़ राजू चेकुरी के पास है, जो नेतेनरिच कंपनी के चेयरमैन, प्रेसिडेंट और सीईओ हैं। खेलों के प्रति गहरी रुचि रखने वाले चेकुरी ने कहा, गोवा गार्जियंस के साथ प्राइम वॉलीबॉल लीग में शामिल होना सिर्फ एक टीम लॉन्च नहीं, बल्कि भारतीय वॉलीबॉल में एक दीर्घकालिक निवेश है। हमारा लक्ष्य है भारत के ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों की एथलेटिक प्रतिभा को निखारना और उन्हें वैश्विक मंच प्रदान करना।' उन्होंने कहा, 'मेरा सपना है कि भारत अगले दशक में ओलंपिक में वॉलीबॉल में प्रतिस्पर्धा करे। इसके लिए हमें एक लीग, एक सोच बनकर मिलकर काम करना होगा ताकि खिलाड़ियों को अंतरराष्ट्रीय स्तर का एक्सपोजर और प्रशिक्षण मिल सके। गोवा गार्जियंस इसी मिशन के लिए समर्पित है।'

पीयूष चावला ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से लिया संन्यास, दो बार रहे विश्व कप विजेता टीम का हिस्सा

नई दिल्ली। भारत के दो बार के विश्व कप विजेता लेग स्पिनर पीयूष चावला ने पेशेवर क्रिकेट के सभी प्रारूपों से संन्यास की घोषणा कर दी है। 36 वर्षीय चावला ने इंस्टाग्राम पोस्ट करके इस बारे में जानकारी दी। उन्होंने लिखा, 'मैदान पर दो दशक से अधिक समय बिताने के बाद इस खूबसूरत खेल को अलविदा कहने का समय आ गया है।' चावला में 2007 टी20 विश्व कप और 2011 वनडे विश्व कप जीत में भारतीय टीम का हिस्सा थे। चावला ने पेशेवर क्रिकेट में सभी प्रारूपों में 1000 से अधिक विकेट हासिल किए। 2012 में अपने अंतिम प्रदर्शन तक पांच वर्षों में भारत के लिए 3 टेस्ट, 25 वनडे और 7 टी20 मैच खेले जिसमें उन्होंने 43 विकेट लिए। चावला ने कहा, भारत का सर्वोच्च स्तर पर प्रतिनिधित्व करने से लेकर 2007 टी20 विश्व कप और 2011 वनडे विश्व कप जीतने वाली टीम का हिस्सा बनने तक, इस अविश्वसनीय यात्रा में हर पल किसी वरदान से कम नहीं रहा है। ये यादें हमेशा मेरे दिल में रहेंगी। आईपीएल फ्रेंचाइजी पंजाब किंग्स, कोलकाता नाइट राइडर्स, चेन्नई सुपर किंग्स और मुंबई इंडियंस को दिल से धन्यवाद जिन्होंने मुझ पर भरोसा किया।

जोफ्रा आर्चर वापसी की तैयारी में, भारत के खिलाफ खेलेंगे दूसरा टेस्ट

लंदन। इंग्लैंड के राष्ट्रीय चयनकर्ता ल्यूक राइट ने कहा कि पारंपरिक प्रारूप में चार साल पहले अपना पिछला मुकाबला खेलने वाले स्टार तेज गेंदबाज जोफ्रा आर्चर अगले महीने भारत के खिलाफ टीम के दूसरे टेस्ट मैच के लिए वापसी कर सकते हैं। 5 मैच की श्रृंखला का दूसरा टेस्ट 2 से 6 जुलाई तक एजबस्टन में होगा। 30 वर्षीय आर्चर ने कई बार चोटिल होने के कारण 2021 से प्रथम श्रेणी क्रिकेट नहीं खेला है और हेडिंग्ले में पहले टेस्ट के लिए टीम में उनके चयन के लिए भी विचार नहीं किया गया क्योंकि वह हाल ही में समाप्त हुई इंडियन प्रीमियर लीग के दौरान अंगूठे में हुए फ्रेक्चर से उबरने की कोशिश कर रहे हैं। राइट ने कहा कि जॉफ (आर्चर) काफी अच्छी तरह उबर रहे हैं। उनके लिए योजना यह है कि वह कुछ प्रथम श्रेणी मैच खेलें। ससेक्स की दूसरी टीम का हिस्सा बनें और फिर पहले टेस्ट के दौरान डरहम के खिलाफ ससेक्स के लिए खेलें। उन्होंने कहा कि अगर सब कुछ ठीक रहा तो वह ससेक्स के लिए खेलेगा ।

नॉर्वे शतरंज 2025 : कार्लसन अंतिम राउंड से पहले बढ़त पर, गुकेश ने किया दबाव तेज

एजेंसी

स्टावेंगर (नॉर्वे)। नॉर्वे शतरंज 2025 का नौवां राउंड रोमांच से भरपूर रहा, जहां शीर्ष खिलाड़ियों के निर्णायक मुकाबलों ने अंक तालिका को पूरी तरह हिला कर रख दिया है। दुनिया के नंबर 1 खिलाड़ी मैग्नस कार्लसन ने फबियानो करूआना के खिलाफ अहम जीत दर्ज की। शुरुआत से ही कार्लसन ने बढ़त बना ली थी और एंडगेम तक पहुंचते-पहुंचते करूआना की मजबूत डिफेंस को तोड़ते हुए मुकाबला अपने नाम कर लिया। वहीं, मौजूदा विश्व चैंपियन गुकेश और चीन के शीर्ष खिलाड़ी वे यी के बीच मुकाबला बेहद रोचक रहा। शुरुआती दौर में वे यी की एक बड़ी चूक का फायदा उठाते हुए गुकेश ने आक्रामक खेल दिखाया और जीत की ओर बढ़ते चले गए। एंडगेम में उन्होंने सटीकता के साथ जीत को सुनिश्चित किया। हिकारु नाकामुरा और अर्जुन एरिगैसी के बीच

क्लासिकल मुकाबला ड्रॉ रहा, लेकिन अर्मागेडन गेम में नाकामुरा ने जीत हासिल कर अतिरिक्त अंक बटोर लिए। अंतिम राउंड से पहले मैग्नस कार्लसन आधा अंक की बढ़त के साथ शीर्ष पर हैं, जबकि गुकेश डी नजदीकी पीछा कर रहे हैं। फाइनल राउंड अब बेहद रोमांचक होने की उम्मीद है।

नॉर्वे महिला शतरंजः कोनेरू हम्पी की बढ़त, पर खिताबी रेस अभी बाकी महिलाओं के टूर्नामेंट में भी नौवां राउंड बेहद उतार-चढ़ाव भरा रहा। सभी तीन मुकाबले निर्णायक रहे, जिससे अंतिम दिन के पहले अंक तालिका में बड़ा उलटफेर हुआ है। वैशाली रमेशबाबू और सारा खादेमअलशारिया के बीच मुकाबला बेहद जटिल रहा। सारा ने समय पर दबाव बनाए रखा और अपनी बढ़त को बरकरार रखते हुए मुकाबला जीत लिया। जू वेनजुन और अन्ना मुजिचुक की भिड़ंत में अन्ना ने शुरू में ही एक्सचेंज की कुर्बानी देकर खेल में पकड़ बनाई। जू की एक बड़ी रक्षात्मक गलती के चलते अन्ना ने आसानी से मुकाबला अपने नाम कर लिया। कोनेरू हम्पी और लेई तिंगजी के मुकाबले में हम्पी ने अच्छी शुरुआत की थी, लेकिन एक बड़ी गलती ने गेम का रुख पलट दिया। लेई ने मौके का फायदा उठाते हुए जीत दर्ज की। अब अंतिम राउंड से पहले अन्ना मुजिचुक दो अंकों की बढ़त के साथ टॉप पर हैं, लेकिन हम्पी कोनेरू सहित शीर्ष चार खिलाड़ियों के पास अब भी खिताब जीतने का मौका है।

इंडोनेशिया ओपन 2025: पी.वी. सिंधु प्री-क्वार्टर फाइनल में हारीं, ट्रीसा-गायत्री की जोड़ी भी बाहर

एजेंसी

जकाता। भारत की स्टार बैडमिंटन खिलाड़ी पी.वी. सिंधु का इंडोनेशिया ओपन 2025 में सफर प्री-क्वार्टर फाइनल में थाईलैंड की पोर्नपावी चोचुवोंग के हाथों हार के साथ समाप्त हो गया। सिंधु ने मैच की अच्छी शुरुआत की और पहले गेम में 10-16 से पिछड़ने के बावजूद वापसी करते हुए गेम 21-18 से अपने नाम किया। हालांकि, दूसरे गेम में चोचुवोंग ने आक्रामक खेल दिखाया और 10 अंकों की बढ़त बनाते हुए गेम 21-10 से जीत लिया। निर्णायक गेम में दोनों खिलाड़ी लंबे समय तक बराबरी पर रहीं, लेकिन आखिरी क्षणों में चोचुवोंग ने बढ़त बनाते हुए गेम 21-18 से जीतकर मैच अपने नाम किया।

ट्रीसा-गायत्री की जोड़ी भी हारीः महिला युगल मुकाबले में भारत की ट्रीसा जॉली और गायत्री गोपीचंद की जोड़ी जापान की युकी फुकुशिमा और मायु मात्सुमोतो के खिलाफ 13-21, 22-24 से हारकर टूर्नामेंट से बाहर हो गई।

पुरुष युगल में भारत की उम्मीदें बरकरार

भारत की चुनौती टूर्नामेंट में अभी बाकी है, क्योंकि पुरुष युगल वर्ग में सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की जोड़ी आज बाद में अपने मुकाबले में उतरेगी।

फ्रेंच ओपन सेमीफाइनल में बड़ा उलटफेरः सबालेंका ने गत चैंपियन स्वियातेक को किया बाहर

एजेंसी

पेरिस। फ्रेंच ओपन 2025 में महिला एकल वर्ग में बड़ा उलटफेर देखने को मिला। विश्व नंबर एक आर्यना सबालेंका ने चार बार की चैंपियन और गत विजेता इगा स्वियातेक को सेमीफाइनल में 6-7(1), 6-4, 6-0 से हराकर बाहर का रास्ता दिखा दिया। इस हार के साथ स्वियातेक की रोलां गैरो पर 26 मैचों की जीत की लय भी टूट गई। इगा स्वियातेक ओपन युग (1968 से) में पहली महिला खिलाड़ी बनने की कोशिश में थीं, जो पेरिस में लगातार चार खिताब जीततीं। हालांकि सबालेंका की ताकतवर खेल शैली के आगे वह टिक नहीं सकीं। उन्होंने मैच की शुरुआत से ही गलतियों की झड़ी लगा दी और पहले तीन गेम में ही सात अनफोर्स्ड एरर कर बैठीं। सेमीफाइनल में सबालेंका ने शुरुआत से ही आक्रामक रवैया अपनाया और पहले सेट में 3-0 की बढ़त बना ली। हालांकि स्वियातेक ने वापसी करते हुए पहला सेट टाईब्रेक में 7-6(1) से जीत लिया, लेकिन सबालेंका ने दूसरा सेट 6-4 से और निर्णायक सेट 6-0 से अपने नाम कर लिया। तीसरे सेट में सबालेंका पूरी तरह हावी रहीं और स्वियातेक

का खेल बिखरता चला गया। मैच के बाद सबालेंका ने कहा, यह जीत मेरे लिए खास है, लेकिन मैं जानती हूं कि काम अभी पूरा नहीं हुआ है। तीसरे सेट में मैं अपनी सर्विस खोज पाई और यह मेरे लिए परफेक्ट रहा। मैच के बाद इगा स्वियातेक ने कहा, 'यहां खेलना हमेशा से खास रहा है। हालांकि मैं इस बार चैंपियन नहीं बन सकी, लेकिन मैं यहां फिर लौटूंगी।' उन्होंने सबालेंका के खेल की तारीफ करते हुए कहा, 'पहले और तीसरे सेट में उनकी गति और ताकत के आगे मैं संघर्ष करती रही।' अब सबालेंका का सामना फाइनल में अमेरिका की कोको गॉफ से होगा, जिन्होंने फ्रांस की वाइल्डकार्ड एंट्री लोइस बॉइसन को आसानी से हराकर फाइनल में जगह बनाई है। फाइनल मुकाबला शनिवार को खेला जाएगा, जिसमें सबालेंका पहली बार फ्रेंच ओपन खिताब जीतने की कोशिश करेंगी।

रॉब वॉल्टर बने न्यूजीलैंड पुरुष क्रिकेट टीम के नए हेड कोच

एजेंसी

वेलिंगटन। दक्षिण अफ्रीका के पूर्व व्हाइट-बॉल कोच रॉब वॉल्टर को न्यूजीलैंड पुरुष क्रिकेट टीम का नया हेड कोच नियुक्त किया गया है। वॉल्टर अगले तीन वर्षों तक टीम की कमान सभी फॉर्मेट्स–टेस्ट, वनडे और टी20–में संभालेंगे। 49 वर्षीय वॉल्टर दक्षिण अफ्रीका की कोचिंग से हाल ही में अलग हुए थे, जबकि उनके अनुबंध की मियाद अभी दो साल और बची थी। उनके नेतृत्व में दक्षिण अफ्रीका ने 2023 वनडे वर्ल्ड कप और 2025 चैंपियंस ट्रॉफी के सेमीफाइनल तक का सफर तय किया, वहीं 2024 टी20 वर्ल्ड कप में टीम फाइनल तक पहुंची थी।

गौर करने वाली बात यह है कि वॉल्टर की फैमिली पहले से ही न्यूजीलैंड में रहती है और उन्होंने हॉक्स बे में अपना ठिकाना बनाया हुआ है। न्यूजीलैंड की घरेलू टीमों ओटागो वोल्ट्स और सेंट्रल स्टैग्स के साथ कोचिंग अनुभव भी उनके खाते में है। वॉल्टर ने 2022-23 सीज़न में सेंट्रल स्टैग्स को फोर्ड ट्रॉफी और प्लंकेट शील्ड जीत दिलाई थी। इसके अलावा वह 2022 में भारत दौरे पर गई न्यूजीलैंड ए टीम के कोच भी रह चुके हैं और आईपीएल में असिस्टेंट कोच की भूमिका भी निभा चुके हैं। वॉल्टर न्यूजीलैंड के मौजूदा कोच गैरी स्टीड की जगह लेंगे। हालांकि, शुरुआत में न्यूजीलैंड क्रिकेट (एनजेडसी) ने अलग-अलग फॉर्मेट्स के लिए अलग कोच नियुक्त करने का विचार किया था, लेकिन बाद में उन्होंने एक ही व्यक्ति को तीनों फॉर्मेट की जिम्मेदारी सौंपने का निर्णय लिया। उनका कार्यकाल अगले वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप साइकिल, 2027 वनडे वर्ल्ड कप, 2026 और 2028 टी20 वर्ल्ड कप, और 2028 लॉस एंजेलिस ओलंपिक तक चलेगा।नियुक्ति के बाद वॉल्टर ने कहा, ब्लैककैप्स लंबे समय से एक सफल और विश्वसनीय टीम रही है, और इस टीम के साथ काम करने का मौका मिलना मेरे लिए सम्मान की बात है। यह एक बेहद रोमांचक अवसर है, जहां कई बड़े टूर्नामेंट और

द्विपक्षीय सीरीज सामने हैं। मैं इस सफर को शुरू करने के लिए उत्साहित हूं। न्यूजीलैंड क्रिकेट के सीईओ स्कॉट वीनिंक ने वॉल्टर की नियुक्ति पर कहा, रॉब एक विश्वस्तरीय कोच हैं जिनका रिकॉर्ड शानदार रहा है। न्यूजीलैंड के घरेलू क्रिकेट में उनकी सफलता और हाल ही में दक्षिण अफ्रीका के साथ उनकी उपलब्धियां उन्हें ब्लैककैप्स के लिए आदर्श कोच बनाती हैं।

शुभमन गिल की टेस्ट कप्तानी की शुरुआतः 'स्पष्टता और आत्मविश्वास' को बनाना चाहते हैं टीम की पहचान

एजेंसी

मुंबई। भारत के नए टेस्ट कप्तान शुभमन गिल ने अपने पहले प्रेस कॉन्फ्रेंस में अपने नेतृत्व के दृष्टिकोण को लेकर पूरी स्पष्टता और आत्मविश्वास दिखाया। 25 वर्षीय गिल इंग्लैंड के खिलाफ पांच मैचों की टेस्ट सीरीज़ से अपनी कप्तानी की शुरुआत करने जा रहे हैं और उनका लक्ष्य है – टीम के भीतर विश्वास और पारदर्शिता की संस्कृति को विकसित करना। मुंबई में मीडिया से बात करते हुए गिल ने कहा, 'मेरे पास कोई खास कप्तानी का स्टाइल नहीं है। जितना ज़्यादा खेलते हो, उतना ज़्यादा अनुभव आता है और आपकी अपनी शैली खुद सामने आती है। मेरे लिए सबसे जरूरी चीज़ है खिलाड़ियों से संवाद, उन्हें उनकी ताकत और कमजोरी को लेकर सहज महसूस कराना। अगर खिलाड़ी सुरक्षित महसूस करते हैं, तभी वे

अपना 100फीसदी दे पाते हैं। गिल ने रोहित शर्मा की नेतृत्व शैली की तारीफ करते हुए कहा, 'रोहित भाई की सबसे बड़ी खूबी थी उनकी साफ़-साफ़ बात करने की शैली। वे जानते थे कि खिलाड़ियों से क्या चाहिए और उसे साफ़ तरीके से बताते थे। मैं भी वही अपनाना चाहूंगा।' भारत को हाल में न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टेस्ट सीरीज़ में हार झेलनी पड़ी, जिससे टीम वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल की दौड़ से बाहर हो गई थी। ऐसे में गिल को बड़ी चुनौती के साथ कप्तानी सौंपी गई है। इस पर गिल ने कहा, हर दौरे में दबाव होता है। हमारे पास अच्छा कॉम्बिनेशन है – अनुभव और टैलेंट का। नए सिरे से शुरुआत करने का मौका है और हम इसके लिए तैयार हैं। गिल भारत के पांचवें सबसे युवा टेस्ट कप्तान हैं और 1988 में एक टेस्ट के लिए कप्तान बने रवि शास्त्री के बाद सबसे कम उम्र के टेस्ट लीडर हैं। गिल ने बताया कि टीम का बल्लेबाजी क्रम अभी तय नहीं हुआ है। उन्होंने कहा,'हम 10 दिनों का कैंप करेंगे और 13 से 16 जून के बीच एक इंट्रा-स्क्वॉड मैच भी होगा। उसी के बाद हम तय करेंगे कि कौन किस क्रम पर खेलेगा।' गौरतलब है कि भारत की 18 सदस्यीय टीम में पहली बार शामिल हुए हैं बी. साई सुधर्शन, जबकि 8 साल बाद टेस्ट टीम में लौटे हैं करुण नायर। अभिमन्यु ईश्वरन को भी बरकरार रखा गया है। ऑलराउंडर विकल्पों में नितीश रेड्डी, वॉशिंगटन सुंदर, शार्दुल ठाकुर और रवींद्र जडेजा शामिल हैं।

एसएलआई को लेकर उत्साहित अंजुम मौदगिल, बोलीं- युवाओं के लिए उपयोगी साबित होगी प्रतियोगिता

एजेंसी

नई दिल्ली। अर्जुन पुरस्कार से सम्मानित भारतीय निशानेबाज अंजुम मौदगिल ने शूटिंग लीग ऑफ इंडिया (एसएलआई) की शुरुआत को लेकर खुशी जाहिर की है। उन्होंने कहा है कि यह पहली बार हो रहा है कि निशानेबाजी के लिए कोई लीग आयोजित की जा रही है और मैं इसे लेकर बहुत उत्साहित हूं। मैं पिछले 17 वर्षों से इस खेल से जुड़ी हूं और मैंने इसे लगातार आगे बढ़ते देखा है। अब जब इसकी एक प्रतियोगिता होने जा रही है, तो यह खेल को और मजबूती देगी और लोग इसके बारीक पहलुओं को भी समझ पाएंगे। देश में निशानेबाजी को बढ़ावा देने के लिए नेशनल राइफल एसोसिएशन ऑफ इंडिया (एनआरएआई) ने पिछले महीने शूटिंग लीग ऑफ इंडिया (एसएलआई) के उद्घाटन संस्करण की घोषणा की थी। यह लीग इस वर्ष 20 नवंबर से 2 दिसंबर के बीच खेली जाएगा। लीग में देश एवं विदेश के प्रमुख निशानेबाज भाग लेंगे। भारतीय निशानेबाज अंजुम मौदगिल ने एनआरएआई की ओर से जारी बयान में कहा कि यह प्रतियोगिता भारतीय खिलाड़ियों को वैश्विक स्तर की तैयारियों के लिए उपयोगी साबित होगी। उन्होंने कहा कि हम वरिष्ठ खिलाड़ियों ने वर्षों से एक तय ढांचे में खेला है, लेकिन जो नई पीढ़ी आ रही है, वह बहुत आत्मविश्वासी है और ज्यादा से ज्यादा अनुभव लेना चाहती है। ऐसे में इस तरह की प्रतियोगिताएं उनके लिए बहुत सहायक होंगी।

मध्य प्रदेश लीग सीजन-2 का भव्य उद्घाटन, ज्योतिरादित्य सिंधिया बोले- एमपीएल बना खिलाड़ियों का लॉन्चपैड

एजेंसी

ग्वालियर। केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने ग्वालियर के श्रीमंत माधवराव सिंधिया क्रिकेट स्टेडियम में बहुप्रतीक्षित मध्य प्रदेश लीग (एमपीएल) सीजन-2 का उद्घाटन किया। इस अवसर पर उन्होंने खिलाड़ियों, आयोजकों और खेल प्रेमियों को संबोधित करते हुए क्रिकेट के सामाजिक और सांस्कृतिक प्रभाव को रेखांकित किया। सिंधिया ने कहा, क्रिकेट आज केवल एक खेल नहीं, बल्कि देशवासियों की भावनाओं का प्रतीक बन चुका है। यह खेल लोगों को जोड़ता है, और एमपीएल जैसे आयोजन युवाओं के लिए अवसरों के द्वार खोलते हैं। उन्होंने अपने बचपन की यादें साझा करते हुए बताया कि उन्हें अपने पिता, स्वर्गीय माधवराव सिंधिया जी के साथ दुनिया के दिग्गज क्रिकेटरों से मिलने का सौभाग्य मिला था। केंद्रीय मंत्री ने

हाल ही में आईपीएल 2025 की विजेता बनी रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर टीम की विशेष प्रशंसा की। उन्होंने कहा, यह पूरे मध्य प्रदेश के लिए गर्व की बात है कि आरसीबी की कप्तानी हमारे राज्य के रजत पाटीदार ने की और टीम को पहली बार चैंपियन बनाया। रजत ने न केवल शानदार खेल दिखाया बल्कि नेतृत्व के अद्भुत गुण भी प्रस्तुत किए। एमपीएल के इस सीजन में महिला टीमों को भी शामिल किया गया है, जिसे लेकर सिंधिया ने कहा, महिला खिलाड़ियों की भागीदारी ने इस आयोजन को सशक्तिकरण की दिशा में एक मजबूत पहल बना दिया है। मैं आश्वस्त हूं कि पुरुषों की पांच टीमों के साथ महिला खिलाड़ियों की तीन टीमें भी इस बार उत्कृष्ट प्रदर्शन कर एक नया इतिहास रचेंगी। सिंधिया ने एमपीएल को एक लॉन्चपैड करार देते हुए कहा कि एमपीएल वह मंच है जहां आईपीएल सहित अन्य राष्ट्रीय टूर्नामेंट्स के चयनकर्ता खिलाड़ियों को देखने आते हैं। पिछले साल इसी लीग से 11 खिलाड़ियों का चयन आईपीएल के लिए हुआ था। यह मध्य प्रदेश के खेल विकास की दिशा में मील का पत्थर है। उन्होंने यह भी बताया कि मध्य प्रदेश देश का पहला राज्य है जिसने इस तरह की पेशेवर राज्य स्तरीय क्रिकेट लीग की शुरुआत की है।

'विराट कोहली ने सिर्फ 18 साल इंतजार किया, तेंदुलकर का इंतजार और भी लंबा था' : सहवाग

नई दिल्ली। विराट कोहली का IPL ट्रॉफी के लिए लंबा इंतजार मंगलवार रात को खत्म हुआ जब रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने पंजाब किंग्स को 6 रनों से हराकर खिताब अपने नाम किया। RCB के स्टार खिलाड़ी 2008 में लीग की शुरुआत से सिर्फ RCB जुड़े हैं और खिताब का सूखा खत्म करने में उन्हें 18 साल लग गए। लेकिन भारत के पूर्व सलामी बल्लेबाज वीरेंद्र सहवाग का मानना है कि तेंदुलकर का विश्व कप ट्रॉफी जीतने का इंतजार और भी लम्बा था और फिर भी उन्होंने कभी उम्मीद नहीं खोई। सहवाग ने एक क्रिकेट वेबसाइट से कहा, 'उन्होंने (कोहली ने) ट्रॉफी जीतने के लिए केवल 18 साल इंतजार किया। सचिन तेंदुलकर ने 1989 से 2011 तक इंतजार किया। इसलिए, कोहली को कम इंतजार करना पड़ा और फिर भी सचिन ने कभी उम्मीद नहीं खोई।

शूटिंग लीग ऑफ इंडिया को लेकर भारतीय निशानेबाजों में उत्साह, एनआरएआई ने किया लोगो का अनावरण

एजेंसी

नई दिल्ली। डॉ. कर्णी सिंह शूटिंग रेंज, नई दिल्ली में गुरुवार दोपहर नेशनल राइफल एसोसिएशन ऑफ इंडिया (एनआरएआई) ने बहुप्रतीक्षित शूटिंग लीग ऑफ इंडिया (एसएलआई) का लोगो औपचारिक रूप से लॉन्च किया। इस मौके पर म्यूनिख में 8 से 15 जून तक होने वाले आईएसएसएफ वर्ल्ड कप 2025 की तैयारी में जुटे कई भारतीय निशानेबाज भी मौजूद रहे और लीग के पहले संस्करण को लेकर अपनी खुशी जाहिर की।

टॉप शूटर्स हुए शामिल

पेरिस ओलंपिक पदक विजेता स्वप्निल कुसाले और सरबजोत सिंह के साथ देश के कई नामी निशानेबाज जैसे अर्जुन बाबूटा, संदीप सिंह, एलावेनिल वलारिवन, रमिता, सिफ्ट कौर समरा, अंजुम मौदगिल, वरुण तोमर, अर्जुन सिंह चीमा, चैन सिंह, किरण अंकुश जाधव, आशी चौकसे, श्रियांका सदांगी, सरुचि, पलक, सिमरनप्रीत कौर बरार, अखिल श्योराण, सैन्यम, निश्चल और राही जीवन सरनोबत ने कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई।

लोगो से मिला मनोबल, सिफ्ट समरा ने कही दिल की बात

50 मीटर राइफल थ्री पोजिशन की विश्व रिकॉर्डधारी सिफ्ट कौर समरा ने कहा, हम एनआरएआई के आभारी हैं कि उन्होंने हमें इस शुभ अवसर का हिस्सा बनने का मौका दिया। भारत में शूटिंग के प्रति बढ़ती जागरूकता और इस तरह की लीग का आयोजन, खिलाड़ियों के मनोबल को बढ़ावा देता है, खासकर वर्ल्ड कप जैसे बड़े टूर्नामेंट से पहले।

2022 एशियाड मेडलिस्ट आशी चौकसे ने नए लोगो की सराहना करते हुए कहा, ÷इस लोगो में जिस प्रकार से बोल्ड रंगों का इस्तेमाल किया गया है, वह भारतीय खिलाड़ियों की ताकत और आत्मविश्वास को दर्शाता है। यह सिर्फ एक चिह्न नहीं बल्कि एक संदेश है, जिसे हमें खिलाड़ियों के तौर पर निभाना है। अनुभवी राइफल शूटर श्रियांका सदांगी ने कहा, यह लोगो वही संदेश देता है जो एनआरएआई इस लीग के माध्यम से दुनिया तक पहुंचाना चाहता है। पेरिस ओलंपिक में भारत की सफलता के बाद शूटिंग में रुचि बढ़ी है और यह लीग उस रूचि को नई ऊंचाई पर ले जा सकती है। शूटिंग लीग ऑफ इंडिया का पहला सीजन 20 नवंबर से 2 दिसंबर 2025 के बीच आयोजित होगा। इसमें मिक्स्ड टीम इवेंट्स-पिस्टल (10 मीटर, 25 मीटर), राइफल (10 मीटर, 50 मीटर थ्री पोजिशन), शॉटगन (ट्रैप और स्कीट), इवेंट्स होंगे।

गुवाहाटी में ओलंपिक मेडलिस्ट लवलीना बोरगोहेन के बॉक्सिंग अकादमी का उद्घाटन

एजेंसी

गुवाहाटी। असम के मुख्यमंत्री डॉ हिमंता बिस्वा सरमा और ओलंपिक कांस्य पदक विजेता लवलीना बोरगोहेन ने उत्तर गुवाहाटी के बारचंद्रा में लोवलीना बोर्गोहेन बॉक्सिंग अकादमी का भव्य उद्घाटन किया। यह ऐतिहासिक पहल न केवल पूर्वोत्तर भारत में खेलों को बढ़ावा देने की दिशा में एक बड़ा कदम है, बल्कि युवाओं को सशक्त बनाने और उन्हें विश्व स्तरीय मुक्केबाज बनाने का सपना भी साकार कर रही है। यह बॉक्सिंग अकादमी गुवाहाटी की अपनी तरह की पहली पहल है, जो युवाओं को बेहतरीन प्रशिक्षण सुविधाएं, अत्याधुनिक 26म26 साइज की बॉक्सिंग रिंग और पूरी तरह सुसज्जित जिम प्रदान करती है। यह अकादमी न केवल प्रशिक्षुओं को बुनियादी ढांचे से सशक्त करेगी, बल्कि उन्हें राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रतिस्पर्धा करने के लिए तैयार भी करेगी। इस अवसर पर मुख्यमंत्री डॉ हिमंता बिस्वा सरमा ने लवलीना की सराहना करते हुए कहा, लवलीना ने ओलंपिक में पदक जीतकर असम और भारत को गौरवान्वित किया है। अब वह एक प्रेरणा बनकर उभरी हैं और इस अकादमी के माध्यम से उन्होंने असम के युवाओं के लिए सुनहरा मंच तैयार किया है। राज्य सरकार अकादमी को 2 करोड़ रुपये की सहायता राशि देगी और हॉस्टल निर्माण के लिए भूमि अधिग्रहण

तथा अन्य खर्चों में भी सहयोग करेगी। लवलीना ने अकादमी की शुरुआत की यात्रा को याद करते हुए बताया, 2024 ओलंपिक के बाद मुझे कुछ समय मिला और 2021 में खरीदी गई जमीन पर मैंने अपने सीमित संसाधनों से एक बुनियादी अकादमी बनाने का फैसला किया। इसमें एक अच्छी बॉक्सिंग रिंग, कुछ पंचिंग बैग और एक जिम की व्यवस्था की गई है जो विद्यार्थियों के साथ-साथ आम नागरिकों के लिए भी उपलब्ध है। अपने विजन को साझा करते हुए उन्होंने कहा, मेरा सपना है कि 2028 तक हम ऐसे मुक्केबाज तैयार करें जो राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत का प्रतिनिधित्व कर सकें। मैं युवाओं को एक ऐसा मंच देना चाहती हूं, जहाँ वे अपने सपनों को साकार कर सकें। सभी वर्गों के खिलाड़ियों को प्रशिक्षण मिल सके, इसके लिए अकादमी में न्यूनतम शुल्क ?500 प्रतिमाह रखा गया है। इसमें तीन आयु वर्ग बनाए गए हैं- 8 से 12 वर्ष, 13 से 18 वर्ष और 18 वर्ष से अधिक आयु वाले खिलाड़ी। यह पहल न सिर्फ असम बल्कि पूरे देश के लिए प्रेरणादायक है और निश्चित रूप से भारत के खेल भविष्य को नई ऊंचाइयों पर ले जाने में सहायक सिद्ध होगी।

ट्रंप-मस्क टकराव खुलकर आया सामने, ट्रंप बोले - 'मैं एलन से बेहद निराश हूं'

वाशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और टेस्ला प्रमुख एलन मस्क के बीच गहराता विवाद अब सार्वजनिक मंचों पर सामने आ गया है। कभी घनिष्ठ माने जाने वाले ये दोनों दिग्गज अब एक-दूसरे की नीतियों और बयानों पर तीखी प्रतिक्रिया दे रहे हैं। ट्रंप द्वारा प्रस्तावित टैक्स और खर्च से जुड़ा वन बिग ब्यूटीफुल बिल इस तकरार का मुख्य कारण बन गया है, जिसे मस्क ने खुले तौर पर निरस्त करने की मांग की है। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, मैं माफी चाहता हूं, लेकिन अब सहन नहीं कर सकता... यह खर्च भरा, भ्रष्ट और घिनौना विधेयक शर्मनाक है। जिन्होंने भी इसके पक्ष में वोट किया, उन्हें खुद पर शर्म आनी चाहिए। इस बयान के जवाब में ट्रंप ने मस्क पर तीखा हमला करते हुए कहा, मैं एलन से बेहद निराश हूं। एलन इस बिल के अंदरूनी पहलुओं को उन लोगों से बेहतर जानता था जो यहां बैठे हैं। उसे बिल की हर बात पता थी लेकिन अचानक जब उसे पता चला कि हमें इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) अनिवार्यता में कटौती करनी पड़ेगी जो अरबों डॉलर का नुकसान है, तब उसे परेशानी हुई। ट्रंप ने यह भी जोड़ा कि मस्क को तब तक कोई आपत्ति नहीं थी जब तक वह डिपार्टमेंट ऑफ ग्रीन एजेंडा (डीओजीई) से नहीं निकले थे। उन्होंने कहा कि मस्क ने पहले मेरे बारे में बहुत अच्छी बातें कही थीं। उसने अब तक मेरे खिलाफ कुछ बुरा नहीं कहा है, लेकिन शायद अगली बारी मेरी है।

डोनाल्ड ट्रंप को शी जिनपिंग ने दिया चीन आने का आमंत्रण, व्यापार वार्ता पर हुई सौहार्दपूर्ण चर्चा

वाशिंगटन/बीजिंग। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बताया कि उन्हें और उनकी पत्नी मेलानिया ट्रंप को चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने चीन दौरे का औपचारिक निमंत्रण दिया है। ट्रंप ने इस निमंत्रण को स्वीकार करते हुए इसे दोनों देशों के लिए एक सकारात्मक संकेत बताया है। ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'ट्रूथ सोशल' पर एक पोस्ट में जानकारी दी कि उनकी और शी जिनपिंग के बीच हाल ही में लगभग डेढ़ घंटे लंबी फोन वार्ता हुई, जो बेहद अच्छी और रचनात्मक रही। बातचीत का मुख्य केंद्र बिंदु दोनों देशों के बीच हुआ नया व्यापार समझौता रहा। उन्होंने लिखा, 'यह बातचीत दोनों देशों के लिए बहुत सकारात्मक निष्कर्ष लेकर आई। दुर्लभ खनिज उत्पादों से जुड़ी जटिलताओं को लेकर अब कोई भ्रम नहीं रहना चाहिए। दोनों देशों की टीमें शीघ्र ही एक निर्धारित स्थान पर बैठक करेंगी।' ट्रंप ने बताया कि बातचीत के दौरान राष्ट्रपति शी ने उन्हें और प्रथम महिला को चीन आने का सौहार्दपूर्ण निमंत्रण दिया, जिसे उन्होंने सहर्ष स्वीकार कर लिया। उन्होंने कहा कि दो महान राष्ट्रों के राष्ट्रपतियों के रूप में, यह मुलाकात हम दोनों के लिए गर्व और उत्साह की बात है। इस दौरान ट्रंप ने यह भी स्पष्ट किया कि बातचीत में रूस-यूक्रेन युद्ध या ईरान से जुड़े किसी विषय पर चर्चा नहीं हुई।

जनरल एलेक्सस ग्रिन्केविच होंगे नए सुप्रीम एलाइड कमांडर यूरोप, ट्रंप प्रशासन ने की घोषणा

वाशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के प्रशासन ने यूएस एयरफोर्स लेफ्टिनेंट जनरल एलेक्सस ग्रिन्केविच को यूरोप में अमेरिका के शीर्ष सैन्य अधिकारी और नाटो के सुप्रीम एलाइड कमांडर यूरोप (एसएसीईयूआर) के रूप में नामित करने की घोषणा की है। यह फैसला यूरोप में अमेरिका की सैन्य नेतृत्वकारी भूमिका को लेकर उठे हालिया सवालों के बीच आया है। एलेक्सस ग्रिन्केविच वर्तमान में यूएस जॉइंट स्टाफ में ऑपरेशंस निदेशक के रूप में कार्यरत हैं और वे जल्द ही जनरल क्रिस्टोफर कैवोली का स्थान लेंगे, जिन्होंने 2022 में रूस द्वारा यूक्रेन पर आक्रमण के तुरंत बाद यह जिम्मेदारी संभाली थी। कैवोली ने अपने कार्यकाल में यूक्रेन को अमेरिकी सुरक्षा सहायता प्रदान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इस घोषणा को यूरोपीय नाटो सहयोगियों और ट्रंप की रिपब्लिकन पार्टी के कुछ वरिष्ठ नेताओं द्वारा सकारात्मक संकेत के रूप में देखा जा रहा है। यह कदम अमेरिका के नाटो में सैन्य नेतृत्व को बनाए रखने की प्रतिबद्धता को दर्शाता है, खासकर ऐसे समय में जब यूरोप और रूस के बीच तनाव चरम पर है।

ट्रंप का नया ट्रैवल बैनः 12 देशों के नागरिकों के अमेरिका आने पर रोक, सोमवार से होगा लागू

वाशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा लागू किए गए नए ट्रैवल बैन को लेकर दुनिया भर में हलचल मच गई है। सोमवार आधी रात से प्रभावी होने वाले इस आदेश के तहत 12 देशों के नागरिकों के अमेरिका में प्रवेश पर पूर्ण प्रतिबंध रहेगा, जबकि 7 अन्य देशों के लिए कड़े प्रतिबंध लगाए जाएंगे। यह फैसला ट्रंप द्वारा 20 जनवरी को जारी कार्यकारी आदेश के तहत लिया गया, जिसमें यह निर्धारित करने के लिए कहा गया था कि किन देशों से आने वाले लोग अमेरिका की राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरा हो सकते हैं। इसी रिपोर्ट के आधार पर अब यह बैन लागू किया गया है।अमेरिका की ओर घोषित सूची में 12 देश ऐसे हैं जिनके नागरिकों का अमेरिका में प्रवेश पूर्णतः प्रतिबंधित हैं। इनमें अफगानिस्तान, म्यांमार, चाड, कांगो गणराज्य, इक्वेटोरियल गिनी, इरीट्रिया, हैती, ईरान, लीबिया, सोमालिया, सूडान और यमन शामिल हैं। वहीं जिन 7 देशों पर कड़े प्रतिबंध लगे हैं, उनमें बुरुंडी, क्यूबा, लाओस, सिएरा लियोन, टोगो, तुर्कमेनिस्तान और वेनेजुएला हैं। राष्ट्रपति ट्रंप ने कोलोराडो के बोल्डर शहर में हुए आतंकी हमले के संदर्भ में कहा कि यह हमला बताता है कि कुछ देशों से आने वाले लोग, विशेषकर जो वीजा की अवधि समाप्त होने के बाद भी रुकते हैं, अमेरिका के लिए खतरा हैं। हालांकि हमले का आरोपित मिस्र का नागरिक था, जो इस बैन सूची में शामिल नहीं है।

ट्रंप टैरिफ इस साल की दूसरी छमाही में मंदी का कारण बनेंगे : एलन मस्क

एजेंसी

वॉशिंगटन । 'टेस्ला' और 'स्पेसएक्स' के सीईओ एलन मस्क ने कहा कि डोनाल्ड ट्रंप के नए व्यापार टैरिफ इस साल की दूसरी छमाही तक मंदी को बढ़ावा दे सकते हैं। यह बयान ऐसे समय में आया है, जब दुनिया के सबसे अमीर आदमी और अमेरिकी राष्ट्रपति के बीच सार्वजनिक विवाद गहरा गया है। मस्क ने अपने 'एक्स' प्लेटफॉर्म पर पोस्ट किया, 'ट्रंप टैरिफ इस साल की दूसरी छमाही में मंदी का कारण बनेगा। अगर अमेरिका की अर्थव्यवस्था लड़खड़ाती है, तो बाकी कुछ भी मायने नहीं रखता।'

ट्रंप और मस्क के बीच टकराव ने वित्तीय बाजारों में हलचल मचा दी है। गुरुवार (अमेरिकी समय) को टेस्ला के शेयर में 14 प्रतिशत से अधिक की गिरावट दर्ज की गई, जिससे मार्केट वैल्यू में लगभग 150

बिलियन डॉलर की गिरावट आई है। ट्रंप ने यह भी कहा कि सरकार के लिए पैसे बचाने का 'सबसे आसान तरीका' अरबपति और पूर्व सलाहकार मस्क को दिए जाने वाले कॉन्ट्रैक्ट्स और सब्सिडी को 'टर्मिनेट' करना होगा। इसके जवाब में मस्क ने कहा, 'मेरे सरकारी अनुबंधों को रद्द करने के बारे में राष्ट्रपति के बयान के मद्देनजर, स्पेसएक्स अपने 'ड्रैगन स्पेसक्राफ्ट' को तुरंत बंद करना शुरू कर देगा।' ट्रंप की यह धमकी तब आई, जब मस्क ने अमेरिकी राष्ट्रपति पर 'कृतघ्नता' का आरोप लगाया। मस्क ने कहा कि उनके बिना ट्रंप चुनाव हार जाते, उन्होंने पिछले साल ट्रंप को चुनाव में मदद करने के लिए 250 मिलियन डॉलर से अधिक डोनेट किए थे। मस्क ने पोस्ट किया, 'कुछ बातें ध्यान देने लायक हैं: ट्रंप के पास राष्ट्रपति के रूप में साढ़े तीन साल बचे हैं, लेकिन मैं 40 से ज्यादा साल तक रहूंगा।' जब मस्क ने राष्ट्रपति के टैक्स कट और खर्च योजनाओं के हस्ताक्षर बिल की आलोचना की, तो इस पर ट्रंप ने कहा कि वह मस्क से बहुत निराश हैं। इसके जवाब में मस्क ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर लिखा, 'जो भी हो।'

कोट डी आइवर में हैजा से सात लोगों की मौत

एजेंसी

अबिदजान। कोट डी आइवर की राजधानी अबिदजान के दक्षिणी उपनगर में संक्रामक बीमारी हैजा से सात लोगों की मौत हो गयी है। स्वास्थ्य मंत्रालय ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि हैजा के प्रकोप से 45 लोग संक्रमित हो गए जिससे सात लोगों की मौत हो गई। राष्ट्रीय सार्वजनिक स्वच्छता संस्थान के महानिदेशक प्रोफेसर कौआडियो डैनियल एकरा ने कहा कि तटीय गांव ब्रीडी अकोब्राक्रे में फैला प्रकोप अब नियंत्रण में है क्योंकि हमारी स्वास्थ्य टीमों ने लगातार चार दिनों तक कोई नया मामला नहीं देखा है। उन्होंने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि सभी मौतें प्रकोप के पहले दो दिनों में हुई जिनमें से पांच की पहली रिपोर्ट 25 मई को आई। उन्होंने कहा कि प्रकोप को रोकने के लिए कोट डी आइवर के स्वास्थ्य मंत्रालय ने निशुल्क चिकित्सा उपचार प्रदान करने, प्रभावित आबादी को पीने योग्य पानी वितरित करने और स्थानीय निवासियों को स्वच्छता किट वितरित करने सहित तत्काल उपाय अपनाए हैं।

एलन मस्क के लिए ट्रंप ने बंद किए व्हाइट हाउस के दरवाजे

एजेंसी

वाशिंगटन। ऐसा लग रहा है कि दुनिया के सबसे अमीर व्यक्ति एलन मस्क के लिए अमेरिका के राष्ट्रपति के आधिकारिक आवास व्हाइट हाउस के दरवाजे अब हमेशा के लिए बंद हो गए। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और उनके पूर्व सहयोगी एलन मस्क के बीच बढ़ी तल्खी अब कठोरतम लांछन की शिला बनकर एक-दूसरे के संबंधों को लहूलुहान कर रही है। द न्यूयॉर्क टाइम्स की खबर के अनुसार, पिछले 24 घंटों में दोनों सार्वजनिक धमकियों से आहत दिखे। दोनों को अपमान के घूंट पीने पड़े। अब यह साफ है कि ट्रंप और मस्क का गठबंधन टूट गया। दोनों ने अपने-अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर एक-दूसरे के खिलाफ जमकर जहर उगला। ट्रंप ने मस्क के सरकारी अनुबंधों में कटौती करने की धमकी दी। मस्क ने यहां तक कह दिया कि उनके बिना ट्रंप नवंबर में जीत नहीं पाते। ट्रंप और मस्क दोनों धनवान हैं। राष्ट्रपति चुनाव में दोनों ने एक साझेदारी बनाई और देश को एक

नई दिशा में ले जाने की कसम खाई। डोनाल्ड ट्रंप के पास राजनीतिक शक्ति थी। एलन मस्क के पास पैसे और सोशल मीडिया की ताकत थी। यह गठबंधन सार्वजनिक रूप से टूट गया। दोनों ने एक-दूसरे पर तुच्छ हमले किए। यह विवाद राष्ट्रपति के हस्ताक्षरित घरेलू नीति विधेयक को लेकर कुछ दिन पहले शुरू हुआ। यह विवाद सारी सीमाएं लांघकर इस बात शुरू हो गया कि ट्रंप की चुनावी जीत के लिए कौन अधिक श्रेय का हकदार है। बात यहां तक पहुंच गई कि ट्रंप ने मस्क की कंपनियों के साथ संघीय सरकार के अरबों डॉलर के अनुबंधों को समाप्त करने की धमकी दी। इसके बाद मस्क ने हमलों की झड़ी लगा दी।मस्क ने कहा कि शायद अब एक नई राजनीतिक पार्टी बनाने का समय आ गया है। मस्क ने दावा किया कि दिवंगत फाइनेंसर और यौन अपराधी जेफरी एपस्टीन के बारे में सरकारी दस्तावेजों में ट्रंप का उल्लेख है। सार्वजनिक तौर पर यह टकराव इतना घिनौना हो गया कि इसमें लेखिका एशले सेंट क्लेयर कूद पड़ीं। क्लेयर को मस्क से एक बच्चा है। वह उनसे अलग हो चुकी हैं। उन्होंने एक्स पर लिखा कि अगर आपको (ट्रंप) ब्रेकअप के बारे में कोई सलाह चाहिए तो मुझे बताएं।

बांग्लादेश में ट्रेन और वाहनों की टक्कर में तीन की मौत

एजेंसी

ढाका। बांग्लादेश में कल रात एक रेलगाड़ी और कुछ वाहनों की टक्कर में कम से कम तीन व्यक्तियों की मौत हो गई। इस वजह से काफी समय तक रेल और सड़क यातायात बाधित रहा। रात साढ़े बजे यह हादसा कर्णफुली नदी पर कलुरघाट पुल पर हुआ।

ढाका ट्रिब्यून अखबार के अनुसार, चटगांव के कलुरघाट पुल पर ढाका जाने वाली एक ट्रेन और सीएनजी से चलने वाले ऑटो रिक्शा के बीच टक्कर हो गई। इसमें कम से कम तीन लोगों की मौत हो गई और पांच अन्य घायल हो गए। मृतकों में से एक की पहचान दुर्घटना में शामिल ऑटो-रिक्शा के चालक तुषार के रूप में हुई है। स्थानीय लोगों के अनुसार, कॉक्स बाजार से आने वाली ट्रेन ने रात करीब 10:30 बजे पुल पर प्रवेश करते समय ऑटो-रिक्शा को टक्कर मार दी। इसके बाद ट्रेन ने मोटरसाइकिलों सहित कई अन्य वाहनों को टक्कर मार दी। घटनास्थल पर मौजूद कलुरघाट

फायर स्टेशन के एक फायर फाइटर अमीनुल इस्लाम ने कहा कि उन्हें रात करीब 10:45 बजे दुर्घटना की सूचना मिली और वे मौके पर पहुंचे। पीड़ितों को बचाने के बाद उन्होंने सभी को चटगांव मेडिकल कॉलेज अस्पताल भेजा। उन्होंने कहा कि रात करीब 12:30 बजे ट्रेन के पहियों के नीचे से एक शव बरामद किया गया। रात एक बजे तक घटनास्थल पर बचाव अभियान जारी रहा।

रूस का कीव पर ड्रोन और क्रूज मिसाइल हमला, मेट्रो रेल ट्रैक क्षतिग्रस्त

एजेंसी

कीव (यूक्रेन)। रूस ने यूक्रेन की राजधानी कीव में ड्रोन और क्रूज मिसाइल हमला कर बड़ा नुकसान किया है। रूस के हमले में कई मेट्रो रेल ट्रैक क्षतिग्रस्त हो गए हैं। रात भर हुए हमले में कम से कम तीन नागरिक घायल हुए हैं। कुछ दिनों से यूक्रेन और रूस के बीच हमलों में वृद्धि हुई है। न्यूज के अनुसार, यूक्रेन की वायुसेना ने कीव पर बैलिस्टिक मिसाइल हमले की सूचना दी है। यूक्रेन ने कहा है कि कीव में वायु रक्षा प्रणाली को सक्रिय कर दिया गया है। कीव के मेयर विटाली क्लिट्स्को ने कहा कि रात भर हुए रूसी हमलों में तीन लोग घायल हुए हैं। उन्होंने टेलीग्राम पर एक पोस्ट में कहा कि रूसी ड्रोन कीव में प्रवेश कर रहे हैं। लोगों से सुरक्षित आश्रय स्थलों में रहने का आग्रह किया गया है। क्लिट्स्को ने कुछ देरबाद बताया कि घायलों में से दो को अस्पताल में

भर्ती कराया गया। एक का मौके पर ही इलाज किया गया। कीव सिटी मिलिट्री एडमिनिस्ट्रेशन के प्रमुख तैमूर तकाचेंको ने टेलीग्राम पोस्ट में कहा कि रूस के हमलों में राजधानी कीव में दो स्टेशनों के बीच मेट्रो ट्रैक क्षतिग्रस्त हो गए। गनीमत यह रही कि कहीं आग नहीं लगी और ना ही कोई हताहत हुआ। तकाचेंको ने इससे पहले सूचना दी थी कि कीव पर संयुक्त हमला शुरू हो गया है। हवाई रक्षा प्रणाली को सक्रिय कर दिया गया है।यूक्रेन की वायुसेना ने स्थानीय यूक्रेनी समयानुसार सुबह लगभग 4:30 बजे यूक्रेन के लुत्स्क, चेर्निहिव, ल्वीव और रिव्ने क्षेत्रों में क्रूज मिसाइल दागने की सूचना दी है। चेर्निहिव में ऊंची इमारत को निशाना बनाया गया। चेर्निहिव सिटी मिलिट्री एडमिनिस्ट्रेशन के प्रमुख दिमित्री ब्रायजिन्स्की ने कहा कि शहर में अभी भी हमला हो रहा है। यूक्रेन और रूस के बीच हमलों में वृद्धि तब हुई है जब अमेरिका की मध्यस्थता से शुरू की गई शांति वार्ता विफल हो गई है। यूक्रेन और रूस के उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल सोमवार को तुर्किये के इस्तांबुल में दूसरे दौर की वार्ता के लिए मिले थे।

इसके बाद बुधवार को रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने फोन पर चर्चा भी की। इस बीच एबीसी न्यूज ने उपग्रह इमेजरी के अध्ययन से दावा किया है कि रूस के खिलाफ यूक्रेन के ड्रोन हमले में कम से कम 11 रूसी बमवर्षक विमान और एक बड़ा परिवहन विमान बुरी तरह क्षतिग्रस्त या नष्ट हो गया। यूक्रेन के राष्ट्रपति व्लादिमीर जेलेंस्की ने इस गुप्त ऑपरेशन को इतिहास की किताबों में दर्ज होने वाला ऑपरेशन बताया।

इजराइल ने लेबनान में हिजबुल्लाह के सामरिक ठिकाने ध्वस्त किए

एजेंसी

बेरूत (लेबनान),। इजराइल डिफेंस फोर्सेज (आईडीएफ) ने दक्षिणी लेबनान के उपनगर दहिह में ईरान समर्थित आतंकी समूह हिजबुल्लाह के यूएवी उत्पादन केंद्र और भंडारण स्थलों को नेतस्तनाबूत कर दिया। आईडीएफ ने एक्स पर कहा कि हिजबुल्लाह के सामरिक ठिकानों पर रात को हवाई हमला किया। इस हमले में एक ड्रोन निर्माण कार्यशाला को मिट्टी में मिला दिया गया। द टाइम्स ऑफ इजराइल की खबर के अनुसार, आईडीएफ ने गुरुवार रात 10 बजे के बाद बेरूत के दक्षिणी उपनगरों में कई इमारतों पर ताबड़तोड़ हवाई हमले किए। इन इमारतों का प्रयोग हिजबुल्लाह ड्रोन बनाने में करता था। हवाई हमले से पहले दक्षिणी लेबनान के एक शहर में निकासी चेतावनी भी जारी की गई। आईडीएफ के अनुसार, हिजबुल्लाह ने इमारतों के तहखाने का प्रयोग ड्रोन निर्माण (यूनिट 127) के लिए करता था।

अमेरिका ने नेपाल का स्पेशल स्टेटस रद्द किया, 7000 नागरिकों को यूएस छोड़ने का आदेश

एजेंसी

काठमांडू। अमेरिका ने नेपाल का स्पेशल स्टेटस (विशेष संरक्षित सुविधा) रद्द करने की घोषणा की है। अमेरिका में इस सुविधा का उपयोग कर रह रहे 7000 से अधिक नेपाली नागरिकों को अमेरिका छोड़ कर जाने को कहा गया है। अमेरिका के होमलैंड सिक्योरिटी डिपार्टमेंट ने नेपाल को अब तक दिए जाने वाले टेंपररी प्रोटेक्टेड स्टेट्स को रद्द कर दिया है। इससे अमेरिका में रहने वाले 7,000 से अधिक नेपाली नागरिक प्रभावित हुए हैं।फेडरल रजिस्टर में शुक्रवार को प्रकाशित एक नोटिस के मुताबिक डिपार्टमेंट ऑफ होमलैंड सिक्योरिटी की सेक्रेटरी क्रिस्टी नोएम ने नेपाल को अब तक दिए जाने वाले टेंपररी प्रोटेक्टेड स्टेट्स को रद्द करते हुए कहा है कि नेपाल अब इसके मापदंडों पर खरा नहीं उतरता

है। नेपाल के लिए यह सुविधा औपचारिक रूप से नोटिस के प्रकाशन के ठीक 60 दिन बाद यानी 5 अगस्त, 2025 को देर रात 11:59 बजे समाप्त होगी। डिपार्टमेंट ऑफ होमलैंड सिक्योरिटी ने इस सुविधा के तहत अमेरिका में रहने वाले नेपाली नागरिकों से आग्रह किया है कि यदि उनके पास अमेरिका में रहने के लिए कोई अन्य कानूनी आप्रवासन कागजात या कोई अन्य वैध आधार नहीं है तो वे नेपाल लौटने की तैयारी शुरू कर दें। अमेरिकी राष्ट्रपति के रूप में डोनाल्ड ट्रंप की सत्ता में वापसी होने के साथ ही अवैध रूप से रह रहे एक हजार से अधिक नेपाली नागरिकों को अब तक डिपोर्ट किया जा चुका है। अमेरिकी गृह प्रशासन ने कहा कि इस फैसले के बाद जो लोग देश छोड़ने का इरादा रखते हैं वे अपने प्रस्थान को सुविधाजनक बनाने के लिए सीबीपी वन मोबाइल एप्लिकेशन का उपयोग कर सकते हैं। अमेरिकी प्रशासन ने नेपाल में 2015 को आए विनाशकारी भूकंप के बाद घरबार विहीन नागरिकों को अमेरिका में बसाने के लिए पहली बार नेपाल को यह स्टेटस प्रदान किया था।

संयुक्त अरब अमीरात में ईद-अल-अजहा की नमाज अदा की गई

एजेंसी

अबूधाबी। संयुक्त अरब अमीरात में आज भोर की पहली किरण फूटते ही ईद-अल-अजहा की भावना समुदायों में जीवंत हो उठी। मस्जिदों और खुले प्रार्थना स्थलों में मुसलमानों ने ईद अल अजहा की नमाज पढ़ी। इसके बाद एक-दूसरे को बधाई दी। ईद-उल-अजहा को बकरा ईद, बकरीद, बखरीद, ईद-अल-अजहा, ईद-कुर्बान, कुर्बान बयारामी या बलिदान के पर्व के रूप में भी जाना जाता है। यह त्योहार पैगंबर इब्राहिम के विश्वास की परीक्षा की याद में मनाया जाता है। खलीज टाइम्स अखबार के मुताबिक, आज लोग बकरा, भेड़ या ऊंट जैसे पशुओं की कुर्बानी भी देते हैं। संयुक्त अरब अमीरात के निवासी आज सुबह ईद-उल-अजहा की नमाज अदा करने के लिए मस्जिदों और खुले प्रार्थना स्थलों पर एकत्र हुए। दुबई में अल फारूक उमर बिन अल खत्ताब मस्जिद (ब्लू

मस्जिद) में बड़ी संख्या में नमाज अदा करने के लिए एकत्र हुए।इस बीच राष्ट्रीय मौसम विज्ञान केंद्र ने आज के लिए मौसम पूर्वानुमान जारी किया है। इसमें आज पूरे देश में तापमान बढ़ने की चेतावनी दी गई है। आंतरिक क्षेत्रों में 39 डिग्री सेल्सियस और 44 डिग्री सेल्सियस के बीच तापमान रहने की उम्मीद है। तटीय क्षेत्रों और द्वीपों में अधिकतम तापमान 37 डिग्री सेल्सियस से 41 डिग्री सेल्सियस के बीच रहेगा, जबकि पहाड़ी क्षेत्रों में 30 डिग्री सेल्सियस से 34 डिग्री सेल्सियस तक तापमान रहेगा।

आजीवन कारावास के आरोपित को बरी करने पर हाई कोर्ट के दो जजों और कानून मंत्री के खिलाफ जांच की मांग

एजेंसी

काठमांडू। नेपाल में 23 लोगों को जिंदा जलाकर हत्या करने के आरोप में आजीवन कारावास की सजा काट रहे पूर्व मंत्री सहित पांच लोगों को रिहा करने वाले हाई कोर्ट के दो जजों और कानून मंत्री के खिलाफ जांच की मांग की गई है। इस पर सुनवाई के लिए न्याय परिषद की आकस्मिक बैठक भी बुलाई गई है। नेपाली कांग्रेस के बाहुबली नेता पूर्व मंत्री और तीन बार के सांसद आफताब आलम सहित उनके परिवार के पांच सदस्यों को सबूतों के अभाव में हाई कोर्ट के दो जजों की बेंच ने रिहा करने का आदेश दिया था। इसी मामले में सुप्रीम कोर्ट ने इस घटना का संज्ञान लेते हुए पुख्ता प्रमाण होने के कारण इन सभी आरोपितों को तत्काल गिरफ्तार करके इन पर मुकदमा चलाने का आदेश दिया था। हाई कोर्ट की तरफ से राजनीतिक दबाव में यह फैसला किए जाने की बात कहते हुए नेपाल बार एसोशिएशन ने न्याय परिषद में लिखित शिकायत की है। साथ ही हाई कोर्ट के दोनों जजों और देश के कानून मंत्री अजय चौरसिया के खिलाफ जांच की मांग की है। परिषद ने आज आकस्मिक बैठक बुलाई है। इस शिकायत में इस तरह का आदेश देने वाले हाई कोर्ट के दोनों जजों और कानून मंत्री के फैसले के दो दिन पहले से लेकर दो दिन बाद तक के कॉल डिटेल रिकॉर्ड मंगाने की बात भी कही गई है।

'पहलगाम जैसे आतंकी हमलों की कीमत चुकानी पड़ेगी', अमेरिका में बोले शशि थरूर

एजेंसी

वाशिंगटन । अमेरिका में इन दिनों भारतीय सांसदों के प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व कांग्रेस सांसद शशि थरूर कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में 22 अप्रैल को जो आतंकी हमला हुआ, उसके जैसे हमलों की अब एक बड़ी कीमत चुकानी पड़ेगी। भारत यह कभी बर्दाश्त नहीं करेगा कि सीमा पार से आकर कोई हमारे नागरिकों को मारे और उसे सजा भी न मिले। अमेरिका में भारतीय दूतावास द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम में थरूर और उनके साथ गए सांसदों ने कई थिंक टैंक्स से मुलाकात की। इस बातचीत में भारत की आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई और भारत-अमेरिका के बहुआयामी रिश्तों पर चर्चा हुई। इस प्रतिनिधिमंडल में कई दलों के सांसद शामिल हैं, जैसे शांभवी चौधरी (लोक जनशक्ति पार्टी), सरफराज अहमद (झारखंड मुक्ति मोर्चा), जी.एम. हरीश बालयोगी (तेलुगु देशम पार्टी), शशांक मणि त्रिपाठी, तेजस्वी सूर्या, भुवनेश्वर कलिता (सभी भाजपा से), शिवसेना के सांसद मिलिंद देवड़ा और अमेरिका में भारत के पूर्व राजदूत तरनजीत सिंह संधू। थरूर ने बताया कि जहां-जहां भी प्रतिनिधिमंडल गया, उन्हें समर्थन और एकजुटता मिली। उन्होंने कहा कि यह हमारे लिए बहुत महत्वपूर्ण था कि हम पूरी दुनिया को बताएं कि भारत अब किसी भी आतंकी

हमले को हल्के में नहीं लेगा। थरूर ने कहा, हम जहां भी गए वहां हमें पूरी समझ और एकजुटता मिली। हम इन्हीं दो चीजों के लिए यहां आए थे। हम एक विकासशील देश हैं, हमारा पूरा ध्यान देश की प्रगति और गरीबी हटाने पर है। लेकिन हम इस तरह की आतंकी घटनाओं को बर्दाश्त नहीं कर सकते हैं। जो इस तरह के योजनाबद्ध और मिलिट्री स्टाइल में किए गए हमले होते हैं, तो इसकी कीमत जरूर चुकानी होगी। ऐसे हमलों की सज़ा जरूर होगी और यह बहुत ही मजबूत संदेश था जो हमने भेजा।इससे पहले शशि थरूर और उनके दल ने अमेरिका के उपराष्ट्रपति जे.डी. वेंस से भी मुलाकात की और आतंकवाद से निपटने, तकनीकी सहयोग बढ़ाने जैसे कई अहम मुद्दों पर चर्चा की। इस मुलाकात को उन्होंने भारत-अमेरिका रणनीतिक साझेदारी को मजबूत करने की दिशा में बेहद सकारात्मक और उपयोगी बातचीत बताया। थरूर ने 'एक्स' पर एक अन्य पोस्ट में कहा, 'वाशिंगटन डी.सी. में आज हमारे प्रतिनिधिमंडल के साथ उपराष्ट्रपति जे.डी. वेंस के साथ शानदार बैठक हुई। आतंकवाद विरोधी प्रयासों से लेकर तकनीकी सहयोग बढ़ाने तक, हमने कई महत्वपूर्ण मुद्दों पर व्यापक चर्चा की। भारत-अमेरिका रणनीतिक साझेदारी को मजबूत करने के लिए वास्तव में रचनात्मक और उत्पादक आदान-प्रदान, जिसमें विचारों की शानदार बैठक हुई।' भाजपा सांसद तेजस्वी सूर्या ने भी 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा 'आज वाशिंगटन डी.सी. में अमेरिकी उपराष्ट्रपति जे.डी. वेंस के साथ अमेरिका में सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल के सदस्यों के साथ बैठक की। हाल ही में भारत की अपनी यात्रा के दौरान, उपराष्ट्रपति वेंस ने निर्दोष नागरिकों पर पाकिस्तान समर्थित हमलों की क्रूरता को भी प्रत्यक्ष रूप से देखा।

बिग बॉस 19 में 'बबीता जी' की एंट्री?

मुनमुन दत्ता

को मिला ऑफर, सलमान के शो में आ सकती हैं नजर!

जब से सुपरस्टार सलमान खान के मशहूर रियलिटी शो बिग बॉस के 19वें सीजन की वापसी की पुष्टि हुई है, तब से इस शो को लेकर चर्चाएं तेज हो गई हैं. कहा जा रहा है कि कलर्स टीवी का ये रियलिटी शो जल्द ही शुरू हो सकता है. इसी बीच, शो में नजर आने वाले संभावित कंटेस्टेंट के नामों पर अटकलें लगनी शुरू हो गई हैं. अब खबर आ रही है कि पॉपुलर कॉमेडी शो 'तारक मेहता का उल्टा चश्मा' की 'बबीता जी' यानी मुनमुन दत्ता भी इस बार 'बिग बॉस' के घर का हिस्सा बन सकती हैं.

बिग बॉस के सीजन 19 में मेकर्स सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर्स को नहीं बल्कि सिर्फ एक्टर्स को शामिल करना चाहते हैं और यही वजह है कि वो टीवी और फिल्मों के ऐसे एक्टर्स को अप्रोच कर रहे हैं, जो उन्हें अच्छा कंटेंट दे पाएं. टीवी9 हिंदी डिजिटल को सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक हमेशा की तरह इस बार भी बिग बॉस की टीम ने मुनमुन को संपर्क किया है. दोनों के बीच बातचीत चल रही है. लेकिन अब तक मुनमुन ने इस शो में शामिल होने के लिए हां नहीं कहा है.

कई बार मिल चुका है बिग बॉस का ऑफर

पिछले 10 सालों से मुनमुन दत्ता 'बिग बॉस' के लिए अप्रोच किया जा रहा है. लेकिन अक्सर वो इस शो में शामिल होने से इनकार कर देती हैं. अब इस बार मुनमुन शो का हिस्सा बनती हैं या नहीं, यह देखना दिलचस्प होगा. हालांकि, इस खबर ने सोशल मीडिया पर फैंस के बीच जबरदस्त एक्साइटमेंट पैदा कर दी है, और मुनमुन दत्ता को लेकर खूब चर्चा हो रही है.

विवादों से भी रहा है 'बबीता जी' का नाता

'तारक मेहता का उल्टा चश्मा' में 'बबीता जी' का किरदार निभाकर मुनमुन दत्ता ने घर-घर में अपनी पहचान बनाई है, लेकिन उनका नाम कुछ विवादों से भी जुड़ा रहा है. उनकी निजी जिंदगी में उम्र में 10 साल छोटे को-स्टार राज अनादकट के साथ उनके रिश्ते और गुपचुप सगाई की खबरें भी सुर्खियां बटोर चुकी हैं.

'बिग बॉस 19' में कौन-कौन आ सकता है नजर ?

'बिग बॉस 19' में फिलहाल जिन सेलिब्रिटी कंटेस्टेंट्स के नामों की चर्चा सबसे ज्यादा हो रही है, उनमें डेजी शाह, 'बालिका वधू' फेम शशांक व्यास, शरद मल्होत्रा, टीवी इंडस्ट्री के पॉपुलर कपल राम और गौतमी कपूर, खुशी दुबे और मून बनर्जी शामिल हैं. रिपोर्ट्स के अनुसार, होस्ट सलमान खान जून के आखिर तक 'बिग बॉस 19' के प्रोमो की शूटिंग शुरू कर सकते हैं. यानी कलर्स टीवी का ये शो जुलाई में टीवी पर ऑन-एयर हो जाएगा, जिसके बाद फैंस को घर के अंदर होने वाले ड्रामे का बेसब्री से इंतज़ार रहेगा.

जब सलमान के सामने गोविंदा ने डेविड धवन से की ये डिमांड, वरुण के पापा ने दिया था ऐसा जवाब

बॉलीवुड में एक समय डायरेक्टर डेविड धवन और सुपरस्टार गोविंदा की जोड़ी काफी मशहूर थी. दोनों ने साथ में करीब डेढ़ दर्जन फिल्में की थीं और दोनों दिग्गजों की ज्यादातर फिल्में टिकट खिड़की पर हिट साबित हुईं. हालांकि बाद में दोनों के रिश्ते किसी वजह से बिगड़ गए थे. हालांकि सालों बाद दोनों के बीच सुलह हो गई थी. वहीं जब दोनों की दोस्ती काफी अच्छी थी तब एक बार गोविंदा ने सलमान खान के सामने डेविड धवन से ऐसी डिमांड कर दी थी, जिस पर हंसते हुए डेविड ने गोविंदा को कमीना कह दिया था.बात है आज से सालों पहले की. डेविड धवन और गोविंदा साथ में सलमान खान के शो 'दस का दम' पर पहुंचे थे. तीनों के बीच इस दौरान काफी मस्ती मजाक हुआ था. तीनों ने ढेर सारी बातचीत की और इसी बीच अपने डांस के लिए मशहूर गोविंदा ने डेविड से डांस की अपील कर दी थी. बाद में वो डांस करते हुए भी दिखे जिस पर सभी हंसने लगे थे.

गोविंदा ने डेविड से की थी डांस की डिमांड

गोविंदा ने सलमान खान के सामने डेविड धवन का मजाक उड़ाते हुए कहा था, मुझे बड़ी तमन्ना है. इस पर सलमान ने पूछा, क्या ? तो गोविंदा ने कहा, मैं चाहता हूं डेविड वो वाला डांस करके दिखाए. फिर सलमान पूछते हैं, कौन सा ? इस पर गोविंदा ने कहा था, एक बार जो जाए जवानी फिर ना आए जो गाना है.

डेविड बोले- तू बहुत कमीना है

गोविंदा की बात सुनते ही सलमान ने भी डेविड की तरफ देखते हुए हां कहा. फिर डेविड ने हंसते हुए गोविंदा को कहा था. तू बहुत कमीना है. तू मेरा दोस्त है. इस पर गोविंदा ने कहा, डेविड तू वो कैसे करेगा मैं देखना चाहता हूं, जब तेरी तोंद हिलेगी. इस पर सभी हंसने लगते हैं. डेविड पहले तो डांस के लिए मना करते रहे, हालांकि फिर उन्होंने इस गाने पर गोविंदा के साथ डांस किया था.

गोविंदा-डेविड ने इन फिल्मों मे साथ किया काम

90 के दशक में बॉलीवुड में गोविंदा और डेविड की जोड़ी काफी मशहूर थी. दोनों ने 'कुली नंबर 1', 'साजन चले ससुराल', 'हीरो नंबर 1', 'बनारसी बाबू', 'शोला और शबनम, 'आंखें', 'राजा बाबू', 'दीवाना मस्ताना', 'बड़े मियां छोटे मियां, 'हसीना मान जाएगी', और पार्टनर सहित 17 फिल्में की थीं.

तारक मेहता... की भिड़े भाभी की बेटी की खूबसूरती देख दीपिका-आलिया को भूल जाएंगे, हो गई हैं इतनी बड़ी

टीवी का मशहूर सीरियल 'तारक मेहता का उल्टा चश्मा' दर्शकों के लिए एक इमोशन बन गया है. इस शो के हर किरदार ने लोगों के दिलों में खास जगह बनाई है, फिर चाहे वो जेठालाल और दयाबेन हों या फिर भिड़े मास्टर और उनकी पत्नी माधवी भिड़े. माधवी का किरदार निभाने वाली एक्ट्रेस सोनालिका जोशी ने अपनी सादगी और 'अचार-पापड़' के बिजनेस से सबको खूब हंसाया है. लेकिन क्या आप जानते हैं कि असल जिंदगी में भी उन्हें 'सोनू' की तरह एक बेटी है. सोनालिका की रियल लाइफ 'सोनू' का नाम आर्या जोशी है. आर्या अब काफी बड़ी हो गई हैं. खुद को कैमरा की नजरों से दूर रखने वाली आर्या खूबसूरती में दीपिका पादुकोण और आलिया भट्ट को पीछे छोड़ सकती हैं.

सोनालिका जोशी की बेटी आर्या जोशी को ज्यादातर लोग नहीं जानते. तारक मेहता के फैंस ने छोटी आर्या को ज्यादातर अपनी मां के इंटरव्यू में देखा होगा लेकिन अब आर्या बड़ी हो गई हैं और उनके कुछ वीडियो सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रहे हैं. इन वीडियो में आर्या बेहद खूबसूरत और स्टाइलिश दिख रही हैं. उनकी खूबसूरती ऐसी है कि लोग उनकी तुलना बॉलीवुड की टॉप एक्ट्रेसेस, जैसे दीपिका पादुकोण या आलिया भट्ट से करने लगे हैं. आर्या का मॉडर्न अंदाज़, आत्मविश्वास और उनकी सादगी का मेल लोगों को खूब पसंद आ रहा है. उनका स्टाइल अपनी मां से बिल्कुल अलग है.

पढ़ाई पर है आर्या का पूरा फोकस

आर्या जोशी फिलहाल ग्लैमर की दुनिया से थोड़ी दूर हैं और अपनी पढ़ाई पर पूरा ध्यान दे रही हैं. हालांकि, उनकी मां सोनालिका जोशी अक्सर अपनी और आर्या की तस्वीरें और वीडियो सोशल मीडिया पर शेयर करती रहती हैं. दोनों मां-बेटी को एक साथ गाना गाना बहुत पसंद है. उनके म्यूजिक वीडियो पर भी फैंस खूब प्यार लुटाते हैं.

आर्या एक अच्छी सिंगर ही नहीं बल्कि टैलेंटेड डांसर भी हैं. लेकिन फिलहाल वो कैमरे की नजरों से दूर रहना चाहती हैं और यही वजह है कि आर्या ने अपनी पर्सनल सोशल मीडिया प्रोफाइल प्राइवेट रखी है, फिलहाल सोशल मीडिया पर उनके महज 344 फॉलोअर्स हैं.

'हम हमेशा के लिए एक हो गए...' कैंसर से जूझ रहीं

हिना खान

ने बॉयफ्रेंड रॉकी संग रचाई गुपचुप शादी

'ये रिश्ता क्या कहलाता है' की अक्षरा यानी एक्ट्रेस हिना खान हमेशा ही सुर्खियों में रहती हैं. वो कैंसर से जंग लड़ रही हैं, इसी बीच हिना के फैंस के लिए एक बड़ी खबर सामने आई है. एक्ट्रेस ने अपने लॉन्ग टाइम बॉयफ्रेंड रॉकी जायसवाल से शादी कर ली है. हिना और रॉकी ने काफी गुपचुप तरीके से शादी की. अब उन्होंने फैंस के लिए अपनी शादी की तस्वीरें शेयर की हैं.

एक्ट्रेस हिना खान ने शादी कर ली है. हिना कैंसर से जंग लड़ रही हैं, इसी बीच उन्होंने फैंस के लिए एक चौंकाने वाली खबर शेयर की. हिना ने अपने बॉयफ्रेंड रॉकी संग सात फेरे लिए. उन्होंने सोशल मीडिया पर अपनी शादी की खूबसूरत तस्वीरें शेयर की हैं. फैंस हिना और रॉकी की तस्वीरों पर खूब प्यार बरसा रहे हैं.

हिना ने शेयर की खूबसूरत तस्वीरें

एक्ट्रेस हिना खान ने अपनी शादी की तस्वीरों के साथ बेहद खूबसूरत कैप्शन भी शेयर किया है. एक्ट्रेस ने लिखा दो अलग जहानों को जोड़कर हमने एक दुनिया बना ली है. हमने अपने सारे गिले-शिकवों को मिटाकर एक ऐसा रिश्ता बना लिया है जो जीवन भर के लिए है. हम एक दूसरे की दुनिया हैं और आज से हम एक दूसरे के हो गए हैं. हिना और रॉकी की तस्वीरों पर फैंस अलग-अलग तरह के कमेंट्स कर रहे हैं.

साड़ी में परी लग रहीं एक्ट्रेस

एक्ट्रेस ने अपनी शादी की कई तस्वीरें शेयर कीं. इन तस्वीरों में हिना और रॉकी बहुत प्यारे लग रहे हैं. हिना और रॉकी ने बहुत सादे तरीके से शादी की. उन्होंने अपने ब्राइडल लुक को भी सटल रखा. हिना ने ओपल ग्रीन कलर की साड़ी पहनी है, जिसके साथ उन्होंने सिल्वर कलर की चुन्नी पेयर की. उन्होंने इसके साथ बहुत ही खूबसूरत और सिम्पल तरीके की ज्वैलरी भी पहनी है. हिना की साड़ी को मशहूर फैशन डिजाइनर मनीष मल्होत्रा ने डिजाइन किया है. वहीं हिना के दूल्हे राजा रॉकी ने भी ऑफ वाइट शेरवानी पहनी है.

प्रधानमंत्री ने रक्षा मंत्री के आलेख को सोशल मीडिया पर किया साझा

नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के एक लेख को साझा किया, जिसमें सीमापार आतंकवाद के प्रति भारत की जीरो टॉलरेंस की नीति की पुष्टि की गई है। मोदी ने कहा कि रक्षा मंत्री ने जोर देकर कहा है कि भारत पर किसी भी हमले का कड़ा जवाब दिया जाएगा और आतंकवादियों और उनके अपराधियों के बीच कोई अंतर नहीं किया जाएगा। रक्षा मंत्री के एक्स पोस्ट पर साझा किए गए लेख पर प्रतिक्रिया देते हुए मोदी ने एक्स पर लिखा, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सीमा पार आतंकवाद के प्रति भारत की जीरो टॉलरेंस की पुष्टि की है। उन्होंने जोर देकर कहा कि भारत पर किसी भी हमले का कड़ा जवाब दिया जाएगा और आतंकवादियों और उनके अपराधियों के बीच कोई अंतर नहीं किया जाएगा। उल्लेखनीय है कि एक अंग्रेजी दैनिक में प्रकाशित लेख में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने आतंकवाद को मानवता के लिए अभिशाप बताया है। उन्होंने कहा कि यह क्रांति, शहादत और हिंसा के रोमांटिक दृष्टिकोण की भ्रामक धारणाओं पर पनपता है। उन्होंने कहा कि सच्ची स्वतंत्रता कभी भी भय और रक्तपात पर आधारित नहीं हो सकती। सिंह ने कहा कि भारत सरकार पाक प्रायोजित आतंकवाद के खिलाफ जीरो टॉलरेंस और निश्चित जवाबी कार्रवाई की नीति पर चल रही है। उन्होंने वैश्विक समुदाय से आतंकवाद से लड़ने के लिए एकजुट होने का आह्वान किया। रक्षा मंत्री ने आतंकवाद से लड़ने के लिए पांच तरीके सुझाए और कहा कि सभी शांतिप्रिय देशों को इस खतरे को हमेशा के लिए मिटाने के लिए एक साथ आने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि भारत आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में एक मजबूत और दृढ़ देश है और इस खतरे के खिलाफ लड़ने के लिए तैयार है।

निर्जला एकादशी पर करप्शन एंड क्राइम रिफॉर्म्स ऑर्गेनाइजेशन ने लगाया विशाल मीठे जल का सेवा शिविर

पदाधिकारियों और स्वयंसेवकों ने तन, मन और धन से सेवा कर इस आयोजन को सफल बनाया। इस अवसर पर प्रमुख रूप से सरदार राजेंद्र सिंह पोपली, मीना रावत, राधिका अग्रवाल, रानी पोपली, संजीव सिंघल, आदित्य गोयल, रजत नारंग, विकास बंसल, मास्टर आरुष अग्रवाल, संदीप बहल, आशीष गुप्ता (मंडल अध्यक्ष), संगीता खन्ना (मंडल अध्यक्ष), सुनील गंभीर (अध्यक्ष माँ शक्ति अपार्टमेंट), और थानेदार पाठक (पश्चिम विहार ईस्ट) सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे

दिव्य दिल्ली : निर्जला एकादशी के पावन अवसर पर देशभर में सेवा और श्रद्धा का अद्भुत संगम देखने को मिला। कहीं मीठे जल की छबील लगी, तो कहीं फल और अन्न का वितरण कर लोगों ने पुण्य अर्जित किया। इसी कड़ी में राजधानी दिल्ली के पश्चिम विहार क्षेत्र में 'करप्शन एंड क्राइम रिफॉर्म्स ऑर्गेनाइजेशन' द्वारा इंद्रप्रस्थ स्कूल के पास एक भव्य मीठे पानी की छबील का आयोजन किया गया। संस्था के अध्यक्ष विनीत अग्रवाल और चेयरमैन केवल कृष्ण वर्मा के मार्गदर्शन में यह सेवा कार्यक्रम दिनभर चला, जिसमें सैकड़ों लोगों को ठंडे मीठे जल की सेवा प्रदान की गई। संस्था के पदाधिकारियों और स्वयंसेवकों ने तन, मन और धन से सेवा कर इस आयोजन को सफल बनाया। इस अवसर पर प्रमुख रूप से सरदार राजेंद्र सिंह पोपली, मीना रावत, राधिका अग्रवाल, रानी पोपली, संजीव सिंघल, आदित्य गोयल, रजत नारंग, विकास बंसल, मास्टर आरुष अग्रवाल, संदीप बहल, आशीष गुप्ता (मंडल अध्यक्ष), संगीता खन्ना (मंडल अध्यक्ष), सुनील गंभीर (अध्यक्ष माँ शक्ति अपार्टमेंट), और थानेदार पाठक (पश्चिम विहार ईस्ट) सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे। कार्यक्रम के समापन पर संस्था अध्यक्ष विनीत अग्रवाल ने सभी सेवाभावी लोगों का आभार व्यक्त करते हुए विश्वास दिलाया कि उनकी संस्था आगे भी इसी प्रकार समाजसेवा में समर्पित रहेगी।"

अशोक कपूर को तत्काल प्रभाव से हिन्दुस्तानी सेवा दल का राष्ट्रीय वरिष्ठ उपाध्यक्ष नियुक्त किया

दिव्य दिल्ली : भारत देश की आजादी से पूर्व गठित हिन्दुस्तानी सेवा दल को पुनर्जीवित करने के उद्देश्य से दिल्ली निवासी अशोक कपूर को तत्काल प्रभाव से हिन्दुस्तानी सेवा दल का राष्ट्रीय वरिष्ठ उपाध्यक्ष नियुक्त किया गया है।

हिन्दुस्तानी सेवा दल के सचिव संस्थापक बलराम सिंह ने जानकारी देते हुए बताया कि अशोक कपूर के सामाजिक और राजनीतिक जीवन में कर्मठता से किए गए कार्यों को देखते हुए उन्हें यह कार्यभार सौंपा गया है। अशोक कपूर ने समाज कल्याण और आम जनमानस के उत्थान के लिए अपनी सच्ची सेवा के माध्यम से काफी नाम कमाया है। हिंदुस्तानी सेवा दल के सचिव संस्थापक बलराम सिंह ने आशा व्यक्त की है कि आने वाले समय में अशोक कपूर के माध्यम से हिन्दुस्तानी सेवा दल को जनता के बीच और ज्यादा कारगर सिद्ध करते हुए देश में अग्रणीय दिशा में बढ़ाने में सहायता मिलेगी। नवनियुक्त राष्ट्रीय वरिष्ठ उपाध्यक्ष अशोक कपूर ने भी हिन्दुस्तानी सेवा दल के उद्देश्यों को पूरा करने के लिए भारत राष्ट्र में पूर्ण समर्पित होकर कार्य करने का संकल्प किया।

दिल्ली के ग्रैंड उत्सव में माता रानी की दिव्य चौकी ने भक्तों को किया भावविभोर

दिव्य दिल्लीः दिल्ली में आयोजित ग्रैंड उत्सव के तहत माता रानी की पावन चौकी का आयोजन एक विशेष धार्मिक उत्सव के रूप में सम्पन्न हुआ। यह पावन कार्यक्रम रानी बाघ मंडल और राजा पार्क मंडल युवा मंडल के नेतृत्व और मार्गदर्शन में अत्यंत श्रद्धा, भक्ति और समर्पण के साथ संपन्न हुआ।इस आयोजन में रानीबाग व्यापार मंडल तथा दोनों ओर की मार्केट एसोसिएशनों को विशेष आमंत्रण देकर सम्मिलित किया गया। जिसमे प्रेजिडेंट बबली गुलाटी मुख्य अतिथि मौजूद रही इस पहल से व्यापारिक समुदाय में एकता और आध्यात्मिक चेतना का संचार हुआ।चौकी की सबसे अनोखी विशेषता यह रही कि इसमें नए उभरते भजन गायकों को मंच प्रदान किया गया, जिससे उन्हें अपनी प्रतिभा दिखाने और श्रद्धालुओं के साथ एक आध्यात्मिक संबंध स्थापित करने का सुनहरा अवसर मिला। सभी नवोदित गायकों ने माता रानी के भक्ति भाव से ओतप्रोत भजनों की प्रस्तुति देकर उपस्थित जनसमूह को भक्ति रस में डुबो दिया। इस दिव्य संध्या में विभिन्न क्षेत्रों के प्रतिष्ठित गणमान्य व्यक्तियों, जनप्रतिनिधियों, और समाजसेवियों ने भी भाग लिया। सभी ने मंच पर उपस्थित होकर माता रानी के चरणों में अपनी श्रद्धा अर्पित की। कार्यक्रम का संपूर्ण वातावरण भक्ति, समर्पण और सामुदायिक सौहार्द्र का प्रतीक बना रहा। यह चौकी न केवल एक धार्मिक आयोजन रही , बल्कि समाज में सकारात्मक ऊर्जा, आध्यात्मिक जागरूकता और सांस्कृतिक मूल्यों के संचार का माध्यम भी सिद्ध हुई।

खाद्य जनित बीमारियों को कम करने में सुरक्षित और स्वच्छ भोजन की महत्वपूर्ण भूमिका: जेपी नड्डा

नई दिल्ली

दुनियाभर में आज विश्व खाद्य सुरक्षा दिवस मनाया जा रहा है। इस मौके पर केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जेपी नड्डा ने खाद्य जनित बीमारियों को कम करने में सुरक्षित और स्वच्छ भोजन की आवश्यक भूमिका के बारे में जागरूकता बढ़ाने पर जोर दिया। नड्डा ने एक्स पोस्ट में कहा कि भोजन वह ईंधन है जो हमें हर दिन आगे बढ़ने में मदद करता है। जब हम खाद्य सुरक्षा पर ध्यान केंद्रित करते हैं, तो हम अपने स्वास्थ्य और हर जगह परिवारों की भलाई की रक्षा कर रहे होते हैं। इस वर्ष की थीम, "खाद्य सुरक्षाः विज्ञान की कार्रवाई," इस बात का जश्न मनाती है कि कैसे विज्ञान और प्रौद्योगिकी हर स्तर पर हमारे भोजन की गुणवत्ता और सुरक्षा की रक्षा कर रही है।

उल्लेखनीय है कि खाने से होने वाले किसी भी तरह के खतरे को कम करने और उसे पकड़ने के लिए ही फूड सेफ्टी डे मनाया जाता है। पहली बार विश्व खाद्य सुरक्षा दिवस 7 जून 2019 को मनाया गया था।

वर्ल्ड फूड सेफ्टी डे को 18 दिसंबर को यूनाइटेड नेशन जनरल एसेंबली ने फूड एंड एग्रीकल्चर ऑर्गनाइजेशन और वर्ल्ड हेल्थ ऑर्गनाइजेशन के साथ मिलकर बनाया। इस दिन को मनाने का उद्देश्य स्वास्थ्य, भूख और खेती से जुड़े लक्ष्यों को पाने के साथ खाने की सुरक्षा की जरूरतों पर ध्यान दिलाने के लिए किया गया।

क्यों जरूरी है वर्ल्ड फूड सेफ्टी डे-

खाने की सुरक्षा किसी आम जनता का मौलिक अधिकार है। गंदे और असुरक्षित खाने से हार्मफुल बैक्टीरिया, वायरस, पैरासाइट और कैमिकल होते हैं जो लगभग 200 बीमारियों को जन्म दे सकते हैं। इसमें डायरिया से लेकर कैंसर तक शामिल है। वर्ल्ड हेल्थ ऑर्गनाइजेशन के अनुसार लगभग 6 मिलियन लोग प्रदूषित खाना खाकर हर साल बीमार पड़ जाते हैं। वहीं प्रदूषित खाने से करीब चार लाख बीस हजार मौतें भी हो चुकी हैं।

प्रधानमंत्री के प्रधान सचिव ने अत्यधिक गर्मी के जोखिम से निपटने के लिए वैश्विक सहयोग का आह्वान किया

नई दिल्ली

प्रधानमंत्री के प्रधान सचिव डॉ. पी. के. मिश्रा ने संयुक्त राष्ट्र महासचिव के आह्वान को दोहराते हुए अत्यधिक गर्मी को वैश्विक संकट के रूप में संबोधित करने की तत्काल आवश्यकता पर बल दिया है। उन्होंने कहा कि बढ़ते तापमान से सार्वजनिक स्वास्थ्य, आर्थिक स्थिरता और पारिस्थितिकी तंत्र के लिए प्रणालीगत जोखिम पैदा हो रहा है। डॉ. मिश्रा ने शुक्रवार को जिनेवा में अत्यधिक गर्मी जोखिम प्रबंधन पर विशेष सत्र के दौरान मुख्य भाषण देते हुए कहा कि हीट वेव्स सीमापार और प्रणालीगत जोखिम हैं, खासकर घनी आबादी वाले शहरी क्षेत्रों के लिए। उन्होंने अंतरराष्ट्रीय समुदाय से तकनीकी सहयोग, डेटा साझाकरण और गर्मी सहनशीलता पर संयुक्त अनुसंधान बढ़ाने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि भारत ने अत्यधिक गर्मी के जोखिम प्रबंधन के लिए एक सक्रिय और दूरदर्शी दृष्टिकोण अपनाया है। उन्होंने बताया कि भारत आपदा प्रतिक्रिया से आगे बढ़कर एकीकृत तैयारी और शमन रणनीतियों की ओर बढ़ गया है।

भाजपा ने असम से राज्यसभा के लिए कणाद पुरकायस्थ को बनाया उम्मीदवार

नई दिल्ली

भारतीय जनता पार्टी ने असम से राज्यसभा चुनाव के लिए कणाद पुरकायस्थ को उम्मीदवार बनाया है। पार्टी की केंद्रीय चुनाव समिति ने शनिवार को यह फैसला किया। असम से राज्यसभा की दो सीटों के लिए चुनाव कराए जा रहे हैं। राज्य में सत्तारूढ़ भाजपा ने एक सीट अपनी सहयोगी असम गण परिषद (एजीपी) को आवंटित की है। राज्यसभा की इन दो सीटों के लिए चुनाव 19 जून को होंगे, जिसके परिणाम उसी दिन घोषित किए जाएंगे। चुनाव की अधिसूचना 02 जून को जारी होने के साथ ही नामांकन प्रक्रिया शुरू हुई, जो 09 जून तक चलेगी। भाजपा के मिशन रंजन दास और एजीपी के बीरेंद्र प्रसाद बैश्य के कार्यकाल पूरा होने के कारण इन दो सीटों पर चुनाव कराए जा रहे हैं। असम में राज्यसभा की सात सीटें हैं, जिनमें से छह पर भाजपा-नीत राजग का कब्जा है, जबकि एक सीट निर्दलीय के पास है।

पार्टी किंग साहिंल सोंधी के गायब होने का खुला राज, वापिस आते ही बोले पार्टी यूँ ही चलेगी

दिव्य दिल्ली : दिल्ली एनसीआर में हैंगओवर नाइट्स ब्रांड से अपनी पहचान बनाने वाले और दिल्ली के लोगो पर राज करने वाला अगर कुछ महीनों के लिए दिखाई ना दे तो ऐसा लगता है कि दिल्ली में वीकेंड पार्टियों कि रफ़्तार थम सी गई है। साहिल सोंधी सोशल मीडिया में ही नही रियल लाइफ में भी अब खोजे जाने लगे है जी ठीक सुना आपने साहिल सोंधी के अब इतने फोल्लोवेर्स है कि हर वीकेंड उनकी पार्टी में आने का इंतजार करते है। मगर पिछले कुछ महीनों से साहिल सोंधी कि पार्टी कि कोई नई अपडेट ना आने से उनके फॉलोवेर्स काफी असमंजस में थे कि आखिर साहिल सोंधी गए कहा ? हर किसी ने उनसे संपर्क साधने की कोशिश की मगर कोई यह पता नही कर पाया कि वह कहां हैं किस हालात में हैं। रात पार्टी किंग प्रथम एजेंडा राष्ट्रीय दैनिक अखबार के सवांददाता से संपर्क करते हैं और उन्हे अपनी पुरी आपबीती बताते हैं कि वह पिछले कुछ महीनों से जोंडिस की बीमारी से जूझ रहे थे उन्होंने इस दौरान कई डॉक्टर को दिखाया मगर उन्हे आराम नहीं आया ना ही दवाइयों ने असर दिखाया उन्होंने बताया कि कभी कभी आपसे प्यार करने वालो कि दुआ काम आती है उन्होंने कहा कि मेरे फोल्लोवेर्स कि वजह से मैं ठीक हूं। उन्ही कि वजह से आज मैं आप सबके बीच स्वस्थ खड़ा हूं। और उन्होंने बड़ी घोषणा करते हुए यह भी कहा कि वह जल्द ही हैंगओवर नाइट्स वीकेंड पार्टी का क्रेज दुबारा लेकर आएंगे और वापसी करेंगे।

Published, printed and owned by Rajesh.Chauhan, printed at B B Graphic printer Z--57 Okhla Industrial Area ph.2 New Delhi -110020 and published at BG 6 305 B Paschim Vihar New Delhi --110063 Editor Rajesh.Chauhan. E mail ID-rajeshchauhan4569@gmail.com, Contact No. - 9873104569, RNI No DELENG/2013/54397